जैनाचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
पर भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी
विशेष आवरण संग्रह

संकलन कर्त्ता
विजय कमार जैन

प्रकाशकीय

इस युग के महान संतशिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज द्वारा भारतीय पुरातन संस्कृति, शिक्षा एवं कला के विकास में योगदान दिया गया। आप जिधर भी जाते थे संपूर्ण जनमानस आपके उपदेशों से प्रभावित होकर व्यसनों को त्यागकर धर्म के मार्ग पर लग जाता था। आपकी प्रेरणा से गौ–संवर्धन, शिक्षण संस्थानों का निर्माण, जिन मंदिरों का निर्माण, आयुर्वेद केन्द्रों का निर्माण, हथरघा केन्द्र, हस्तशिल्प केन्द्र जैसे अनेकों जनोपयोगी कार्य किये गये। आपके सानिध्य में अनेकों पंचकल्याणक प्रतिष्ठा संपन्न हुई जिसमें भारतीय डाक विभाग द्वारा ऐसे अवसरों पर विशेष आवरण जारी किये गये। वर्ष 2018 में आपकी दीक्षा के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में समाज द्वारा संयम स्वर्ण महोत्सव एक वर्ष तक मनाया गया एवं आपके आचार्य पद प्रतिष्ठान के 50 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष 2021–2022 में संस्कृति स्वर्ण महोत्सव मनाया गया।इनको यादगार बनाने के लिये भारत के विभिन्न नगरों से डाक विभाग द्वारा विशेष आवरण जारी किये गये जिसका संकलन मैने आचार्य श्री को मार्गदर्शक मानकर एकलव्य की भांति किया। मेरी भावना थी कि मैं इस सबका संकलन कर एक पुस्तक के आकार में पूज्य आचार्य श्री के कर कमलों में समर्पित करूं परन्तु मेरा इतना पुण्य नहीं था। पुस्तक पूर्ण होने के पूर्व ही आचार्य श्री का देह परिवर्तन हो गया। एक बार तो मैने सोचा अब पुस्तक बनाने का क्या फायदा गुरूदेव तो नहीं रहे अतः किसको पुस्तक दूँगा परन्तु एकाएक एहसास हुआ कि गुरूदेव परोक्ष रूप में तो मेरे साथ हैं और मैने अनेकों फोन करके आवरण इकठ्ठे किये। इसके संकलन में आचार्य श्री के शिष्य निर्यापक श्रमण 108 श्री अभयसागर जी महाराज का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अब आचार्य श्री के प्रथम समाधी दिवस के पूर्ण यह पुस्तक आप सबके करकमलों में समर्पित कर रहा हूँ।

विजय कुमार जैन

संकलन
विजय कुमार जैन
पर्श्वकुंज, एस 17/331 एन, विजय नगर
मलदहिया, वाराणसी–221002
मो. 941522395
ई–मेल : vijayjain21049@gmail.com

जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज–एक परिचय

दिगम्बर जैन मुनि और आचार्य अपने पूरे जीवन में पाँच महाव्रत – अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के मार्ग का पालन करते हैं। इस युग में जैनाचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जैन मुनि और आचार्यों के वर्तमान समूह में सर्वाधिक पूज्य थे। कर्नाटक राज्य के बेलगाम जिले में चिक्कोडी तहसील के सदलगा गाँव में श्री मल्लप्पा (पिता) और श्रीमती श्रीमंती (माता) के घर में 10 अक्टूबर 1946 (शरद पूर्णिमा) को विद्याधर नाम के दूसरे बेटे का जन्म हुआ। जिस घर में विद्याधर ने जन्म लिया था, उसे आजकल मंदिर और संग्रहालय में बदल दिया गया है।

30 जून 1968 को 22 वर्ष की आयु में अजमेर (राजस्थान) में आचार्य ज्ञानसागर जी द्वारा युवा विद्याधर को दिगम्बर मुनि के रूप में दीक्षा दी गई। इसके बाद 22 नवंबर 1972 को अजमेर जिले के नसीराबाद में आचार्य ज्ञानसागर जी द्वारा मुनि पद से आचार्य विद्यासागर जी महाराज के रूप में दीक्षित किया गया। इसके बाद गुरू ज्ञानसागर जी ने अपने शिष्य आचार्य विद्यासागर के मार्गदर्शन में समाधि मरण के लिए सल्लेखना ली। आचार्य विद्यासागर आचार्य शांतिसागर द्वारा स्थापित परंपरा से संबंधित हैं, उनके बाद आचार्य वीरसागर, आचार्य शिवसागर, आचार्य ज्ञानसागर और अंत में आचार्य विद्यासागर जी आए। भारतीय डाक विभाग ने 10 सितम्बर 2013 में आचार्य ज्ञानसागर जी पर डाक टिकट और प्रथम दिवस आवरण, विवरणिका (Brochure) एवं मुहर (Cancellation) भी जारी किया। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने 500 से अधिक मुनि, आर्यिका, ऐलक क्षुल्लक एवं क्षुल्लिका दीक्षाएँ अपने जीवन काल में दीं। आचार्य श्री विद्यासागर जी ने बहुत सी पुस्तकें लिखीं जिनमें से 'मूकमाटी' को कई विश्वविद्यालयों द्वारा पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

17 जुलाई 2018 में उनकी दीक्षा की पचासवीं वर्षगाँठ भारत के कई शहरों में संयम स्वर्ण महोत्सव के रूप में मनाई गई। इस अवसर को यादगार मनाने के लिए भारतवर्ष के विभिन्न शहरों जैसे अजमेर, रीवा, श्रवणबेलगोला आदि में कई संयम स्वर्ण कीर्ति स्तम्भ बनाए गए। उनके शिष्य मुनि क्षमासागर ने उनकी जीवनी (आत्मान्वेषी) लिखी, जिसका अंग्रेजी में अनुवाद 'इन क्वेस्ट ऑफ सेल्फ' के रूप में किया गया और इसे 'भारतीय ज्ञानपीठ' द्वारा प्रकाशित किया गया। संयम स्वर्ण महोत्सव के इस अवसर पर भारतीय डाक विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से कई विशेष आवरण जारी किए गए जो यहाँ प्रदर्शित हैं। 25 नवंबर 2018 को लैंडमार्क फिल्म्स द्वारा ''विद्योदय'' नामक एक वृत्तचित्र जारी किया गया था। फिल्म का निर्देशन विधि कासलीवाल ने किया था। पहली अन्तरराष्ट्रीय स्क्रीनिंग लंदन के हैरो सफारी सिनेमा में हुई थी।

22 नवंबर 2021 को आचार्यश्री की आचार्य पद दीक्षा को संस्कृति शासनाचार्य संयम स्वर्ण महोत्सव के रूप में मनाया गया और संपूर्ण दिगंबर जैन समाज ने पूरे एक वर्ष के लिए 22 नवंबर 2022 तक इसे मनाया। इस अवसर पर भारत के सभी हिस्सों से भारतीय डाक विभाग द्वारा 166 विशेष आवरण जारी किए गए, जिनमें से 112 विशेष आवरण दिनांक 22.11.2021 को ही जारी किए गए हैं। 'इंडिया बुक आफ रिकार्ड्स' ने इस आशय का एक प्रमाण पत्र भी जारी किया जो यहाँ प्रदर्शित किया गया है। आचार्य श्री विद्यासागर जी ने रविवार दिनांक– 18.02.2024 को डोंगरगढ़, जिला– राजनाँदगाँव, छत्तीसगढ़, के चन्द्रगिरी तीर्थ में रात्रि 2.35 (AM) (17 फरवरी, 2024 की रात्रि) पर सल्लेखना महासमाधि में प्रवेश करने से पहले सिर्फ 'ओम्' शब्द कहा। उनके समाधि मरण का समाचार सुनकर पूरा देश स्तब्ध रह गया। भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आचार्यश्री पर एक विशेष निबंध लिखकर भारत के लगभग सभी राष्ट्रीय समाचार पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित करवाया है। यह निबंध यहाँ प्रकाशित भी किया जा रहा है।

जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज के गुरू
JAINACHARYA VIDYASAGAR JI MAHARAJ KE GURU

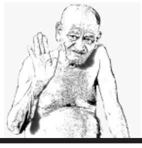

आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज
ACHARYA GYANSAGAR JI MAHARAJ

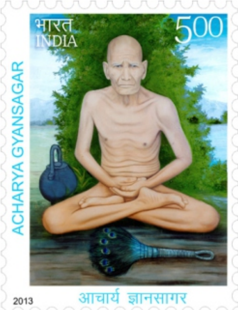

108 आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज

आचार्य ज्ञानसागर जी का जन्म श्री चतुर्भुज जी जैन के द्वितीय पुत्र भूरामल के रूप में 2 जून 1891 को रानोली, सीकर, राजस्थान में हुआ था। आपका नाम भूरामल था। आपके बड़े भाई का नाम श्री छगनलाल जी जैन था। आपने प्राथमिक शिक्षा अपने गृह नगर में प्राप्त की। आपके बाल्यकाल में ही आपके पिता का साया आपके ऊपर से उठ गया। आप अपने बड़े भाई के साथ गया में एक श्रावक के यहाँ नौकरी कर लिये। दोनों भाईयों ने कम खर्च में काम चलाकर अपनी माता जी के पास तीन माह बाद मनी – आर्डर से पैसा भेजा। समय बीतने के साथ ही भूरामल को नौकरी करते हुए जीवन व्यतीत करना उचित नहीं लग रहा था । अतः उन्होंने बड़े भाई से आज्ञा माँगी कि इस नौकरी में कुछ खास लाभ नहीं दिख रहा है। अतः आगे पढ़ाई करते हुए कुछ व्यापार करूँ । सौभाग्य से एक छात्र दल वाराणसी स्याद्वाद महाविद्यालय का इनको मिला। छात्रों का सादा, किन्तु गरिमापूर्ण रहन–सहन देखकर दोनों भाईयों के मन में गहराई तक शिक्षा के महत्त्व का प्रभाव पड़ा। फिर बड़े भाई से आज्ञा लेकर भूरामल जी स्याद्वाद महाविद्यालय (काशी) में आये और छात्र के रूप में पढ़ने लगे। खर्च चलाने हेतु एक व्यापारी से गमछे लेकर कंधे पर टांग कर बनारस की सड़कों और गंगा घाटों पर बेचते थे । एक दिन विद्यालय के धर्मशास्त्र के अध्यापक पंडित उमराव सिंह ने कहा कि आप गमछे बेचना बंद कर विद्यालय के छात्रावास में रहकर पढ़ाई करें। छात्रावास में वस्त्र और भोजन समिति की ओर से दिया जाता है । इस प्रकार की सुविधा मिलने पर उनमें ज्ञानार्जन की अभिलाषा तेज हो गई । वे ग्रन्थ पुस्तकालय से लाकर पढ़ते और रातों–रात ग्रन्थ को हार्ड कापियों पर लिख लेते। वे बनारस में 10 वर्ष रहे। स्याद्वाद विद्यालय की शिक्षा के बाद क्वींस कालेज (आज का संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर) से शास्त्री की परीक्षा उत्तीर्ण की।

वे जान गये थे कि जैन वाङ्मय अपने आप में पूर्ण है, किन्तु उसमें पृथक् तौर पर संस्कृत, काव्यशास्त्र, जैन–व्याकरण, जैन–न्याय आदि के ग्रन्थ उस समय प्रकाशित रूप में उपलब्ध नहीं हैं, फलतः क्वींस कालेज आदि में जैन ग्रन्थों से कुछ नहीं पढ़ाया जाता, न ही कोई ग्रन्थ पाठ्यक्रम में शामिल है। तब तक कुछ जैन–ग्रन्थ कतिपय विद्वानों एवं संस्थानों द्वारा प्रकाशित कराये गये, जिनमें जैन–न्याय और व्याकरण को समाहित किया गया था। पंडित भूरामल जी ने अपने उद्देश्य को सफल बनाने के लिए तत्कालीन प्रभावशाली लोगों और विद्वानों से संपर्क किया तथा जैन ग्रंथों को काशी विश्वविद्यालय के और कलकत्ता से सम्पन्न होने वाली परिक्षाओं के पाठ्यक्रम में शामिल कराया।

आपने अपना जीवन जैन धर्म के सिद्धांतों के प्रचार के लिये समर्पित करने का संकल्प लिया तथा निरंतर साहित्यिक कार्यों में व्यस्त रहे । आपने ई० सन् 1947 में ब्रह्मचर्य व्रत धारण किया तथा 25 अप्रैल 1955 को आचार्य वीर सागर जी द्वारा क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की। तत्पश्चात् ऐलक दीक्षा आपको आचार्य देशभूषण जी द्वारा दी गई तथा सन् 1957 में चूलगिरि, जयपुर, राजस्थान में आचार्य शिवसागर जी द्वारा प्रथम मुनि शिष्य के रूप में आपको दीक्षित किया गया तथा नाम ज्ञानसागर दिया गया । उपाध्याय के रूप में आप संघस्थ साधुओं को ज्ञानार्जन कराते थे।

आपको आचार्य पद से 7 फरवरी 1969 को नसीराबाद राजस्थान में वहाँ के जैन समाज द्वारा सुशोभित किया गया। आचार्य ज्ञानसागर जी ने दिनांक 10 जून 1968 को अजमेर में विद्याधर को मुनि दीक्षा देकर विद्यासागर महाराज बनाया तथा 22 नवम्बर 1972 को नसीराबाद में आचार्य पद ग्रहण करने के लिए आदेशित किया । आचार्य पद ग्रहण करने के पश्चात् आचार्य श्री विद्यासागर को उच्च आसन पर बिठाया और स्वयं मुनि हो जाने से ज्ञानसागर जी नीचे आसन पर विराजित हो गये और अपनी वृद्धावस्था का जिक्र कर सल्लेखना के लिये निवेदन कर दिया। आचार्य श्री विद्यासागर जी ने अपने गुरु आचार्य ज्ञानसागर जी की अपूर्व सेवा की। मुनि ज्ञानसागर जी महाराज ने नसीराबाद में शुक्रवार 1 जून 1973 को इस नश्वर देह को त्यागकर समाधिमरण को प्राप्त किया । श्रमण परम्परा में जैन समाज के ज्ञात इतिहास की यह पहली घटना थी, जब किसी आचार्य ने सल्लेखना/समाधिमरण के संकल्प को लेकर अपने शिष्य को संस्कारित करके अपना आचार्य पद उसे सौंप दिया हो। आपकी स्मृति में डाक विभाग, भारत सरकार द्वारा 10 सितम्बर 2013 को 5 रू0 मूल्य का डाक टिकट जारी किया गया। इसके साथ ही प्रथम दिवस आवरण तथा विवरणिका भी जारी की गई।

श्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री भारत सरकार द्वारा विनयांजलि :
सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
जीवन का हर अध्याय अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान की प्रतिबद्धता से सुशोभित रहा

भारत में संतों के अवतरण और समाज सुधार की महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का प्रमुख स्थान है। उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उन्होंने लोगों को वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी नई राह दिखाई है।

जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन—मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। ऐसे व्यक्तियों का स्नेह व आशीर्वाद, हमारी पूंजी होता है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे। उनके समीप बैठकर अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था। आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर यह अनुभव होता था कि भारत में अध्यात्म कैसे किसी अमर और अजस्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है।

आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, सब बार—बार याद आ रहा है। पिछले साल नवंबर में छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनके दर्शन करना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात थी। तब मुझे जरा भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि आचार्य जी से मेरी यह आखिरी मुलाकात होगी। वह पल मेरे लिए अविस्मरणीय बन गया है। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक मुझसे बातें कीं। पितातुल्य भाव से मेरा ध्यान रखा और देश सेवा में किए जा रहे प्रयासों के लिए आशीर्वाद भी दिया। देश के विकास और विश्व मंच पर भारत को मिल रहे सम्मान पर उन्होंने प्रसन्नता भी व्यक्त की थी। अपने कार्यों की चर्चा करते हुए वे काफी उत्साहित थे। इस दौरान उनकी सौम्य दृष्टि और दिव्य मुस्कान प्रेरित करने वाली थी। उनका आशीर्वाद आनंद से भर देने वाला था, जो हमारे अंतर्मन के साथ—साथ पूरे वातावरण में उनकी दिव्य उपस्थिति का अहसास करा रहा था। उनका जाना उस अद्भुत मार्गदर्शक को खोने के समान है, जिसने मेरा और अनगिनत लोगों का मार्ग निरंतर प्रशस्त किया है। भारतवर्ष की यह विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ—साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

संतों और समाज सुधार की इसी महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का प्रमुख स्थान है। उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी नई राह दिखाई है। उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है। वे सम्यक् ज्ञान, सम्यक् दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की विशेष बात यह थी कि उनका सम्यक् दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त लोक बोध भी था। उनका सम्यक् ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था।

करुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य विद्यासागर जी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा। उनका जीवन, जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा। हर व्यक्ति के लिए उनका प्रेम, यह बताता है कि जैन धर्म में 'जीवन' का महत्त्व क्या है। उन्होंने सत्यनिष्ठा के साथ अपनी पूरी आयु तक ये सीख दी कि विचारों, शब्दों और कर्मों की पवित्रता कितनी बड़ी होती है। आचार्य विद्यासागर जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही, आज पूरी दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। वे जैन समुदाय के साथ ही दूसरे समुदायों के भी प्रेरणास्रोत रहे। विभिन्न पंथों, परंपराओं और क्षेत्रों के लोगों को उनका सान्निध्य मिला, विशेष रूप से युवाओं में आध्यात्मिक जागृति के लिए उन्होंने अथक् प्रयास किया। शिक्षा का क्षेत्र उनके हृदय के बहुत करीब रहा है। बचपन में विद्याधर से लेकर आचार्य विद्यासागर बनने तक की उनकी यात्रा ज्ञान पाने के साथ उस ज्ञान से समाज को प्रकाशित करने की उनकी गहरी प्रतिबद्धता दिखाती है। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही एक न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज का आधार है। उन्होंने लोगों को सशक्त बनाने और जीवन के लक्ष्यों को पाने के लिए ज्ञान को सर्वोपरि बताया। सच्चे ज्ञान के मार्ग के रूप में स्वाध्याय और आत्म—जागरूकता के महत्त्व पर उनका विशेष जोर था। इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुयायियों से निरंतर सीखने और आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आग्रह किया था। विद्यासागर जी महाराज की इच्छा थी कि हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित हो। वे अक्सर कहा करते थे कि चूंकि हम अपने अतीत के ज्ञान से दूर हो गए हैं, इसलिए वर्तमान में हम अनेक बड़ी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अतीत के ज्ञान में वे आज की अनेक चुनौतियों का समाधान देखते थे। जैसे जल संकट को लेकर वे भारत के प्राचीन ज्ञान से अनेक समाधान सुझाते थे। उनका यह भी विश्वास था कि शिक्षा वही है, जो स्किल डवलपमेंट और इनोवेशन पर अपना ध्यान केंद्रित करे।

विविध भाषाओं के ज्ञाता आचार्य विद्यासागर जी ने कैदियों की भलाई के लिए भी काफी कार्य किए। कितने ही कैदियों ने उनके सहयोग से हथकरघा का प्रशिक्षण लिया। कैदियों में उनका इतना सम्मान था कि कई कैदी रिहाई के बाद अपने परिवार से भी पहले उनसे मिलने जाते थे। वे भारत की भाषायी विविधता पर गर्व करते हुए हमेशा युवाओं को स्थानीय भाषाएं सीखने को प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने स्वयं भी संस्कृत, प्राकृत और हिंदी, में कई सारी रचनाएं की हैं। एक संत के रूप में वे शिखर तक पहुंचने के बाद भी जिस प्रकार जमीन से जुड़े रहे, यह उनकी महान रचना 'मूक माटी' में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। वे अपने कार्यों से वंचितों की आवाज भी बने। उनके योगदान से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ने पर बल दिया, ताकि लोग शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें।

मैं आने वाली पीढ़ियों से यह आग्रह करूंगा कि वे राष्ट्र निर्माण के प्रति विद्यासागर जी महाराज की प्रतिबद्धता का व्यापक अध्ययन करें। वे हमेशा लोगों से पक्षपातपूर्ण विचार से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया करते थे। वे मतदान को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति मानते थे। उन्होंने हमेशा स्वस्थ और स्वच्छ राजनीति की पैरवी की। उनका कहना था— 'लोकनीति लोभसंग्रह नहीं, बल्कि लोकसंग्रह है।' इसलिए नीतियों का निर्माण निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि लोगों के कल्याण के लिए होना चाहिए। उन्होंने लोगों को सदैव ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज जब हम विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं, कर्तव्यों की भावना और ज्यादा महत्त्वपूर्ण हो जाती है।

आज जब दुनियाभर में पर्यावरण पर कई तरह के संकट मंडरा रहे हैं, तब आचार्य विद्यासागर जी का मार्गदर्शन हमारे बहुत काम आने वाला है। उन्होंने एक ऐसी जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान को कम करने में सहायक हो। यही तो 'मिशन लाइफ' है जिसका आह्वान भारत ने वैश्विक मंच पर किया है। उन्होंने कृषि में आधुनिक तकनीक अपनाने पर भी बल दिया। मुझे विश्वास है कि वे नमो ड्रोन, दीदी अभियान की सफलता से बहुत खुश होते। आचार्य विद्यासागर जी महाराज देशवासियों के हृदय और मन— मस्तिष्क में सदैव जीवंत रहेंगे। उनके संदेश उन्हें सदैव प्रेरित और आलोकित करते रहेंगे। उनकी अविस्मरणीय स्मृति का सम्मान करते हुए हम उनके मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह न सिर्फ उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि होगी, बल्कि उनके बताए रास्ते पर चलकर राष्ट्र निर्माण और कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज पर जारी विषेष आवरण
SPECIAL COVERS ISSUED ON JAINACHARYA VIDYASAGAR JI MAHARAJ
विभिन्न अवसरों के विषेष आवरण (SPECIAL COVERS OF DIFFERENT OCCASSIONS)

मध्य प्रदेश, कुंडलपुर (MADHYA PRADESH, KUNDALPUR) 470773 — जारी दिनांक (ISSUED) : 22.02.2001

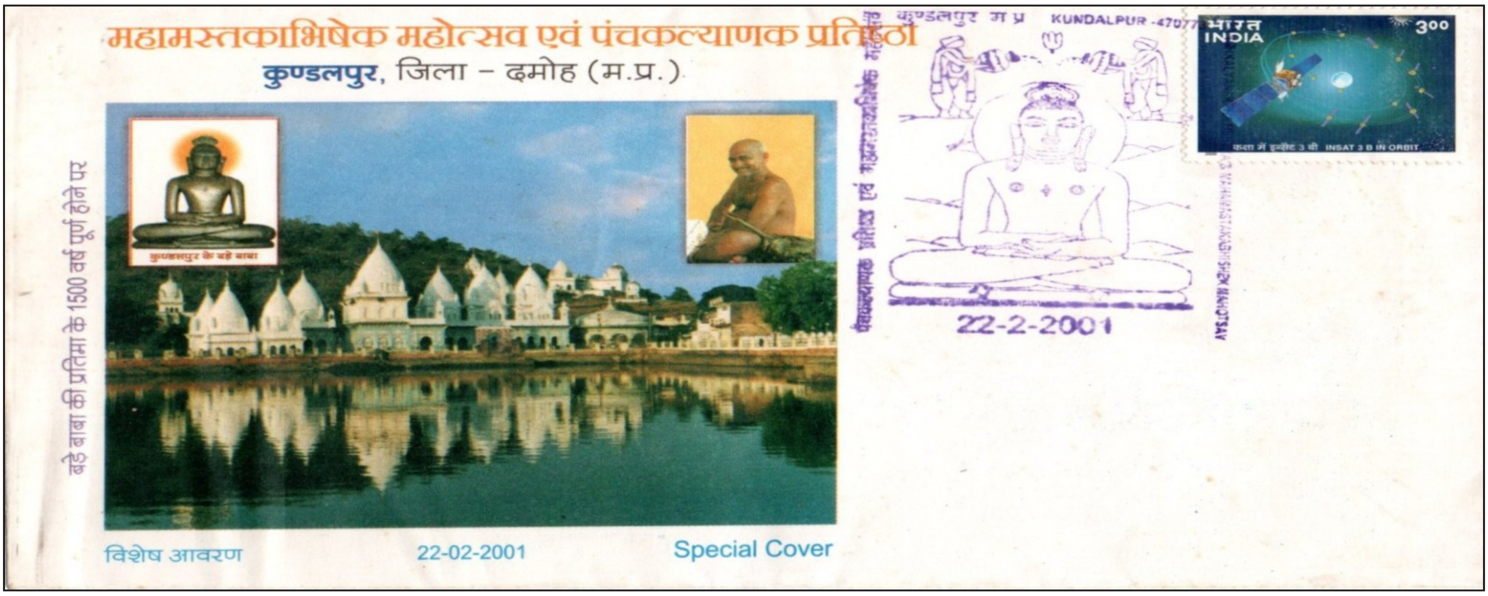

कर्नाटक, सदलगा (KARNATAKA, SADALGA) 591239 — जारी दिनांक (ISSUED) : 08.02.2003

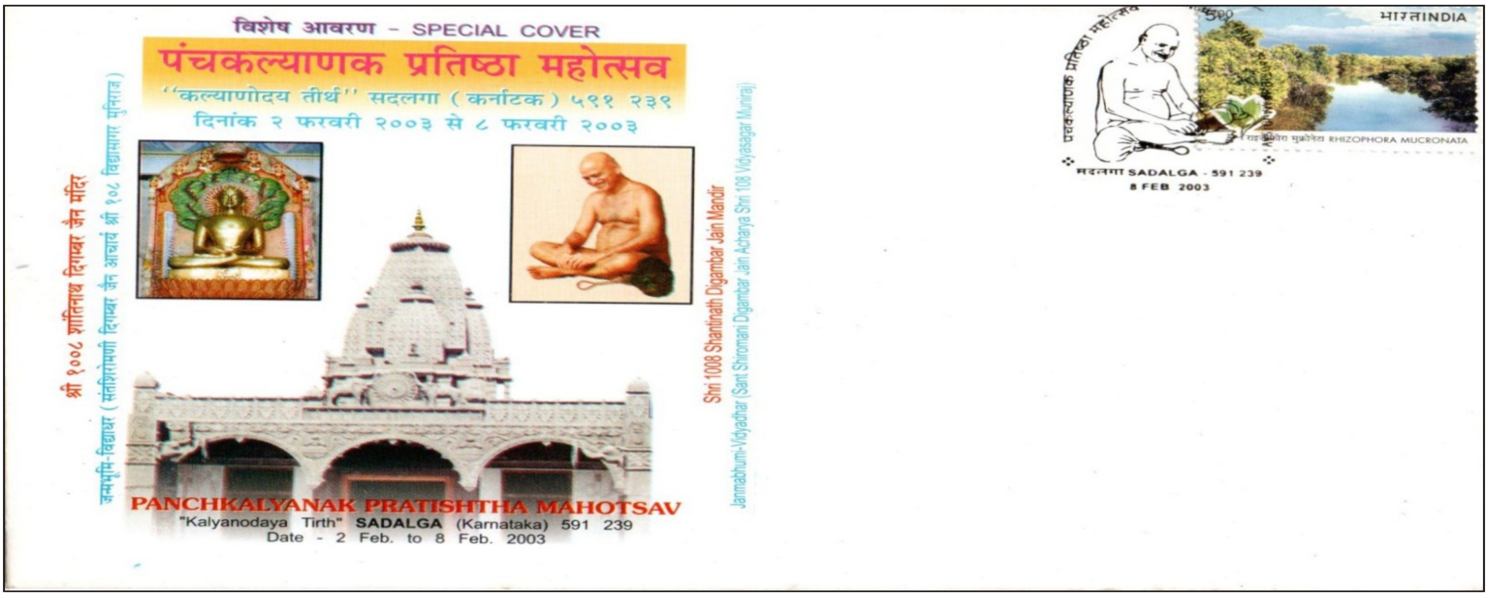

छत्तीसगढ़, बिलासपुर (CHHATTISGARH, BILASPUR) 495001 — जारी दिनांक (ISSUED) : 24.01.2004

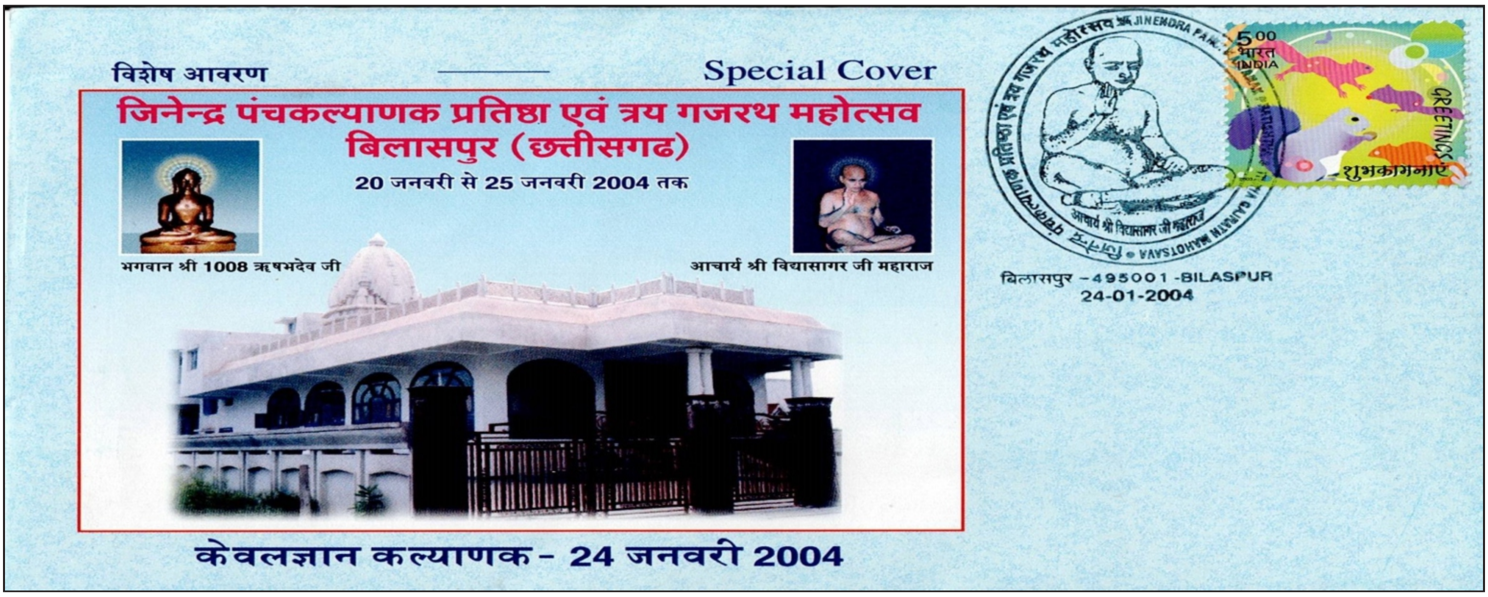

झारखंड, हज़ारीबाग (JHARKHAND, HAZARIBAG) 825301 जारी दिनांक (ISSUED) : 04.11.2005

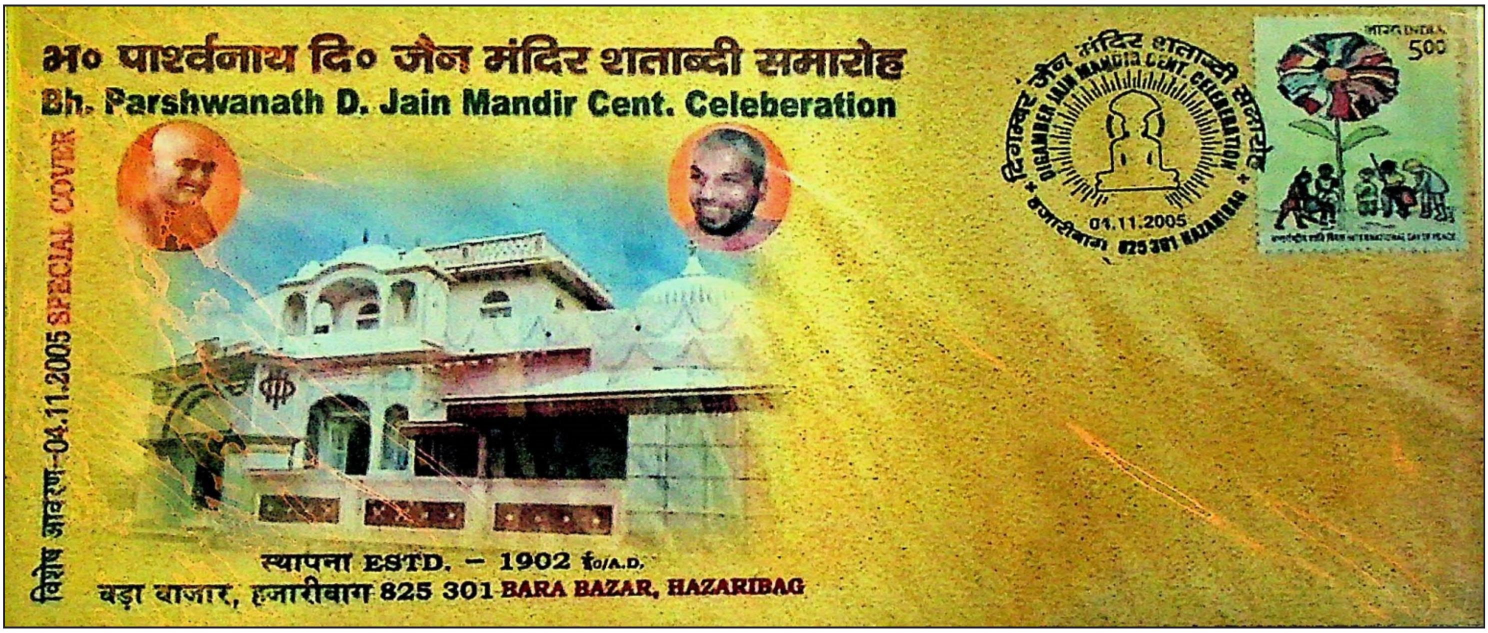

मध्य प्रदेश, सतना (MADHYA PRADESH, SATNA) 485001 जारी दिनांक (ISSUED) : 16.01.2010

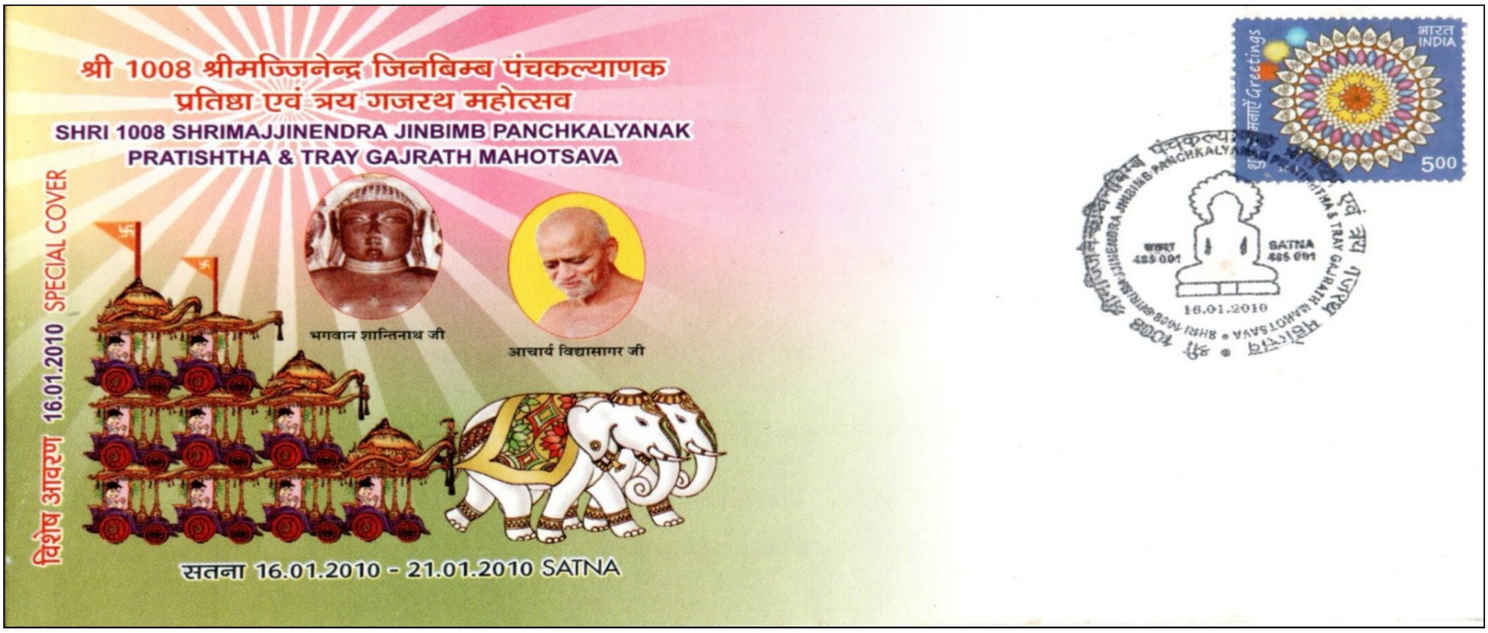

उत्तर प्रदेश, कानपुर (UTTAR PRADESH, KANPUR) 208023 जारी दिनांक (ISSUED) : 06.03.2011

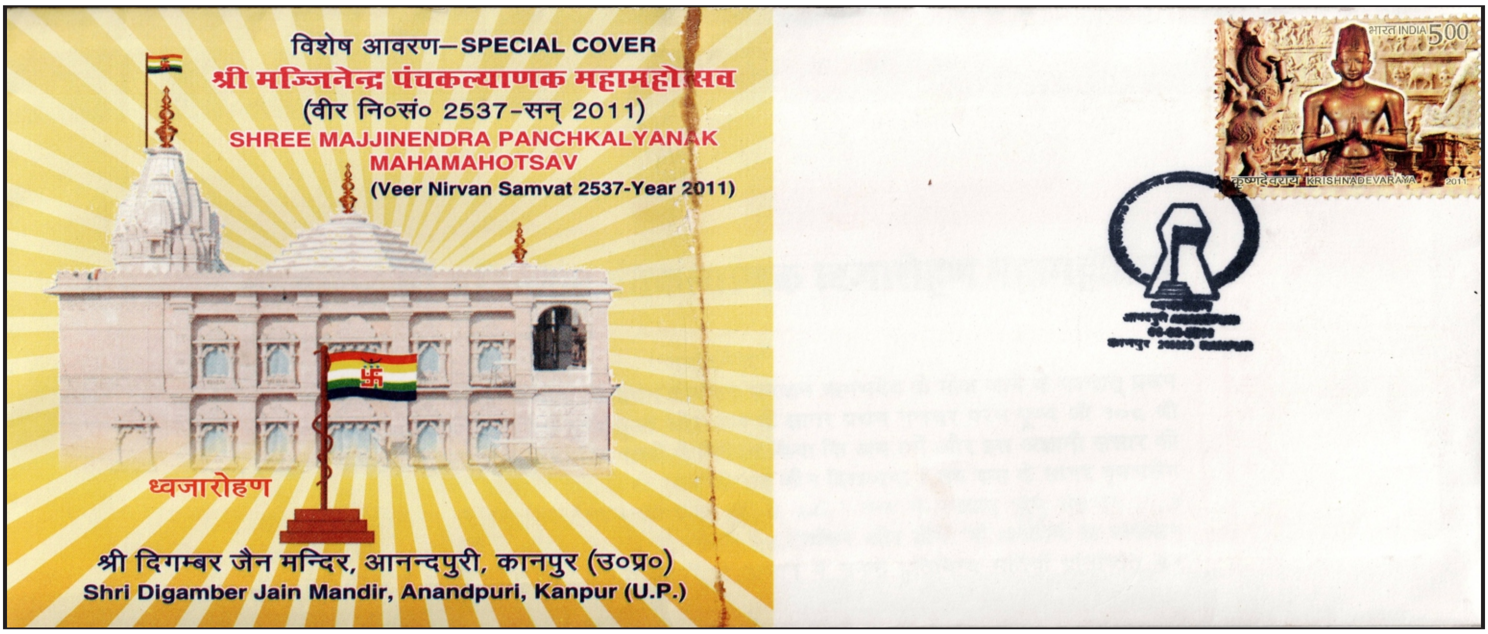

उत्तर प्रदेश, कानपुर (UTTAR PRADESH, KANPUR) 208023 जारी दिनांक (ISSUED) : 08.03.2011

उत्तर प्रदेश, कानपुर (UTTAR PRADESH, KANPUR) 208023 जारी दिनांक (ISSUED) : 09.03.2011

उत्तर प्रदेश, कानपुर (UTTAR PRADESH, KANPUR) 208023 जारी दिनांक (ISSUED) : 10.03.2011

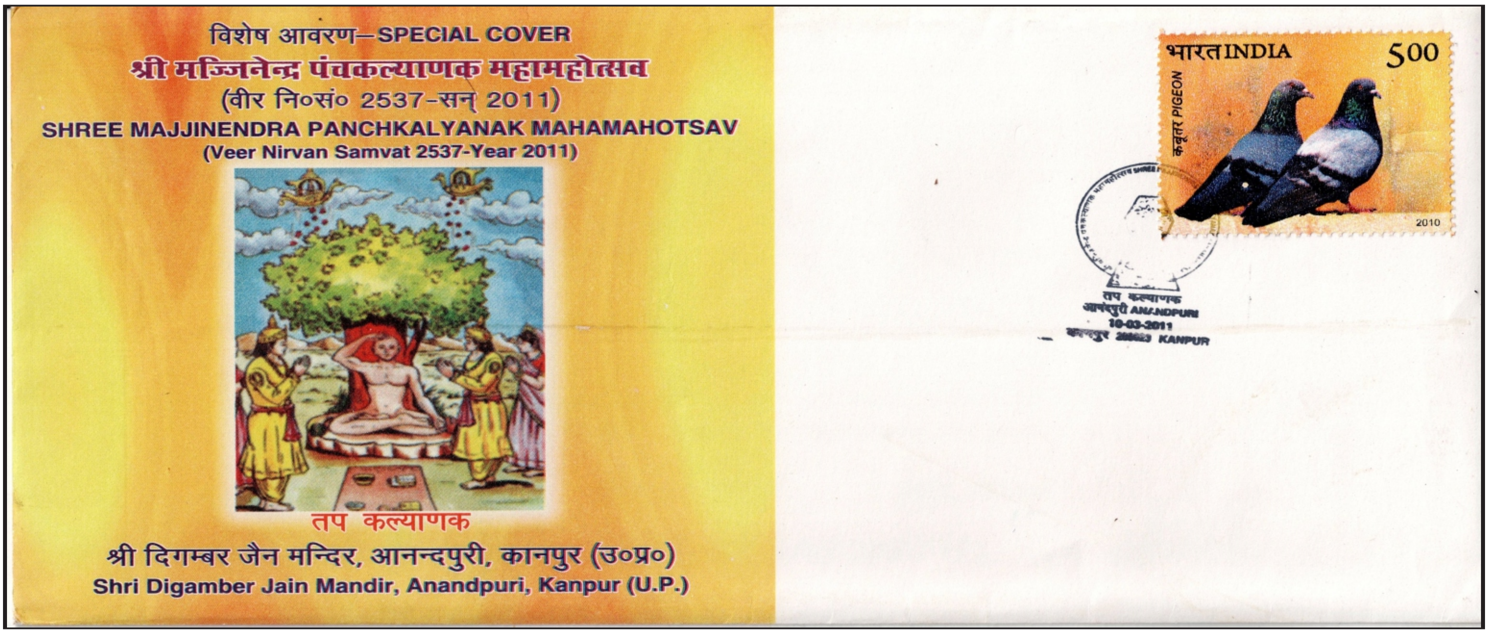

उत्तर प्रदेश, कानपुर (UTTAR PRADESH, KANPUR) 208023 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 11.03.2011**

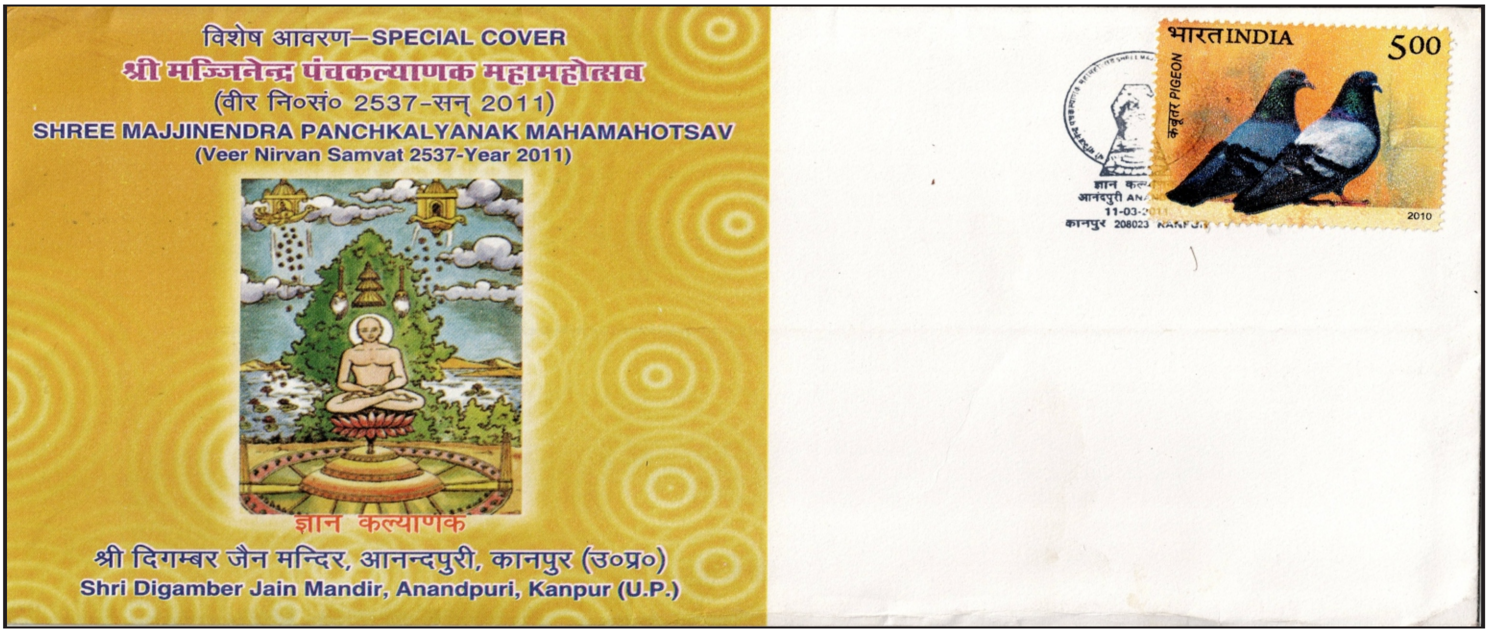

उत्तर प्रदेश, कानपुर (UTTAR PRADESH, KANPUR) 208023 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 12.03.2011**

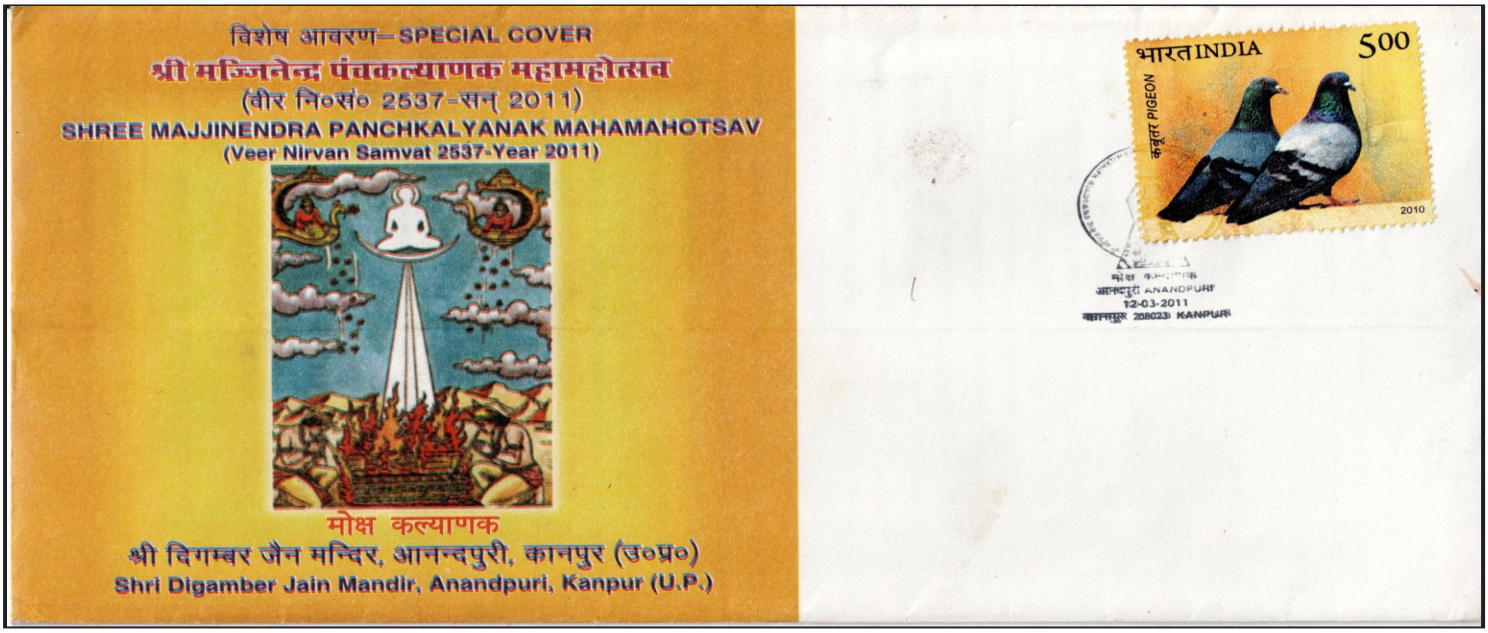

मध्य प्रदेश, कुंडलपुर (MADHYA PRADESH, KUNDALPUR) 470772 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 06.06.2016**

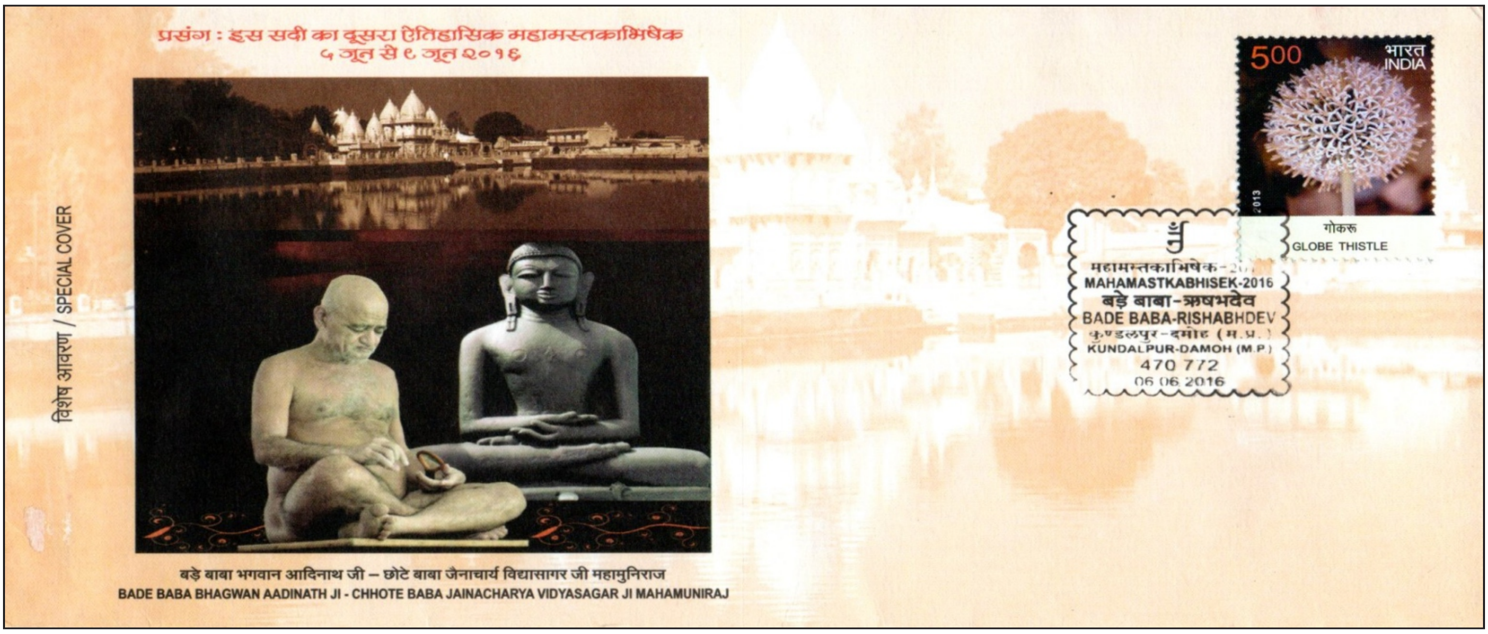

मध्य प्रदेश, रतलाम **(MADHYA PRADESH, RATLAM) 457001** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.09.2018**

राजस्थान, भीलवाड़ा **(RAJASTHAN, BHILWADA) 311001** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 24.06.2019**

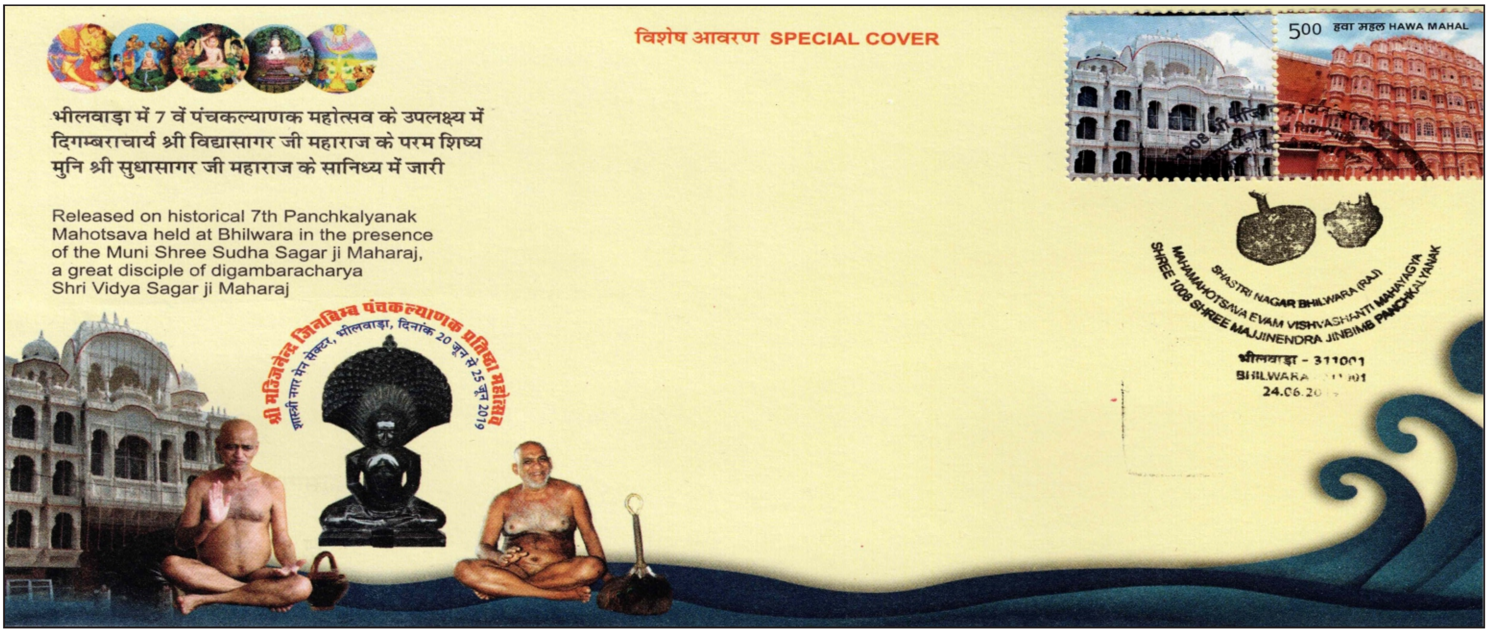

राजस्थान, बिजोलिया, भीलवाड़ा **(RAJASTHAN, BIJOLIA, BHILWADA) 311602** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 16.02.2021**

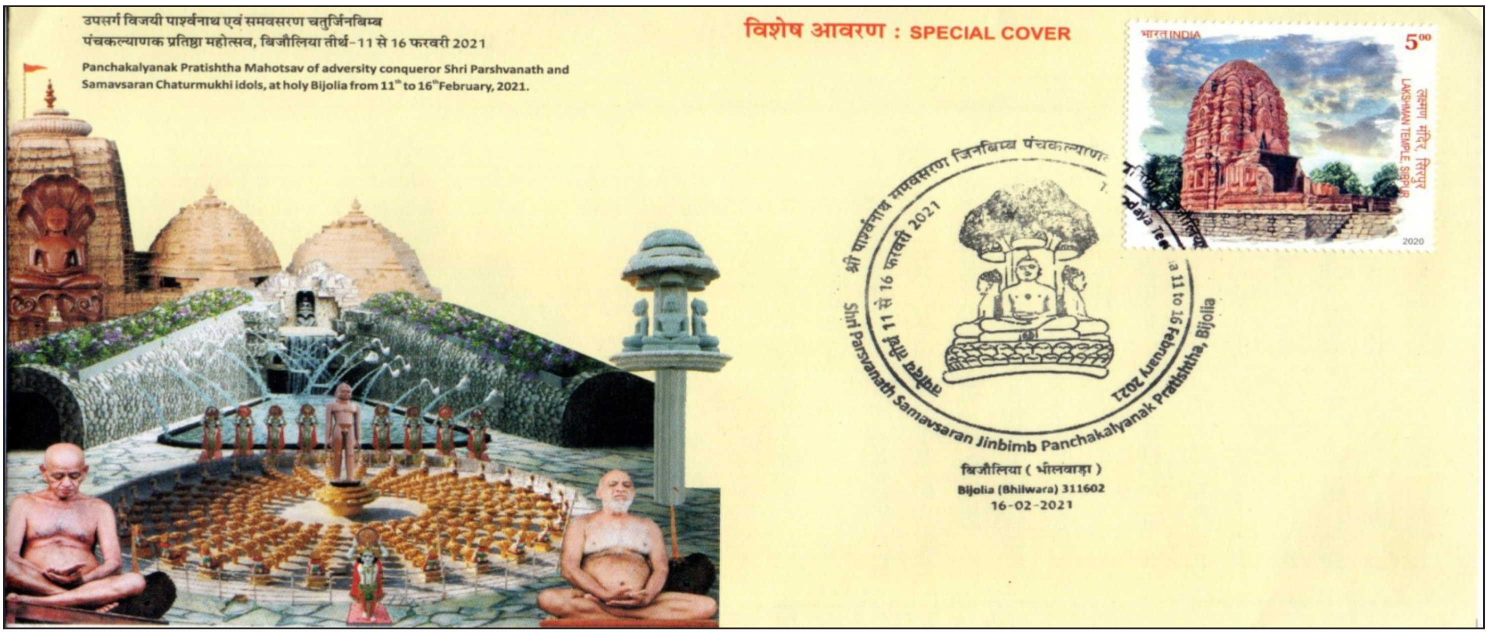

मध्य प्रदेश, कुंडलपुर दमोह (MADHYA PRADESH, KUNDALPUR DAMOH) 470772 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.02.2022**

मध्य प्रदेश, कुंडलपुर (MADHYA PRADESH, KUNDALPUR) 470772 **जारी दिनांक (ISSUED) : 24.02.2022**

मध्य प्रदेश, कुंडलपुर (MADHYA PRADESH, KUNDALPUR) 470772 **जारी दिनांक (ISSUED) : 24.02.2022**

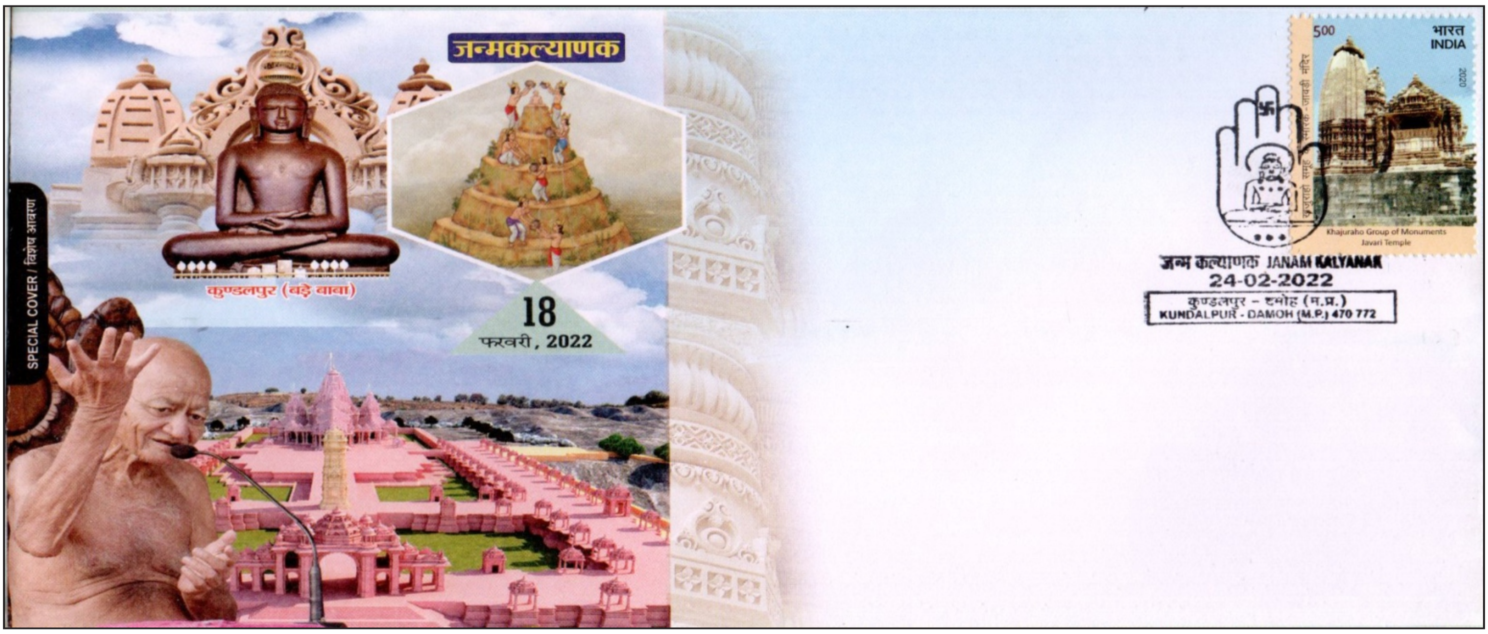

मध्य प्रदेश, कुंडलपुर (MADHYA PRADESH, KUNDALPUR) 470772 जारी दिनांक (ISSUED) : 24.02.2022

मध्य प्रदेश, कुंडलपुर (MADHYA PRADESH, KUNDALPUR) 470772 जारी दिनांक (ISSUED) : 24.02.2022

मध्य प्रदेश, कुंडलपुर (MADHYA PRADESH, KUNDALPUR) 470772 जारी दिनांक (ISSUED) : 24.02.2022

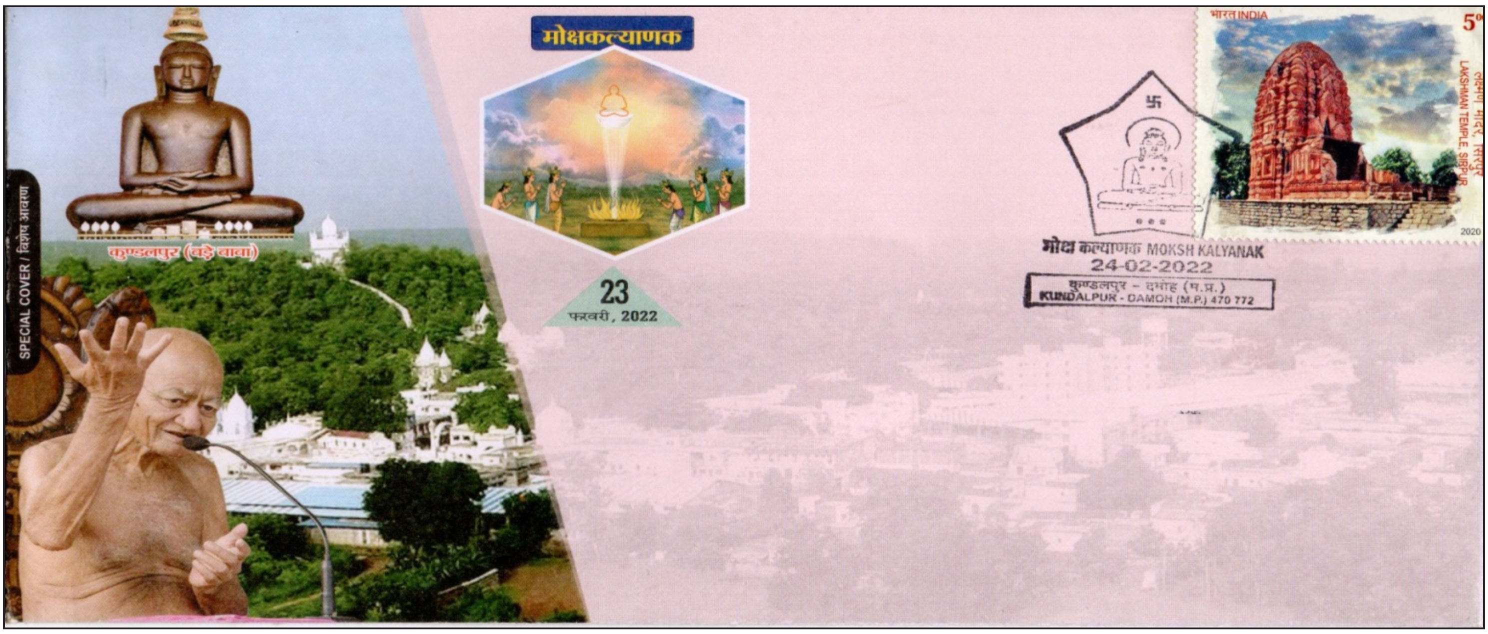

मध्य प्रदेश, इंदौर (MADHYA PRADESH, INDORE) 452001 जारी दिनांक (ISSUED) : 16.04.2024

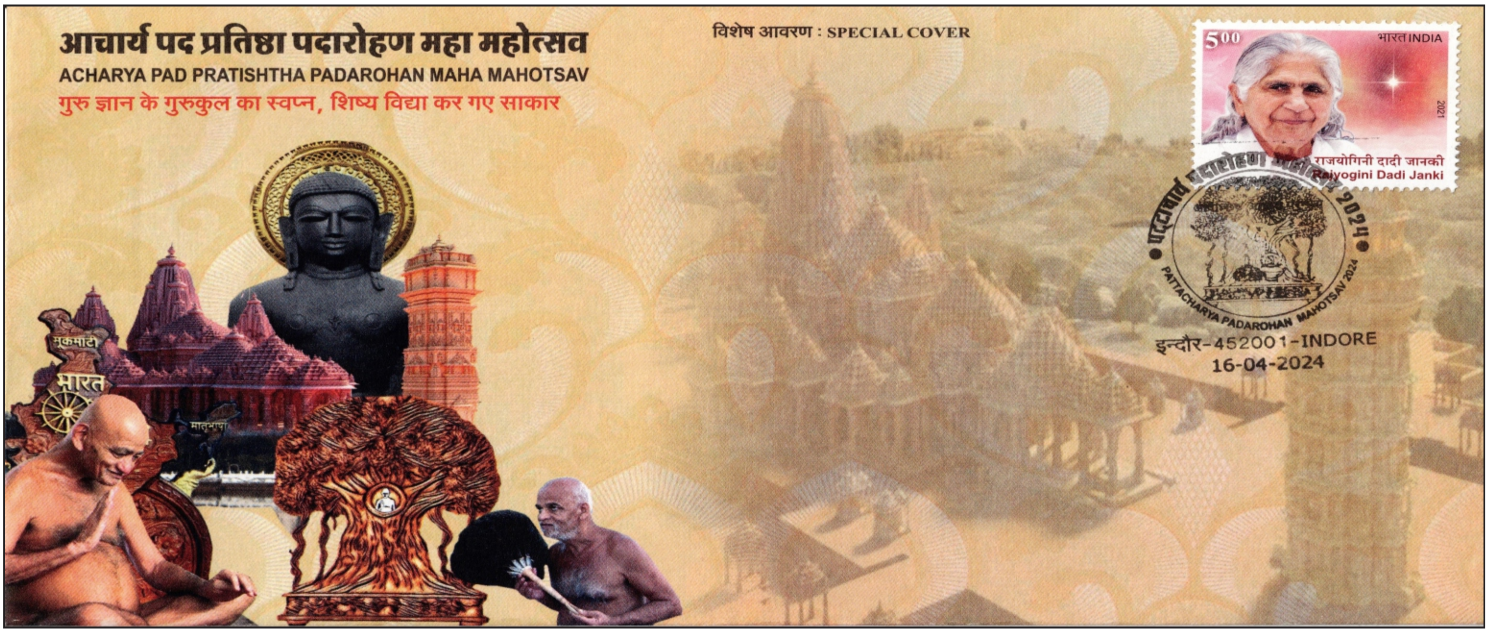

मध्य प्रदेश, दामोह (MADHYA PRADESH, DAMOH) 470772 जारी दिनांक (ISSUED) : 19.02.2024

मध्य प्रदेश, इंदौर (MADHYA PRADESH, INDORE) 452001 जारी दिनांक (ISSUED) : 16.04.2024

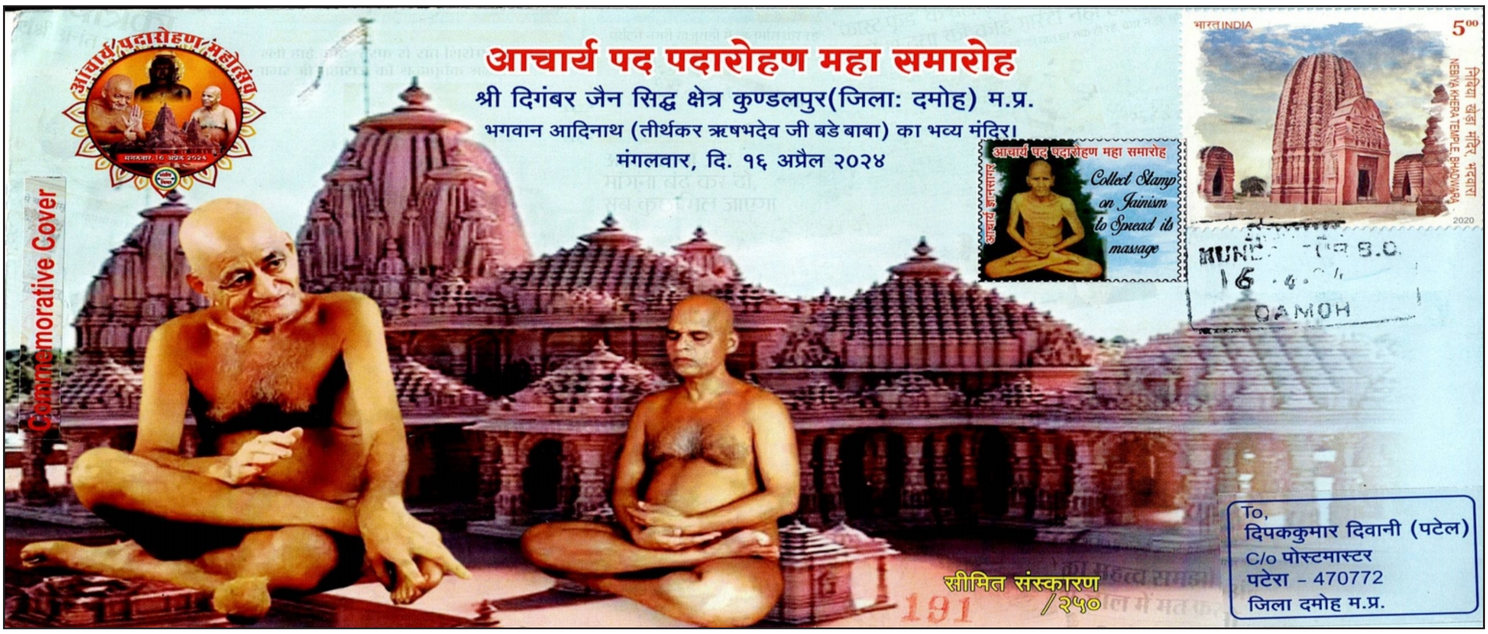

जैनिज्म फिलेटली ग्रुप के सदस्य श्री दीपक कुमार दीवानी पटेल नासिक निवासी आज श्री जैन तीर्थ चंद्रगिरी, डोंगरगढ़ उपस्थित हुए। आचार्य विद्यासागर जी महाराज की विचारधारा भारत को भारत बोलो इंडिया नहीं एवं राष्ट्रभाषा हिंदी को प्राथमिकता मिले, (हिंदी पखवाड़ा) इस विषय पर एक निजी आवरण का निर्माण किया गया था जिस पर आज आचार्य श्री एवम मुनि श्री प्रसादसागर जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। आज आचार्य श्री के जन्मोत्सव उपलक्ष पर उपहार स्वरूप प्रदान करने की घोषणा श्री दीपक कुमार दीवानी पटेल नासिक निवासी ने की।

महाराष्ट्र, नासिक (MAHARASTRA, NASHIK) 422001 | जारी दिनांक (ISSUED) : 14.09.2023

जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज पर जारी विशेष आवरण

SPECIAL COVERS ISSUED ON JAINACHARYA VIDYASAGAR JI MAHARAJ

स्वर्ण संयम महोत्सव के विशेष आवरण (SWARN SANYAM MAHOTSAV SPECIAL COVERS)

कर्नाटक, श्रवणबेलगोला (KARNATAKA, SHARVANBELGOLA) 573135 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 08.03.2018**

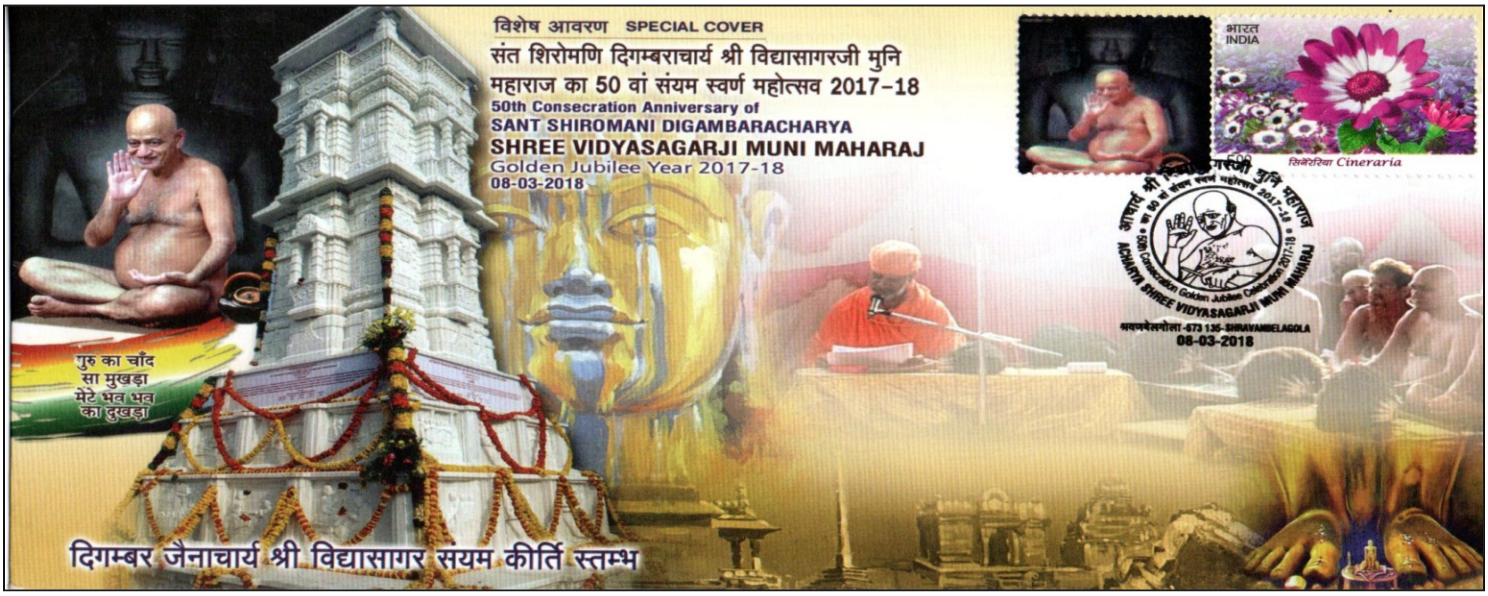

राजस्थान, अजमेर (RAJASTHAN, AJMER) 305001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 30.06.2018**

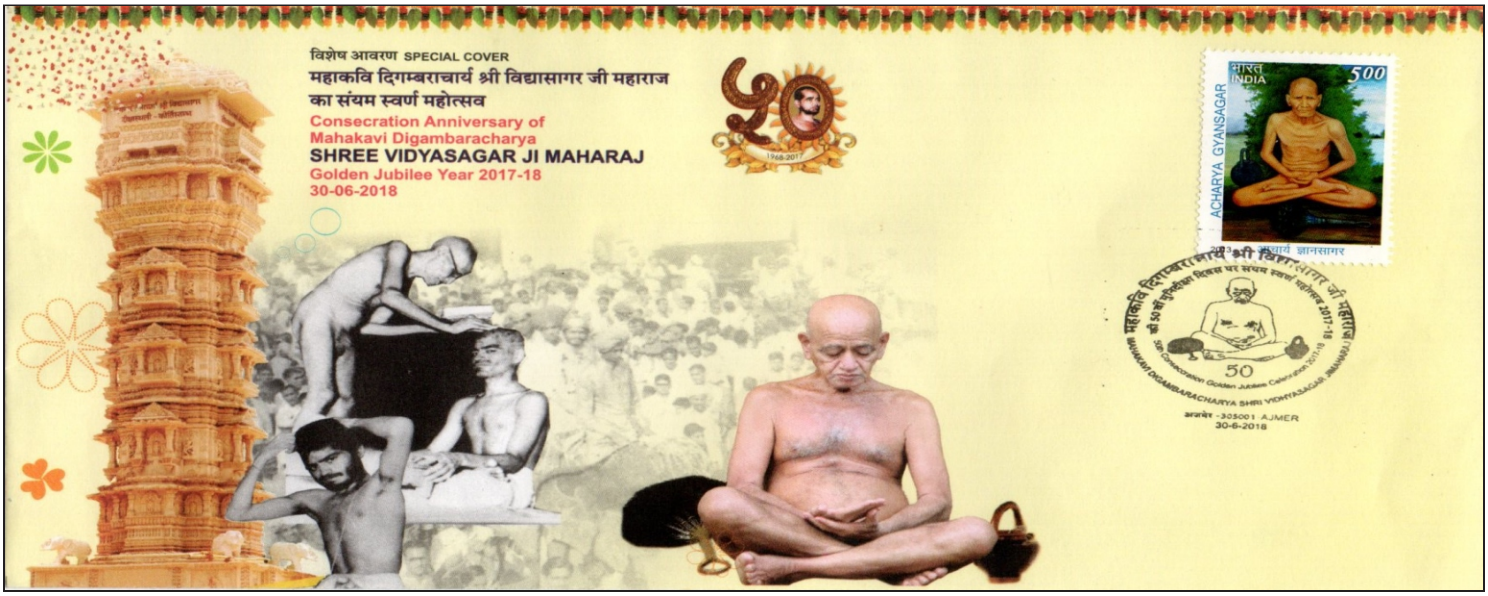

उत्तर प्रदेश, वाराणसी (UTTAR PRADESH, VARANASI) 221001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018**

राजस्थान, जयपुर (RAJASTHAN, JAIPUR) 302015 जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

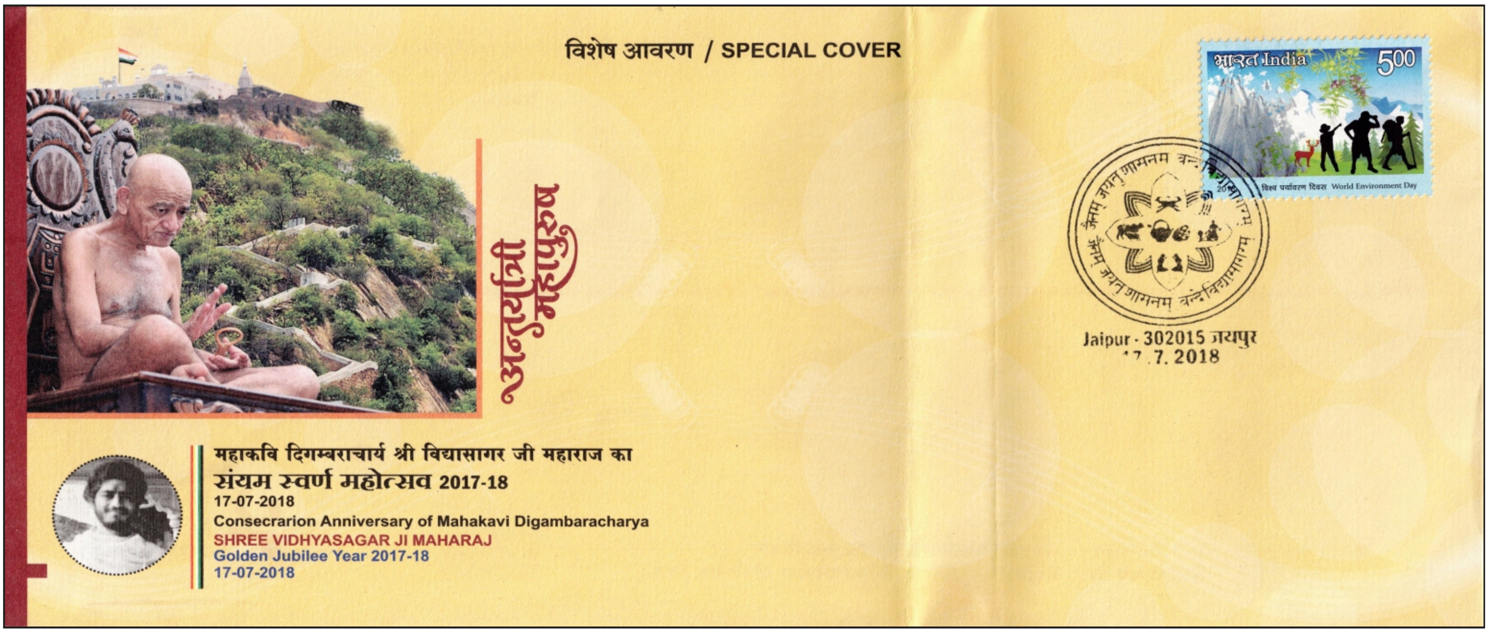

राजस्थान, अजमेर (RAJASTHAN, AJMER) 305001 जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

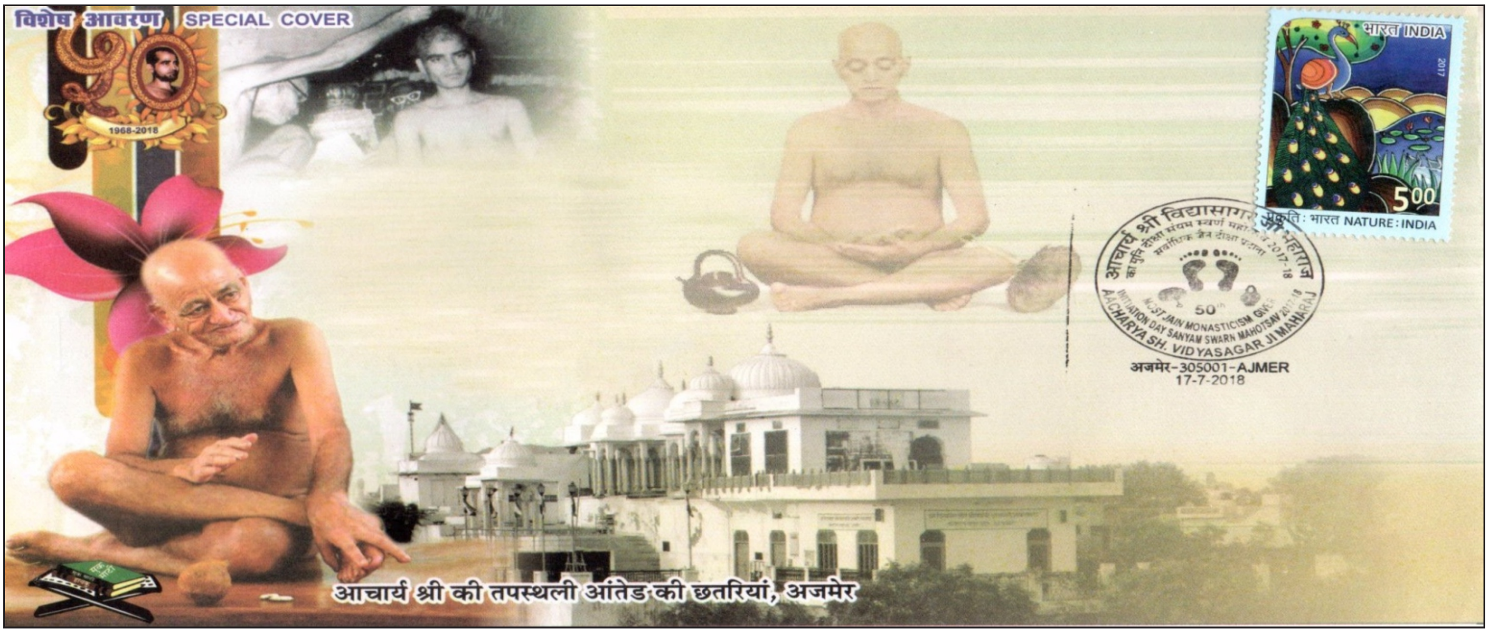

राजस्थान, नसीराबाद (RAJASTHAN, NASIRABAD) 305601 जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

राजस्थान, किशनगढ़ (RAJASTHAN, KISHANGARH) 305801 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018**

राजस्थान, ब्यावर (RAJASTHAN, BEAWAR) 305901 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018**

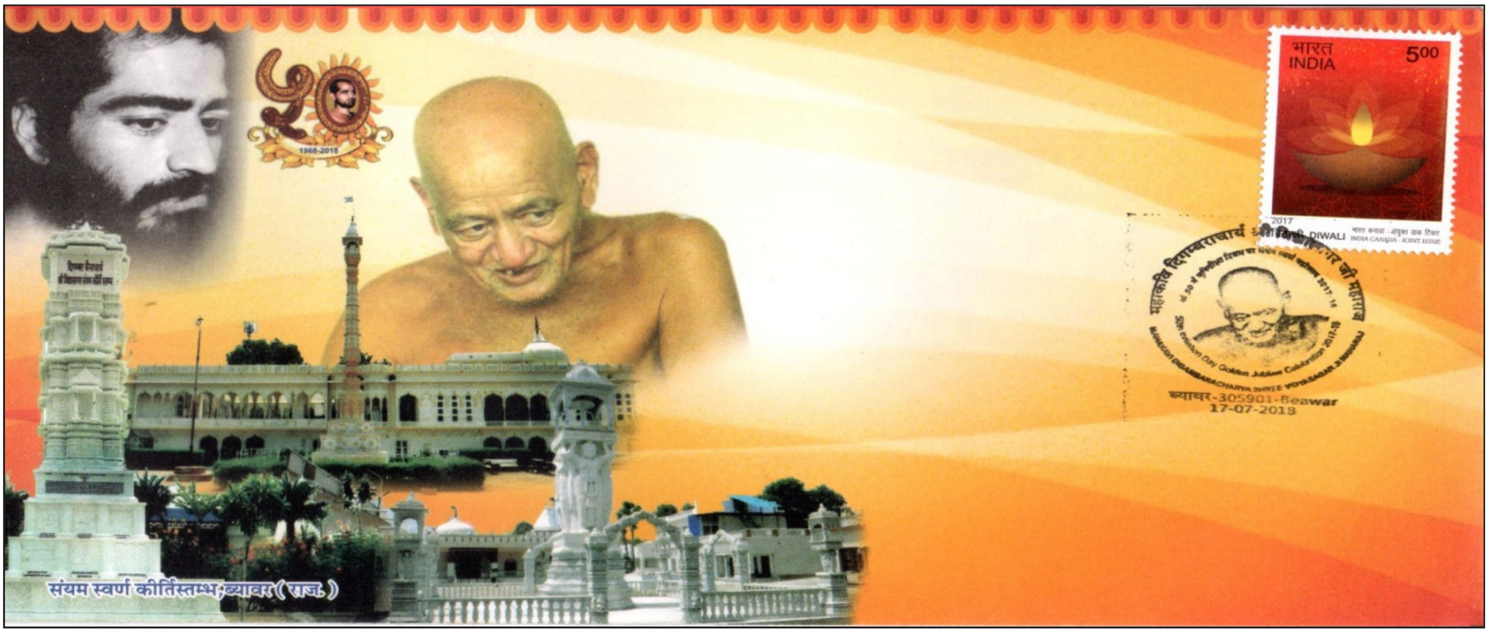

राजस्थान, भीलवाड़ा (RAJASTHAN, BHIWARA) 311001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018**

राजस्थान, कोटा (RAJASTHAN, KOTA) 324001 जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

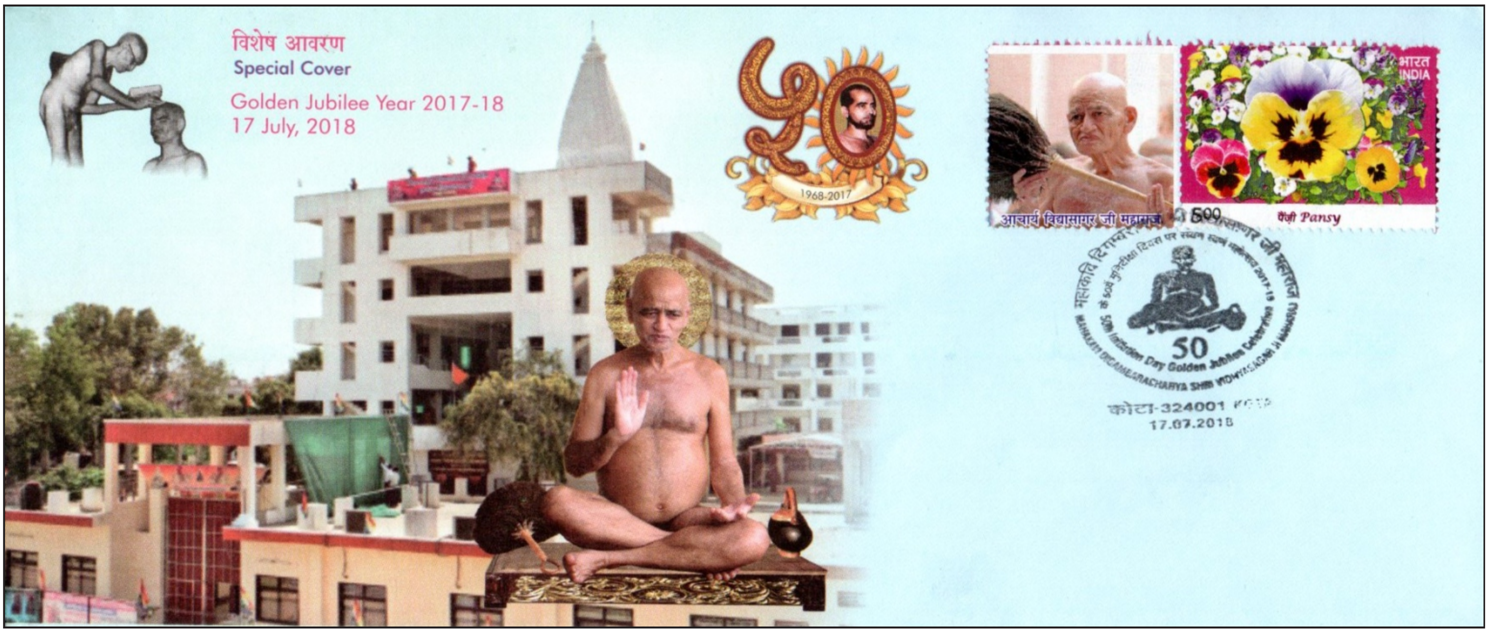

राजस्थान, बारां (RAJASTHAN, BARAN) 325205 जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

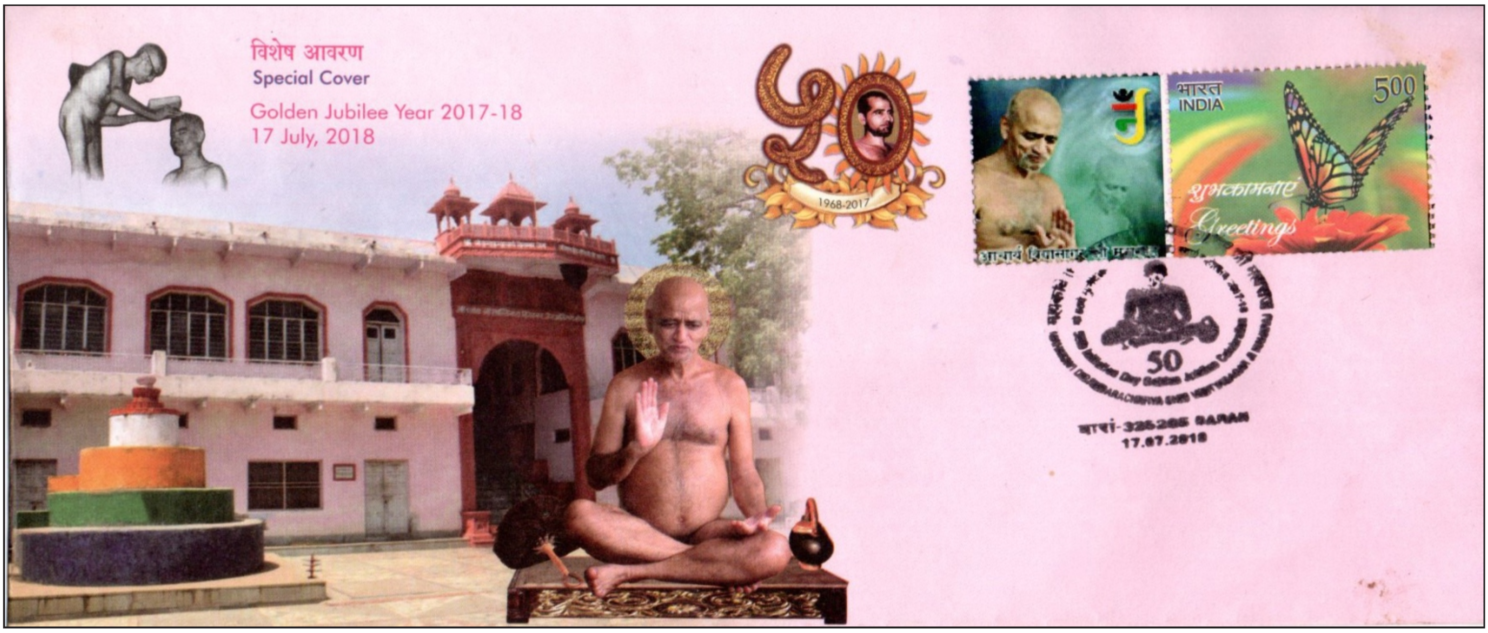

राजस्थान, झालावाड़ (RAJASTHAN, JHALAWAR) 326001 जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

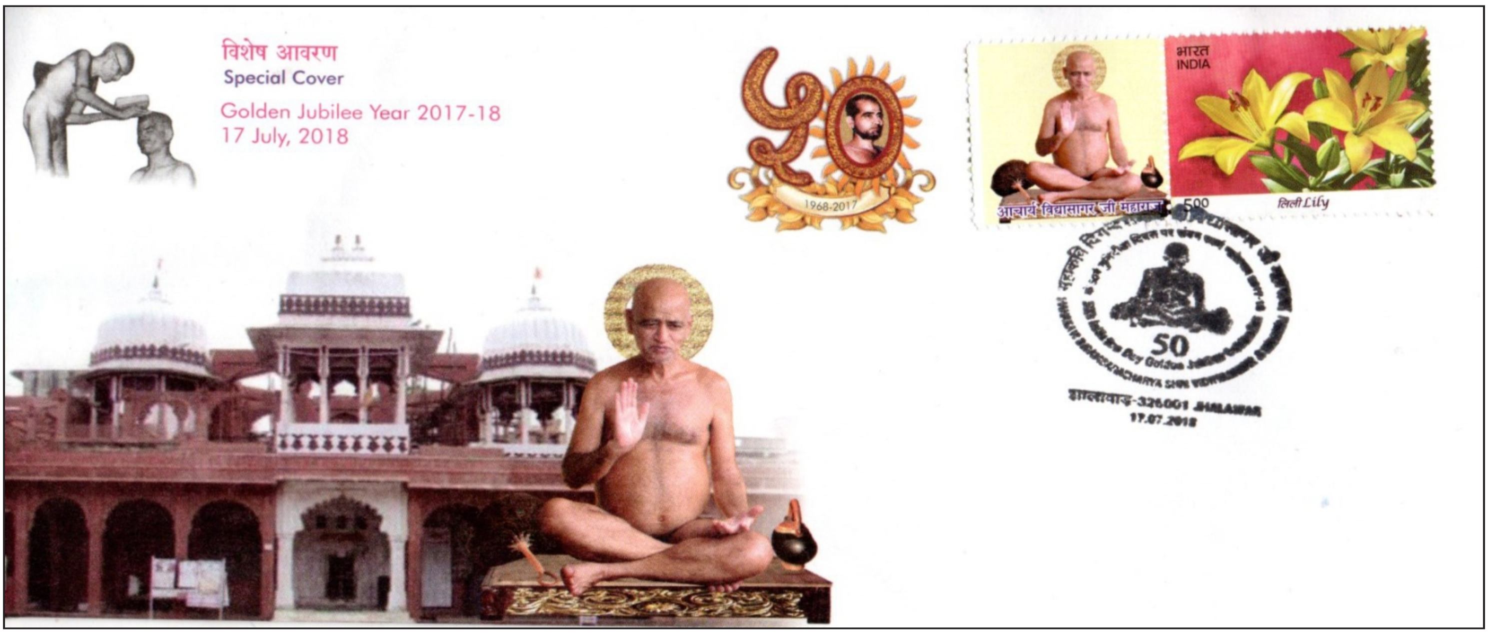

मध्य प्रदेश, सागर (MADHYA PRADESH, SAGAR) 470001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018**

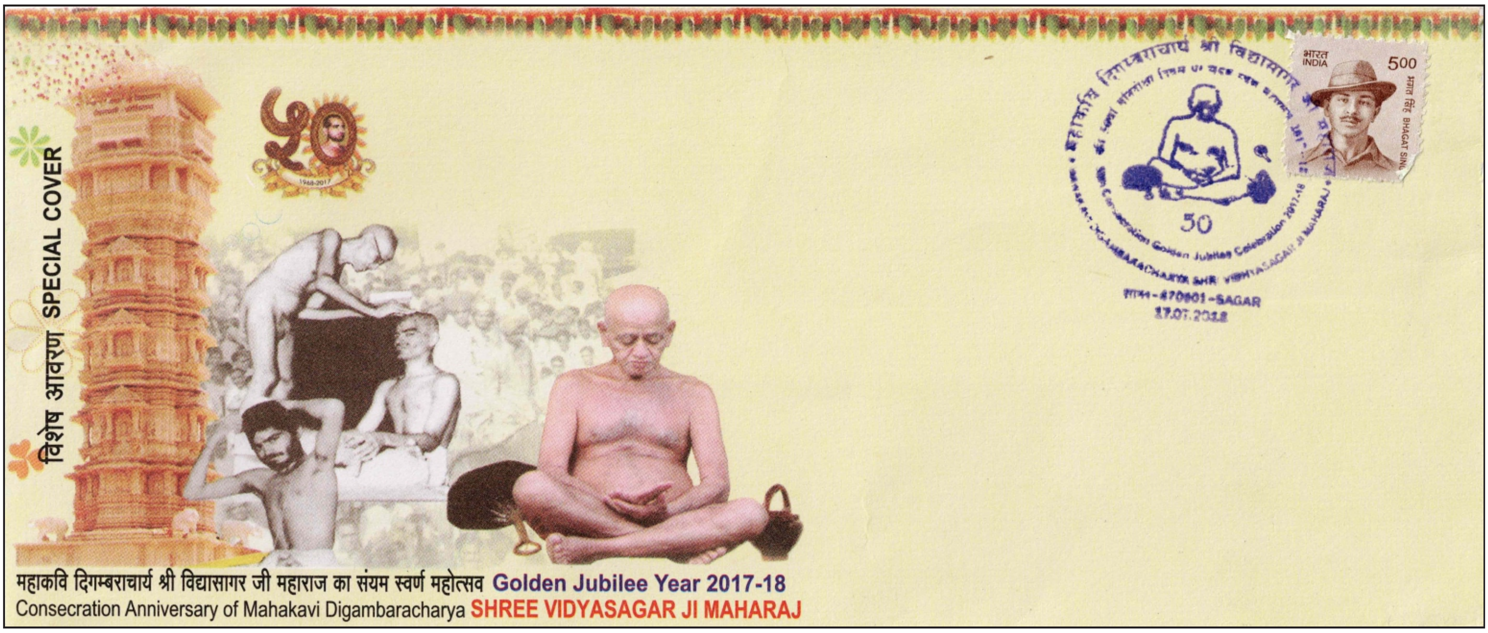

मध्य प्रदेश, गुना (MADHYA PRADESH, GUNA) 473001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018**

मध्य प्रदेश, अशोकनगर (MADHYA PRADESH, ASHOKNAGAR) 473331 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018**

मध्य प्रदेश, लश्कर (MADHYA PRADESH, LASHKAR) 474001 — जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

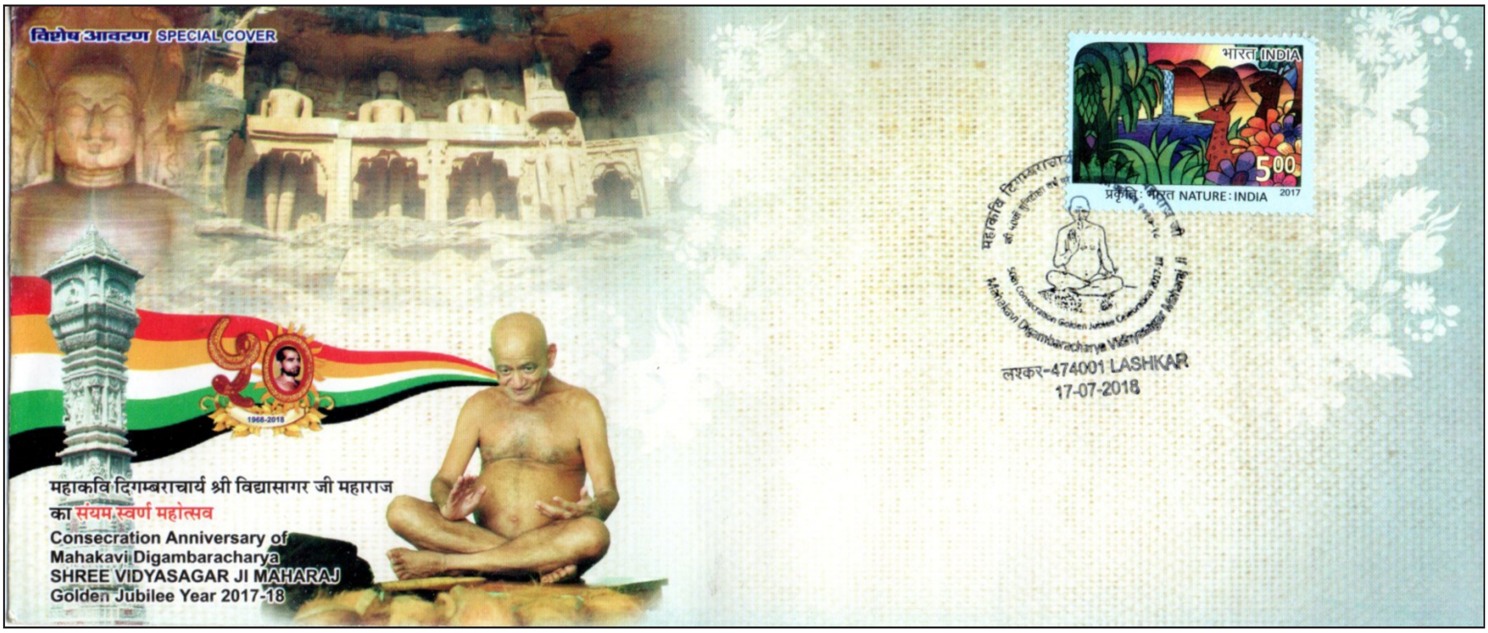

मध्य प्रदेश, जबलपुर (MADHYA PRADESH, JABALPUR) 482001 — जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

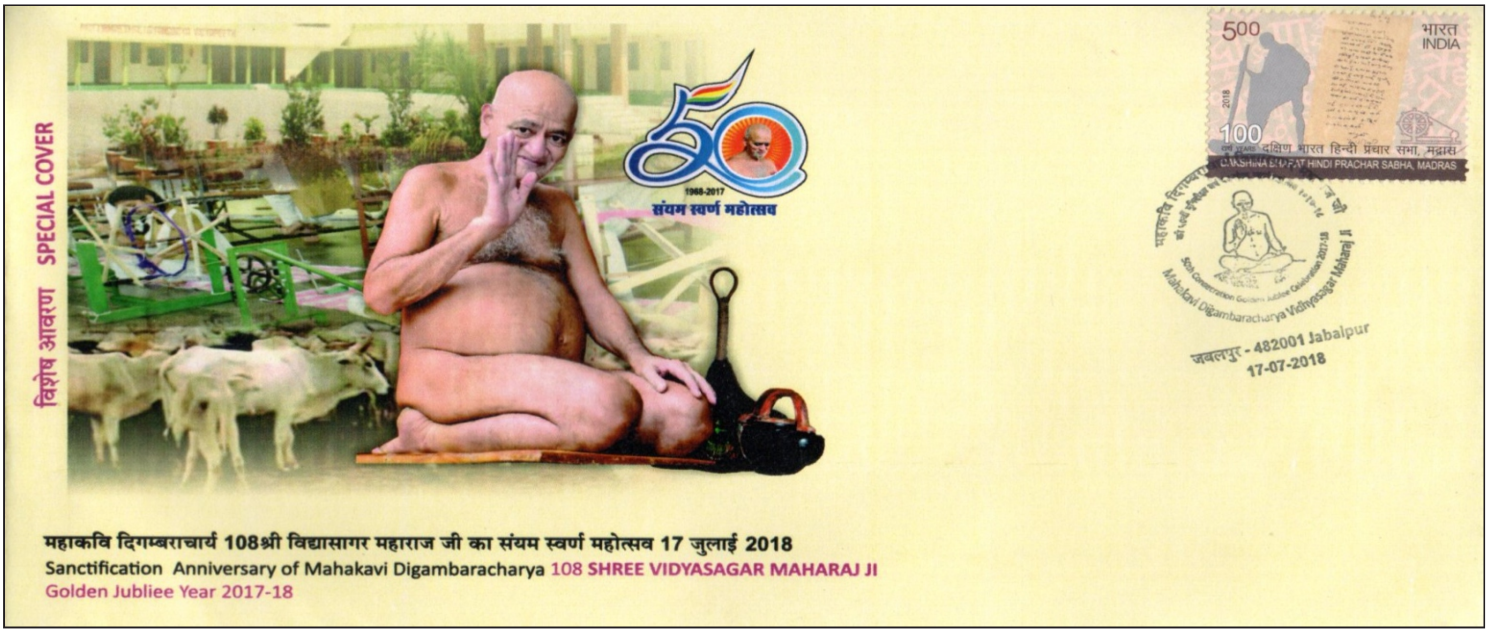

मध्य प्रदेश, सतना (MADHYA PRADESH, SATNA) 485001 — जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

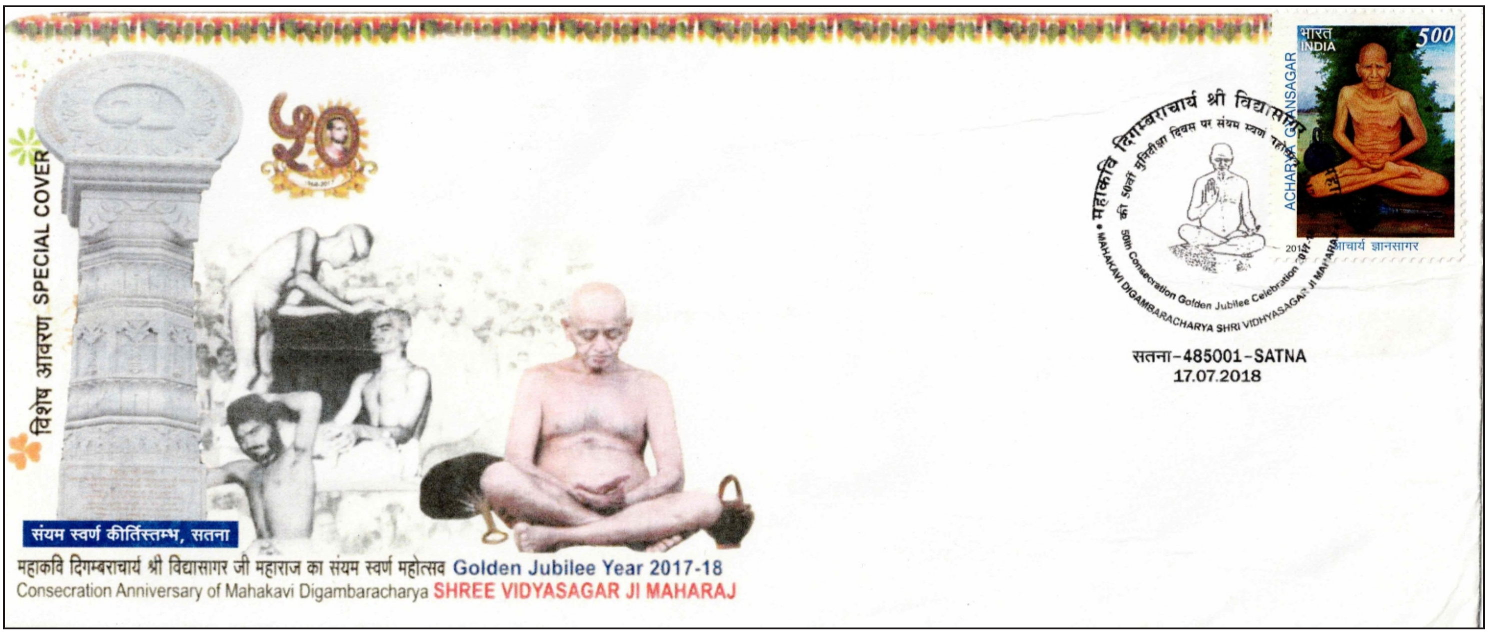

मध्य प्रदेश, रीवा (MADHYA PRADESH, REWA) 486001 जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

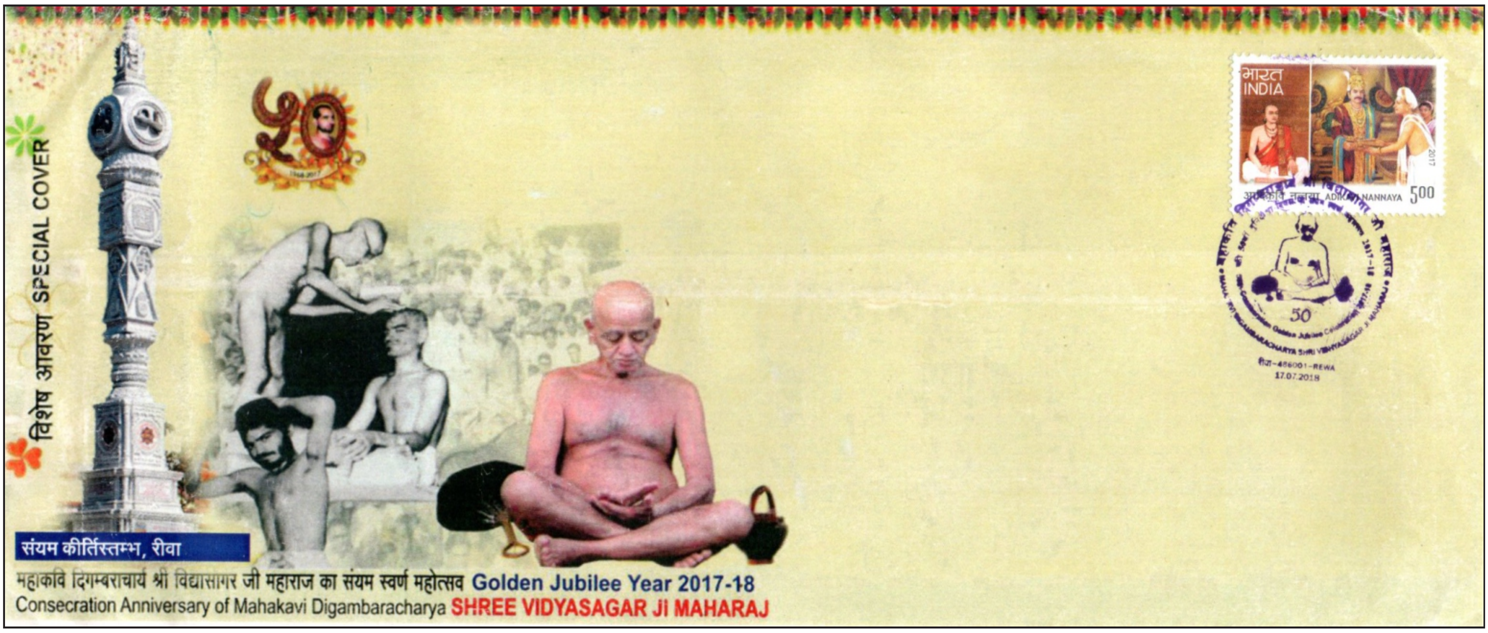

बिहार, पटना (BIHAR, PATNA) 800001 जारी दिनांक (ISSUED) : 17.07.2018

गुजरात, अहमदाबाद (GUJRAT, AHMEDABAD) 380015 जारी दिनांक (ISSUED) : 24.08.2018

जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज पर जारी विषेष आवरण

SPECIAL COVERS ISSUED ON JAINACHARYA VIDYASAGAR JI MAHARAJ

संस्कृति शासनाचार्य स्वर्ण महोत्सव (2021-2022) के विषेष आवरण केवल 22.11.2021 को जारी

(SANSKRITI SASNACHARYA SWARN MAHOTSAV (2021-2022) SPECIAL COVERS DATED 22.11.2021 ONLY)

दिल्ली, नई दिल्ली **(DELHI, NEW DELHI) 110001** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

हरियाणा, गुरूग्राम **(HARYANA, GURUGRAM) 122001** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

हरियाणा, रेवाड़ी **(HARYANA, REWADI) 123401** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

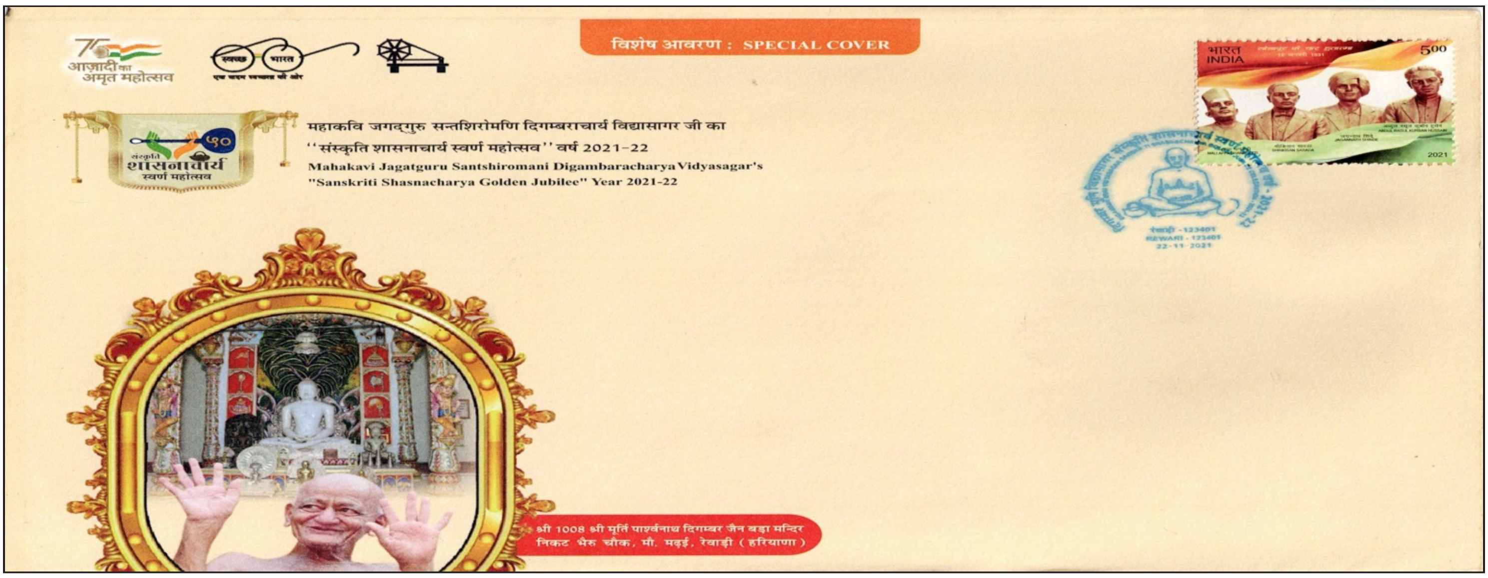

हरियाणा, बहादुरगढ़ (HARYANA, BAHADURGARH) 124507 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

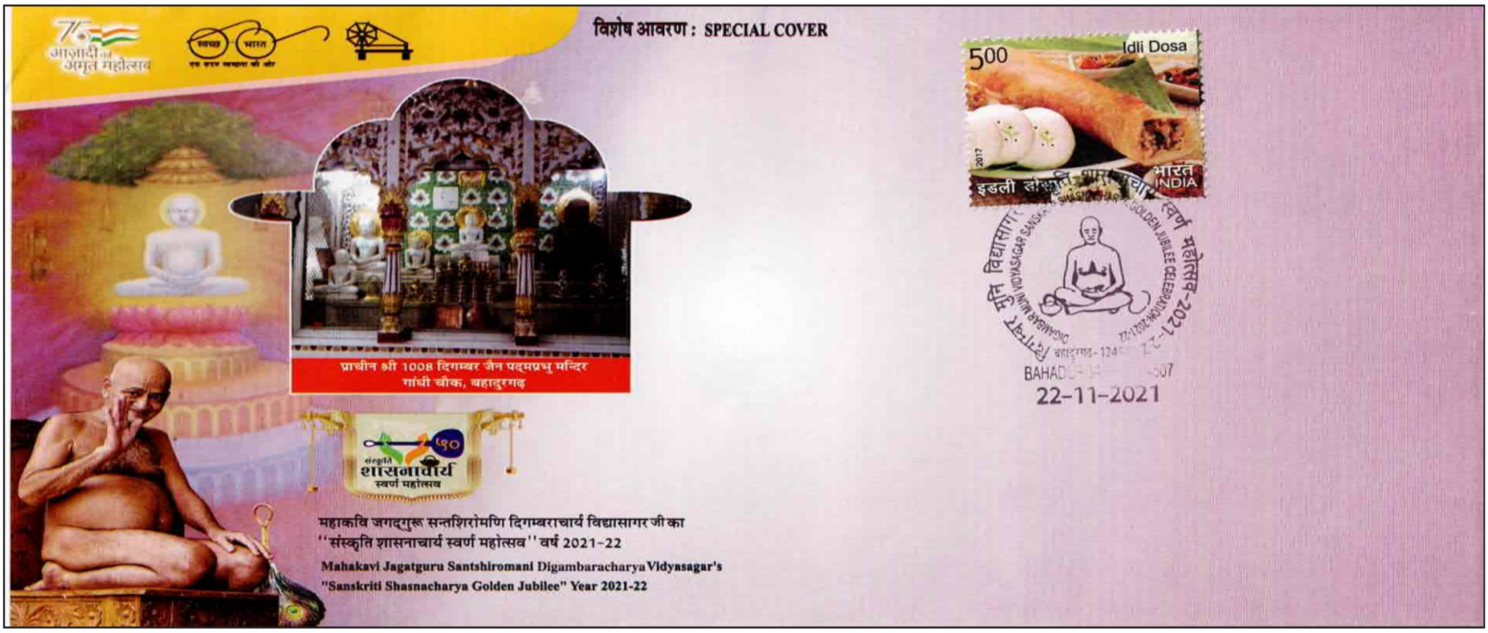

हरियाणा, हिसार (HARYANA, HISAR) 125001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

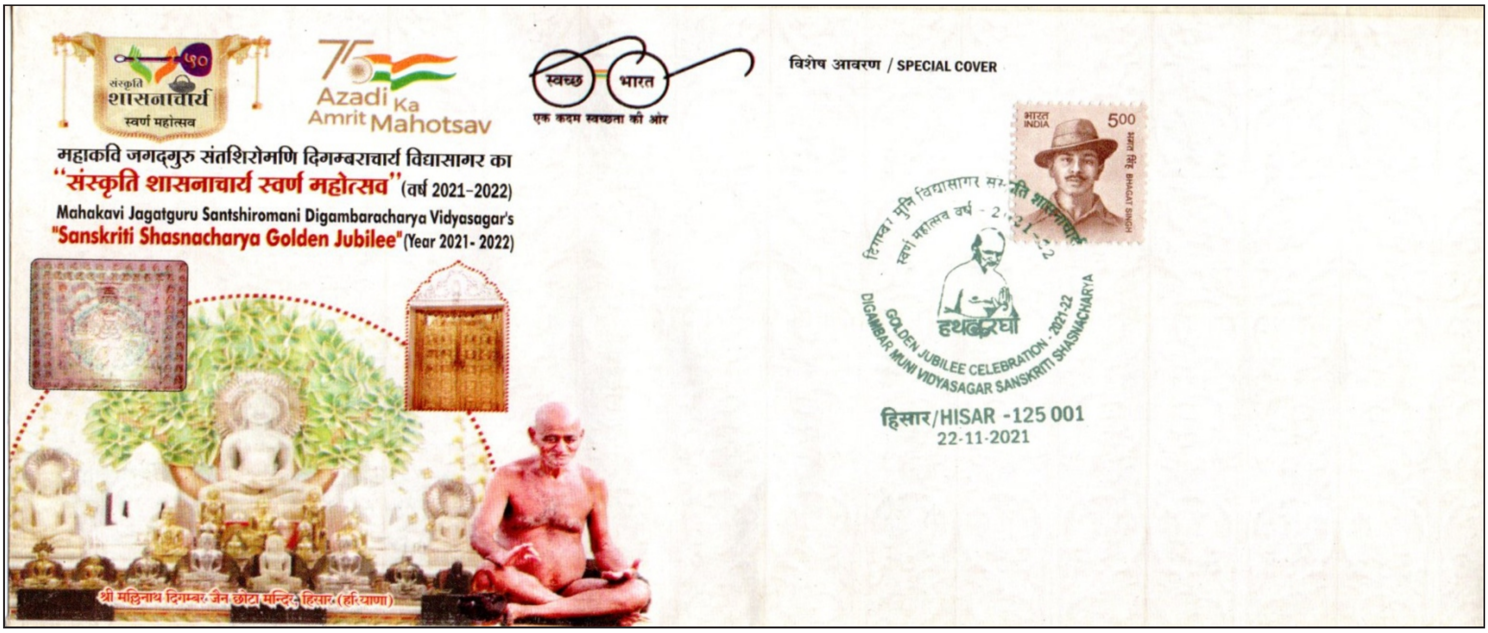

हरियाणा, सोनीपत (HARYANA, SONIPAT) 131001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

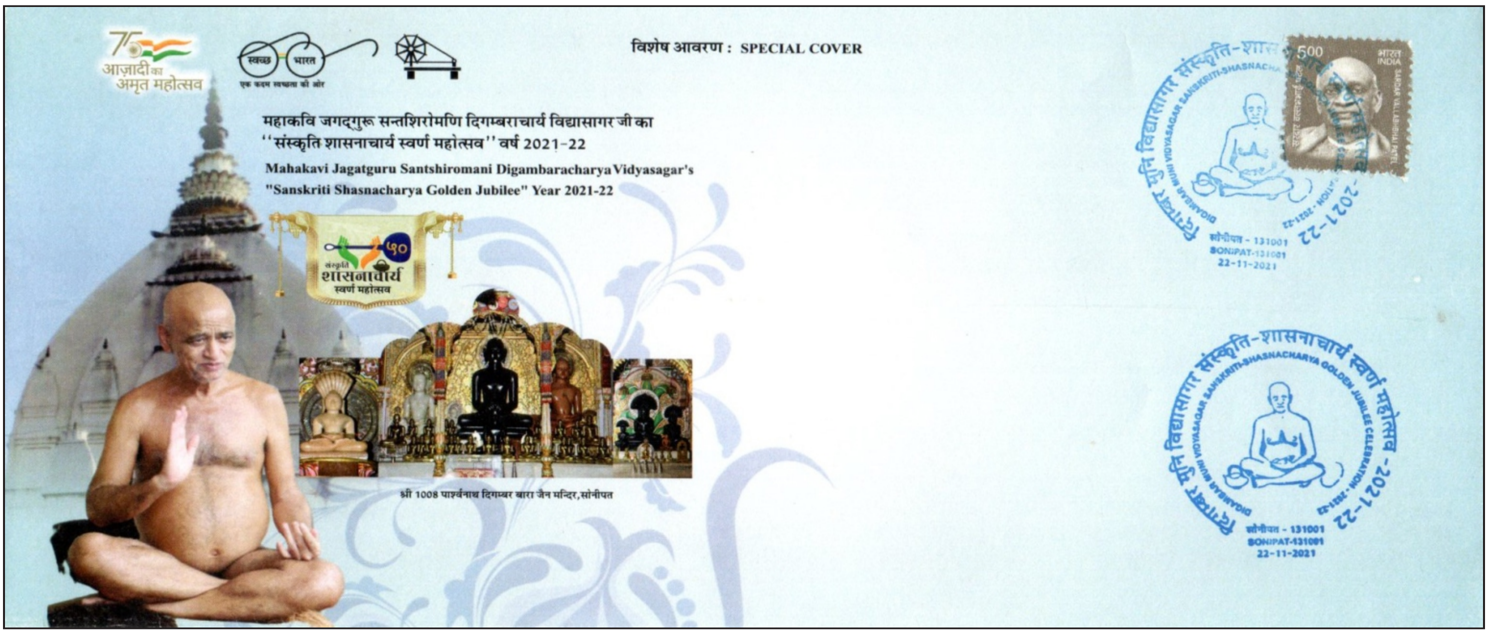

हरियाणा, अम्बाला (HARYANA, AMBALA) 133001 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

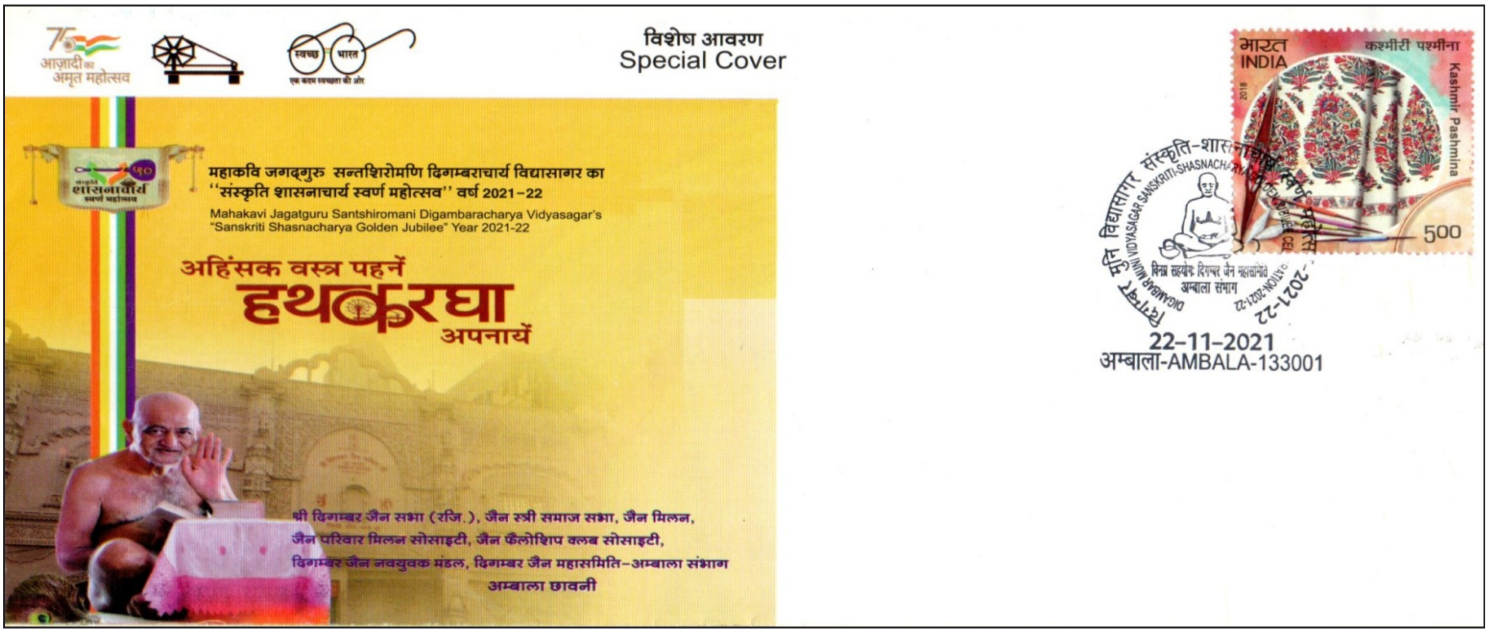

हरियाणा, यमुनानगर (HARYANA, YAMUNANAGAR) 135001 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

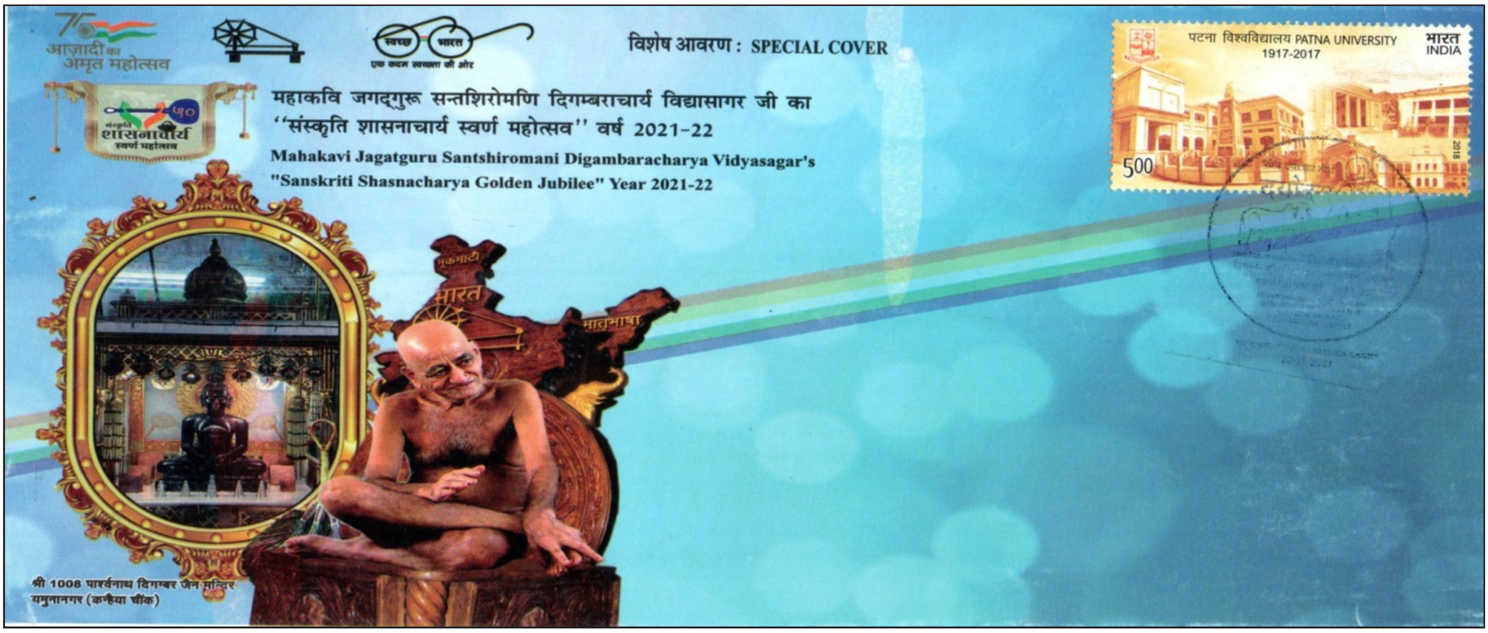

उत्तर प्रदेश, नोएडा (UTTAR PRADESH, NOIDA) 201301 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

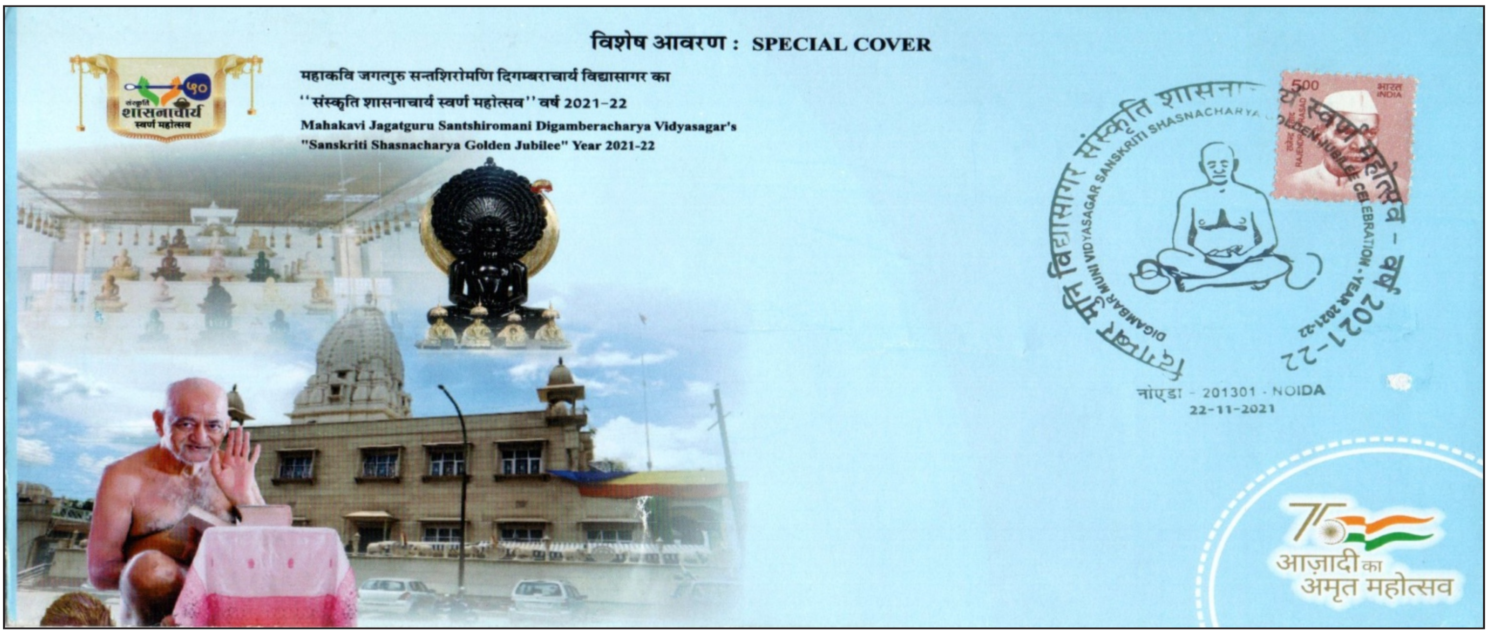

उत्तर प्रदेश, कासगंज (UTTAR PRADESH, KASGANJ) 207123 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

उत्तर प्रदेश, कानपुर (UTTAR PRADESH, KANPUR) 208023 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

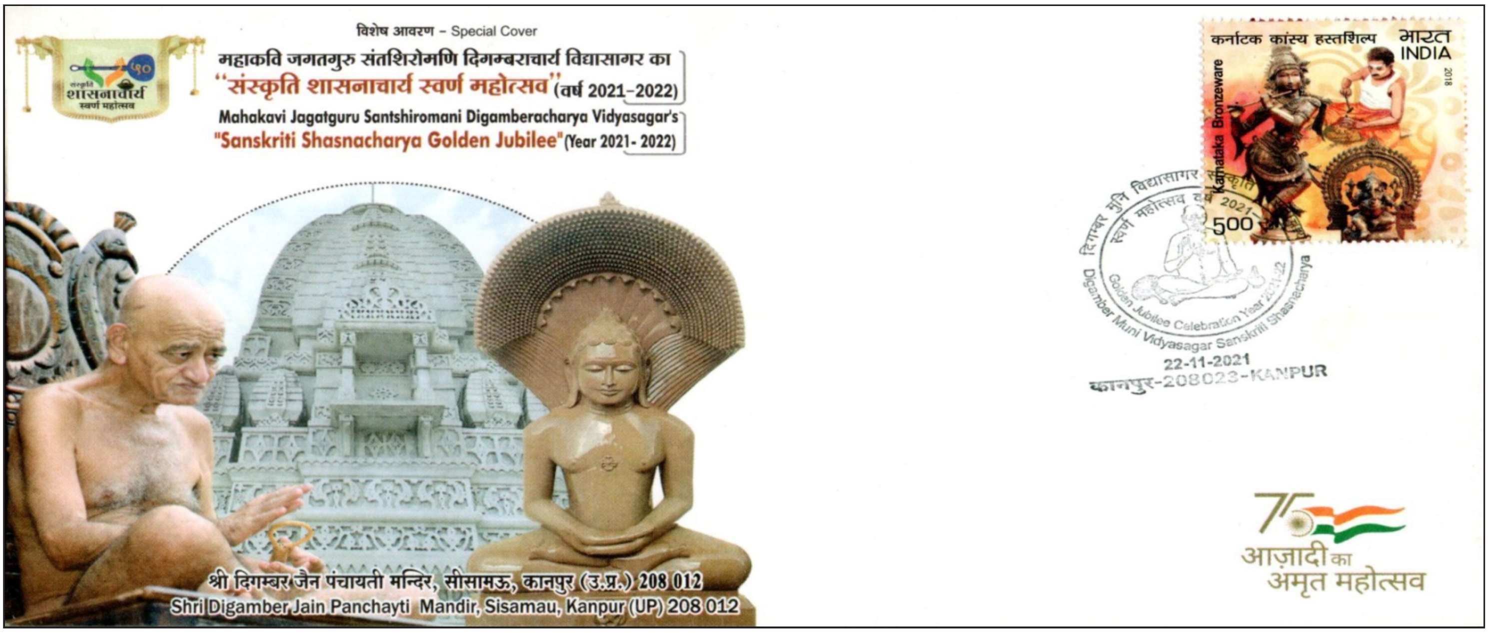

उत्तर प्रदेश, कानपुर (UTTAR PRADESH, KANPUR) 208023 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

उत्तर प्रदेश, कानपुर (UTTAR PRADESH, KANPUR) 208023 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

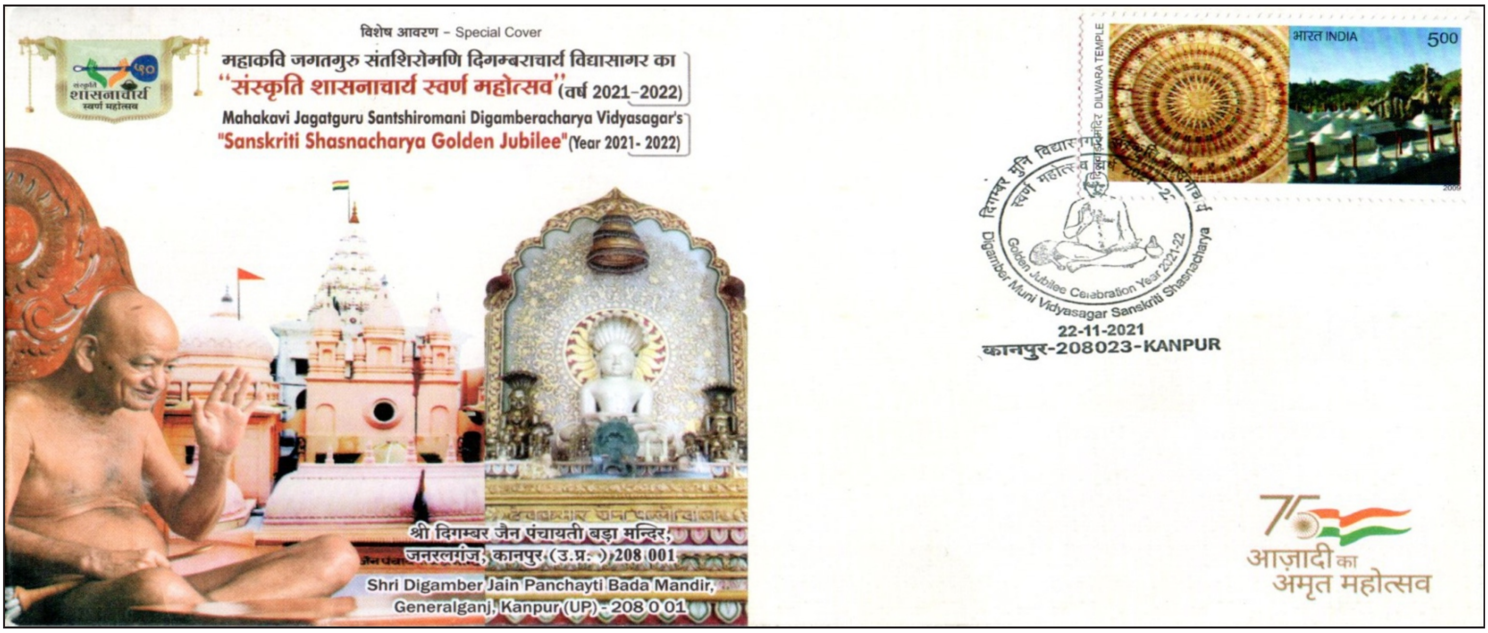

उत्तर प्रदेश, बाँदा (UTTAR PRADESH, BANDA) 210001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

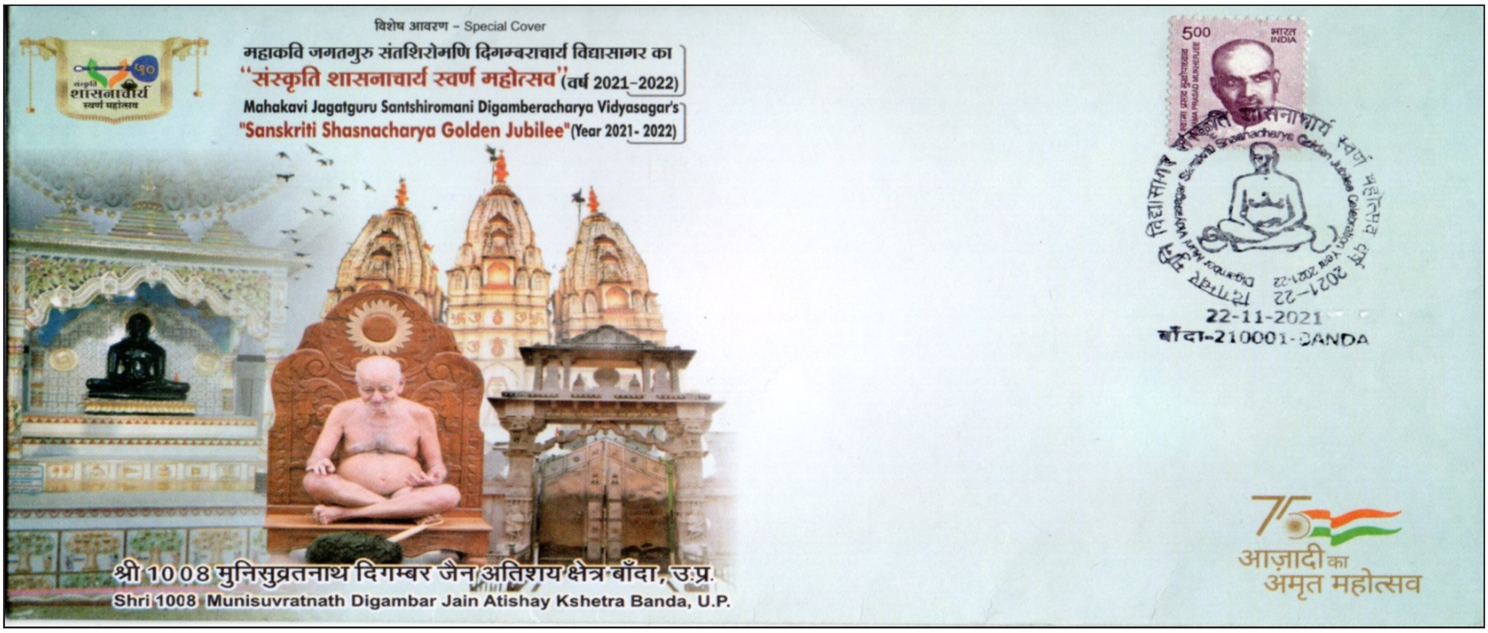

उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद (UTTAR PRADESH, ALLAHABAD) 211001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

उत्तर प्रदेश, वाराणसी **(UTTAR PRADESH, VARANASI) 221001** — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

उत्तर प्रदेश, लखनऊ **(UTTAR PRADESH, LUCKNOW) 226010** — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

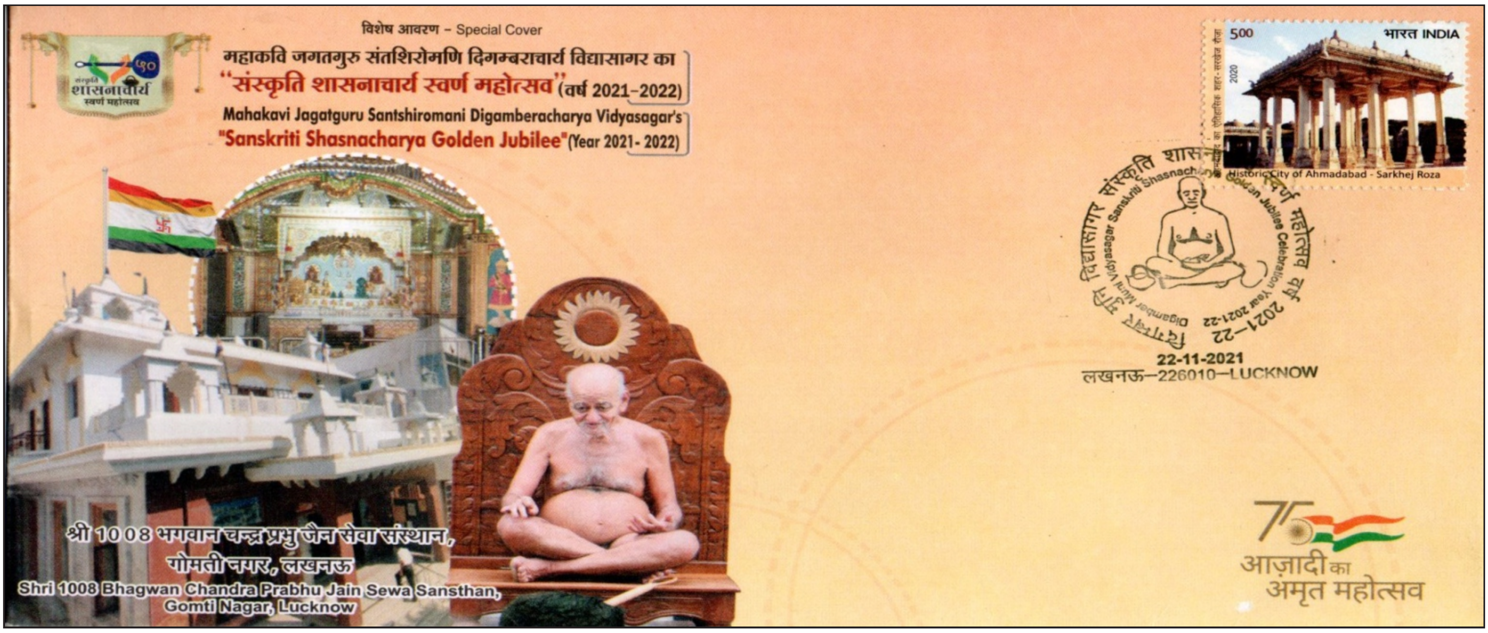

उत्तर प्रदेश, हापुड **(UTTAR PRADESH, HAPUD) 245101** — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

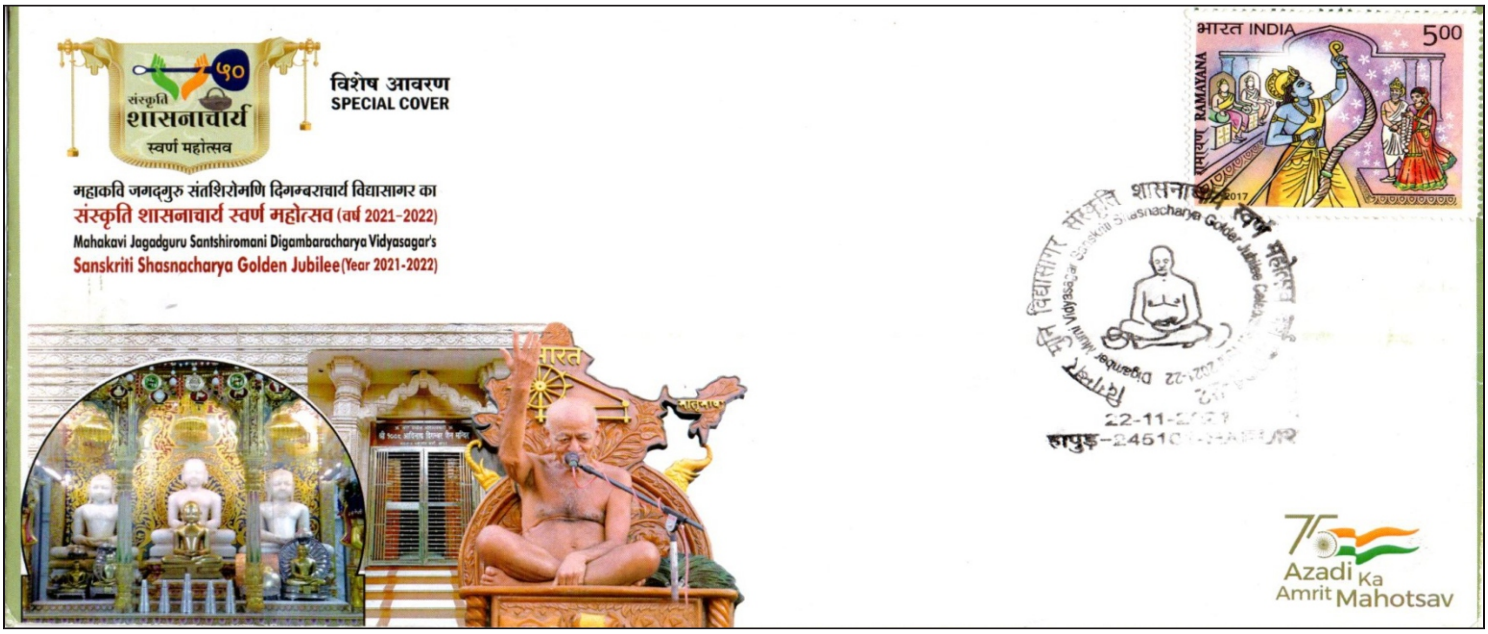

उत्तर प्रदेश, सहारनपुर (UTTAR PRADESH, SAHARANPUR) 247001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

उत्तराखंड, हरिद्वार (UTTARAKHAND, HARIDWAR) 249401 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

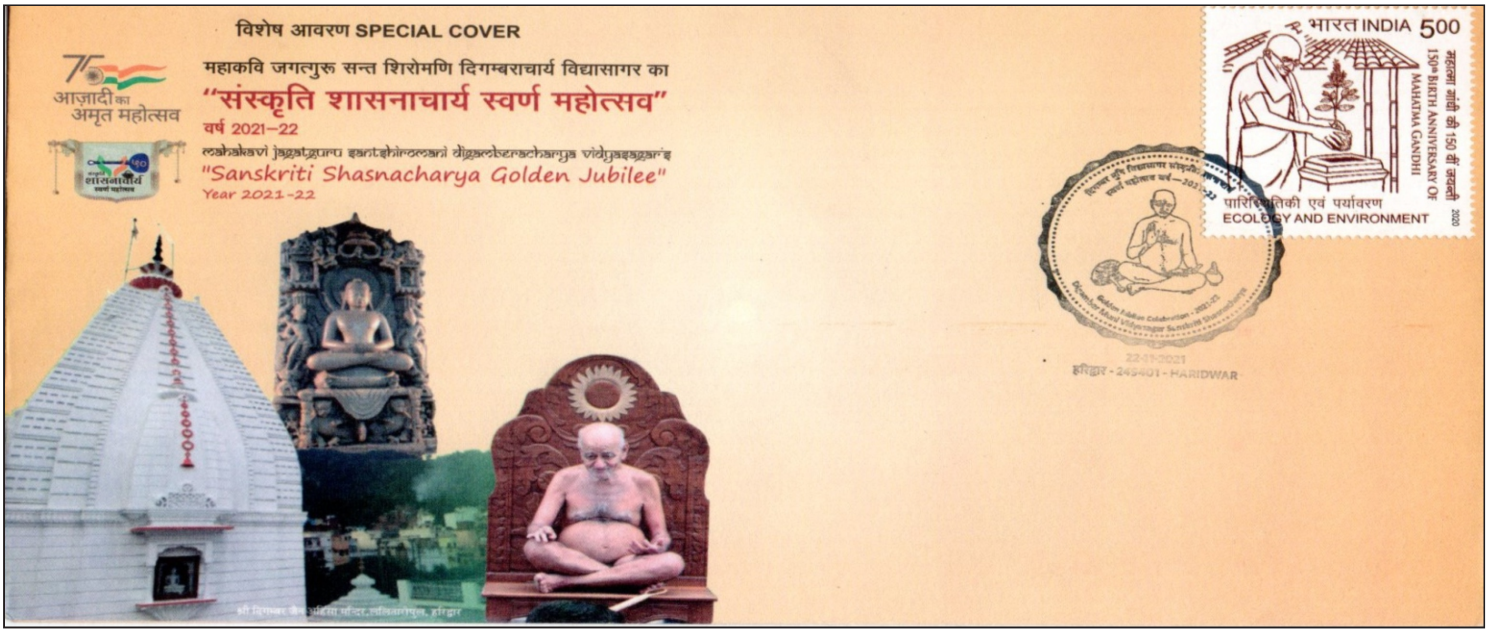

उत्तर प्रदेश, मथुरा (UTTAR PRADESH, MATHURA) 281001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

उत्तर प्रदेश, ललितपुर (UTTAR PRADESH, LALITPUR) 284403 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

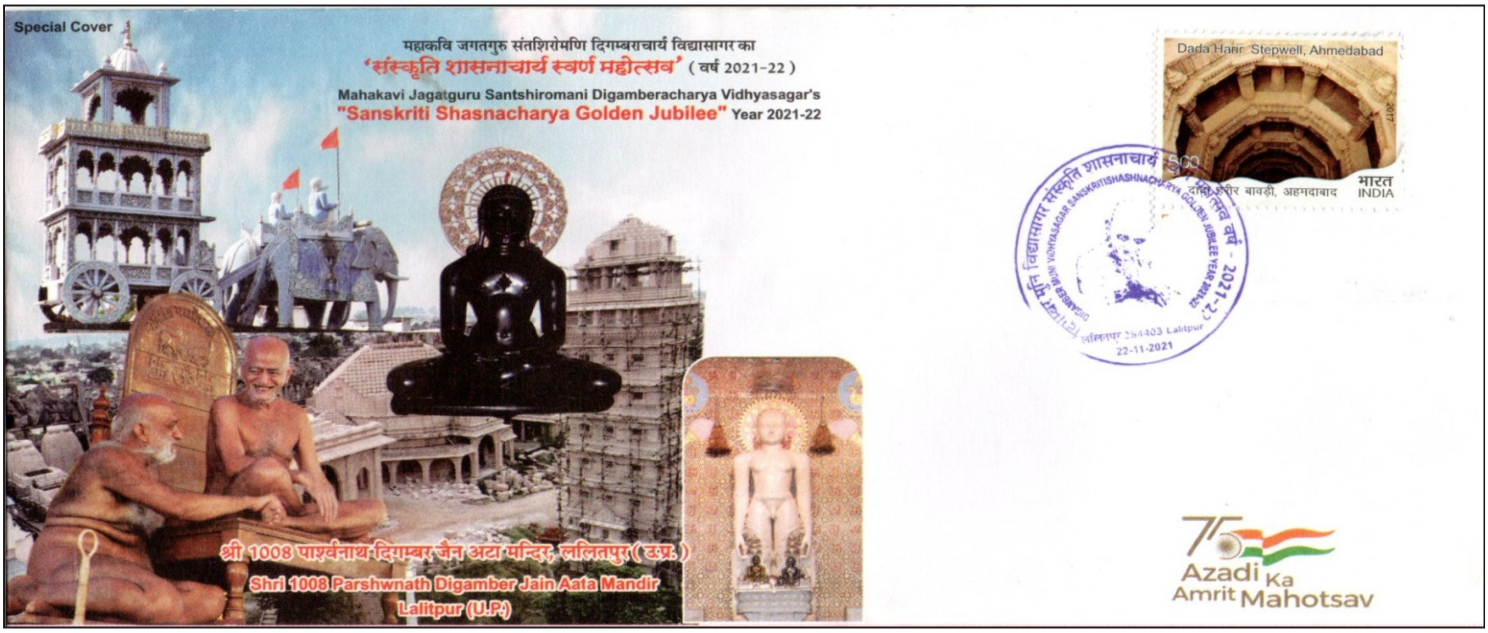

उत्तर प्रदेश, मडवारा (UTTAR PRADESH, MADAWARA) 284404 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

राजस्थान, अलवर (RAJASTHAN, ALWAR) 301001 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

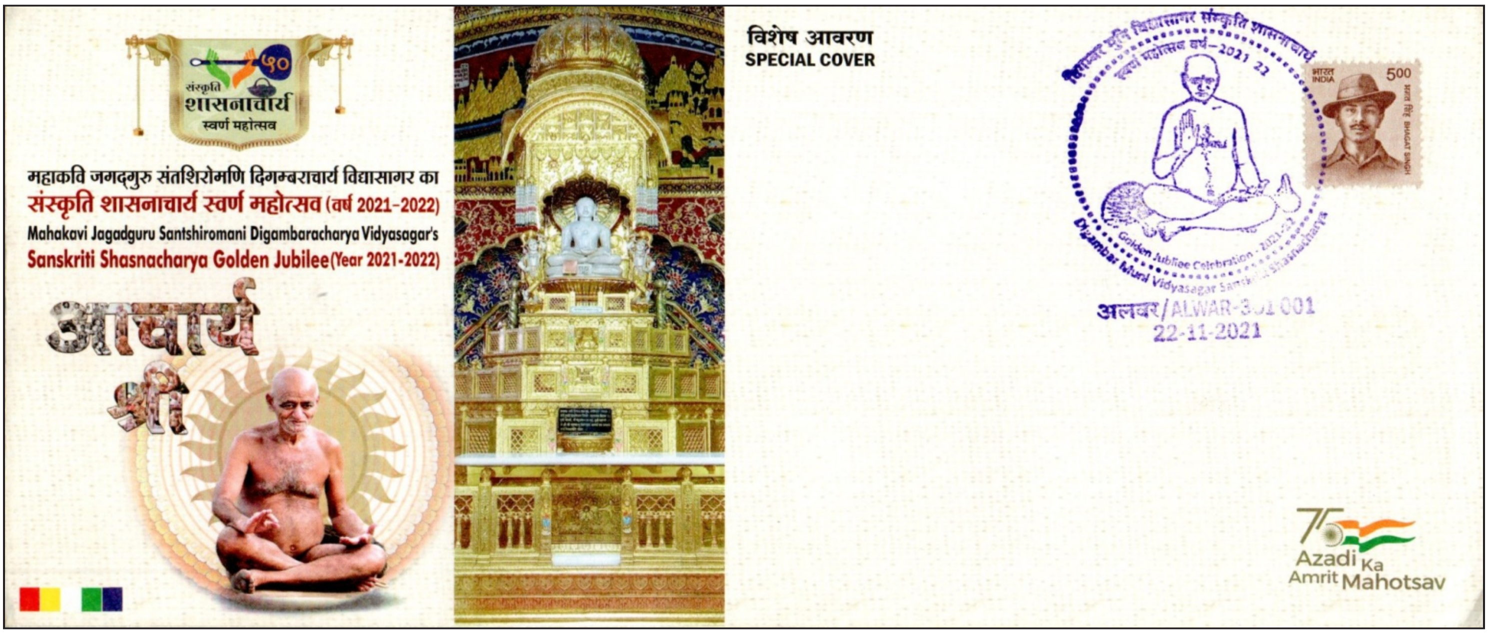

राजस्थान, जयपुर (RAJASTHAN, JAIPUR) 302020 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

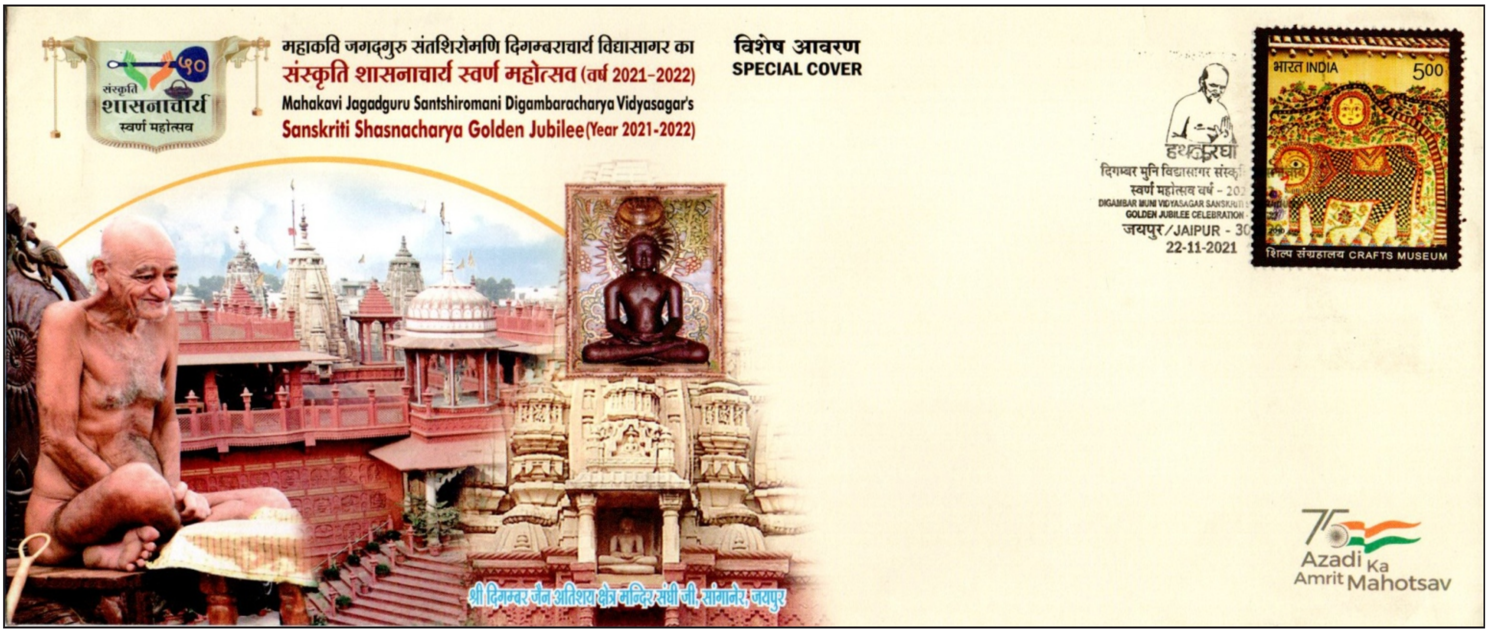

राजस्थान, जयपुर (RAJASTHAN, JAIPUR) 302020 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

राजस्थान, बिजयनगर (RAJASTHAN, BIJAYNAGAR) 302624 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

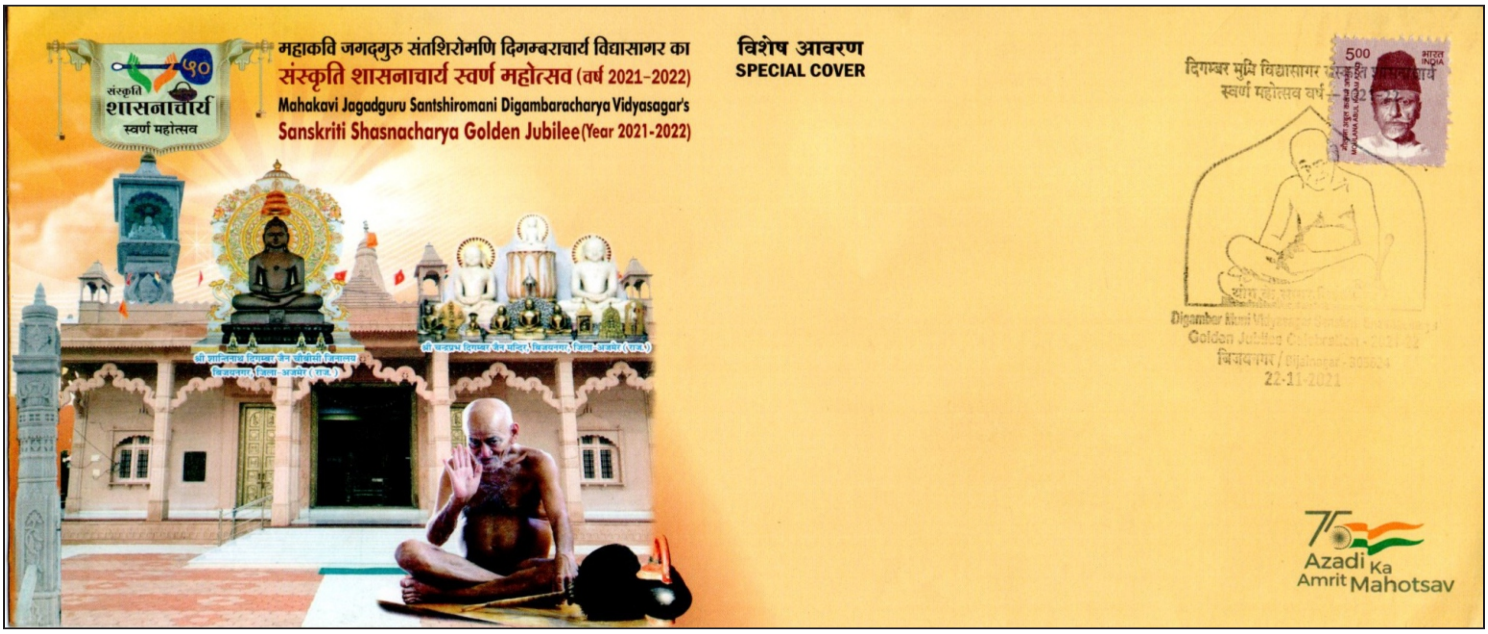

राजस्थान, टोंक एच.ओ. (RAJASTHAN, TONK H.O.) 304001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

राजस्थान, निवाई (RAJASTHAN, NEWAI) 304021 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

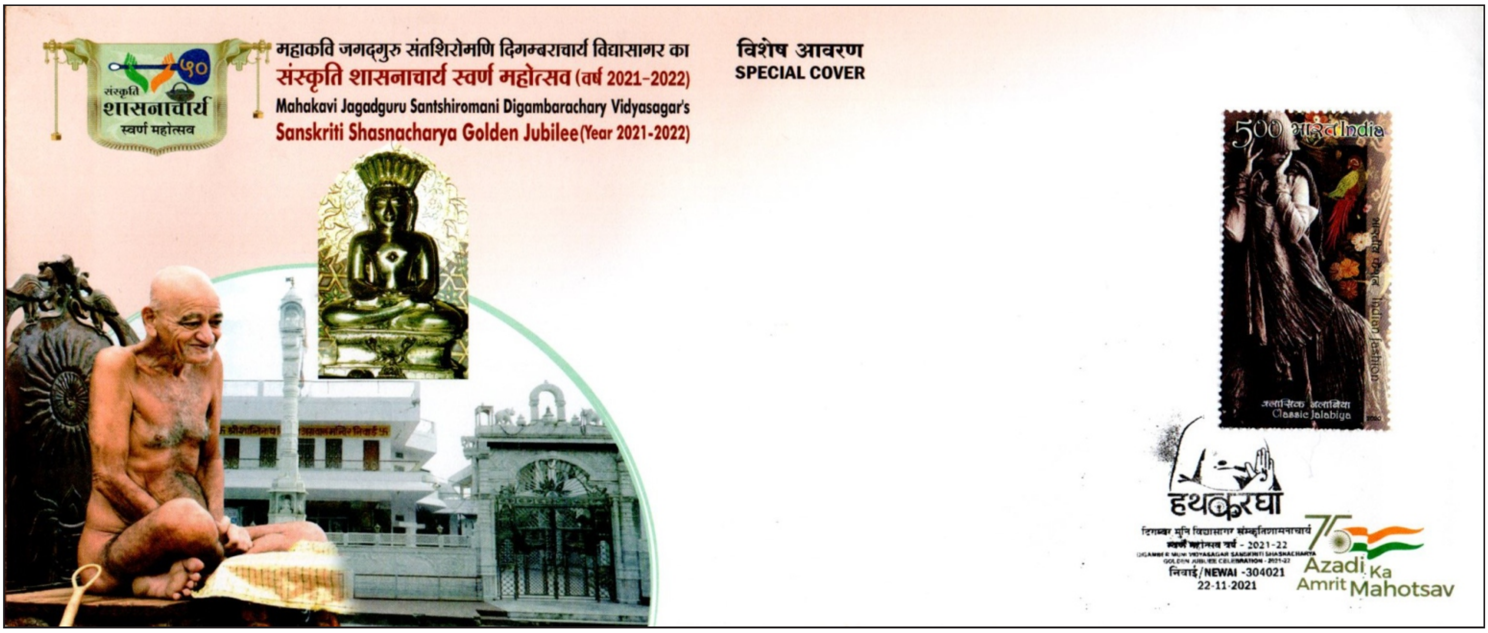

राजस्थान, उनियारा (RAJASTHAN, UNIYARA) 304024 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

राजस्थान, अजमेर (RAJASTHAN, AJMER) 305001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

राजस्थान, अजमेर (RAJASTHAN, AJMER) 305001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

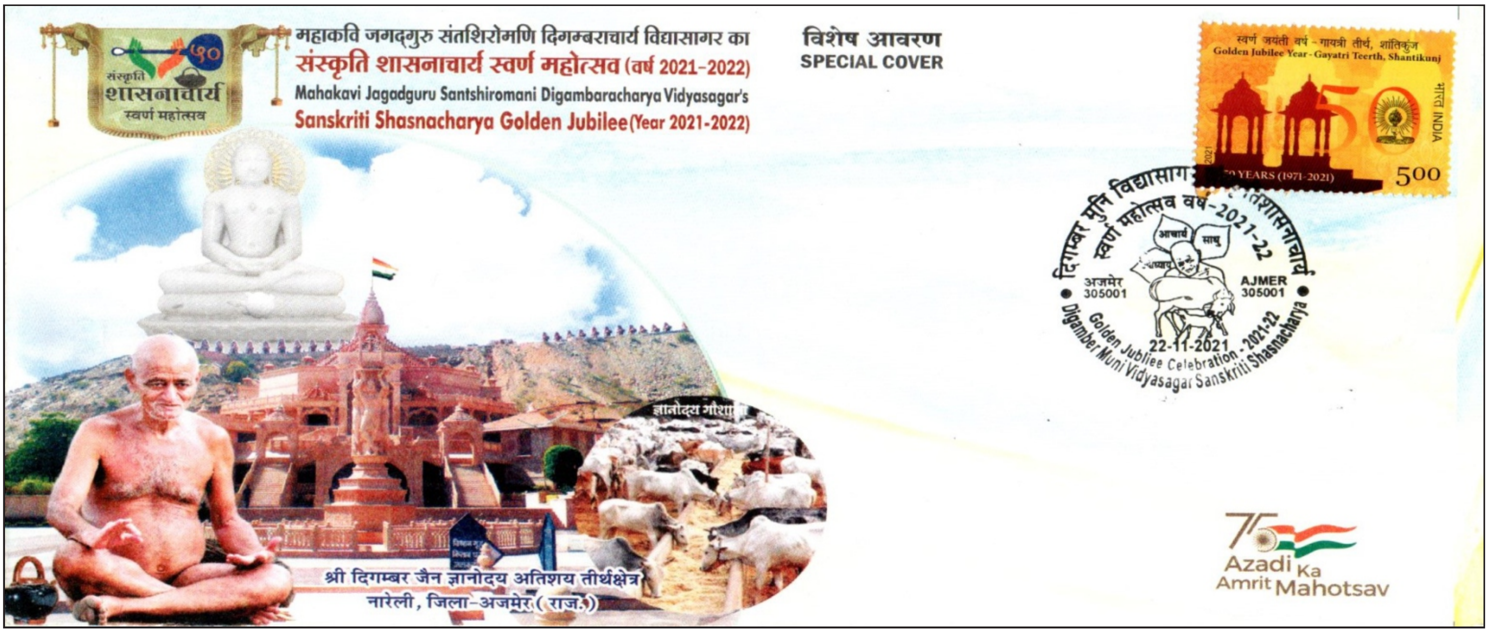

राजस्थान, केकड़ी (RAJASTHAN, KEKDI) 305404 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

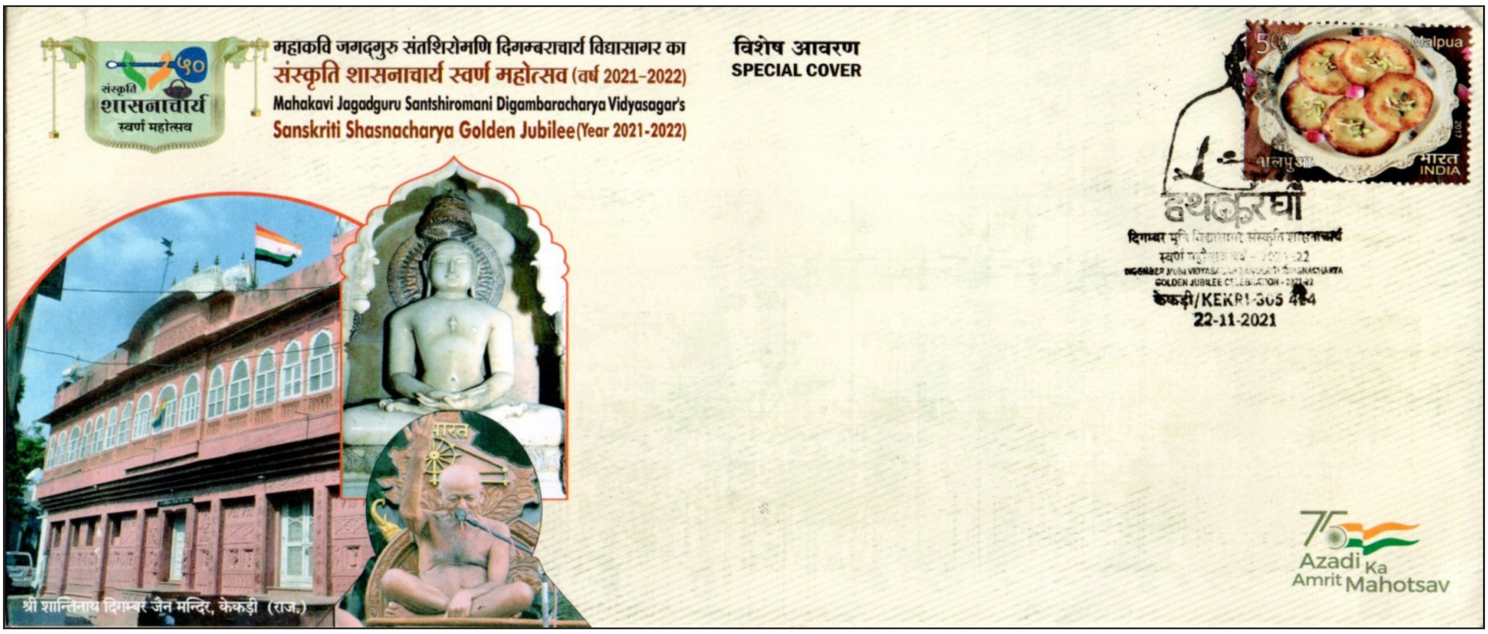

राजस्थान, सावर (RAJASTHAN, SAWAR) 305407 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

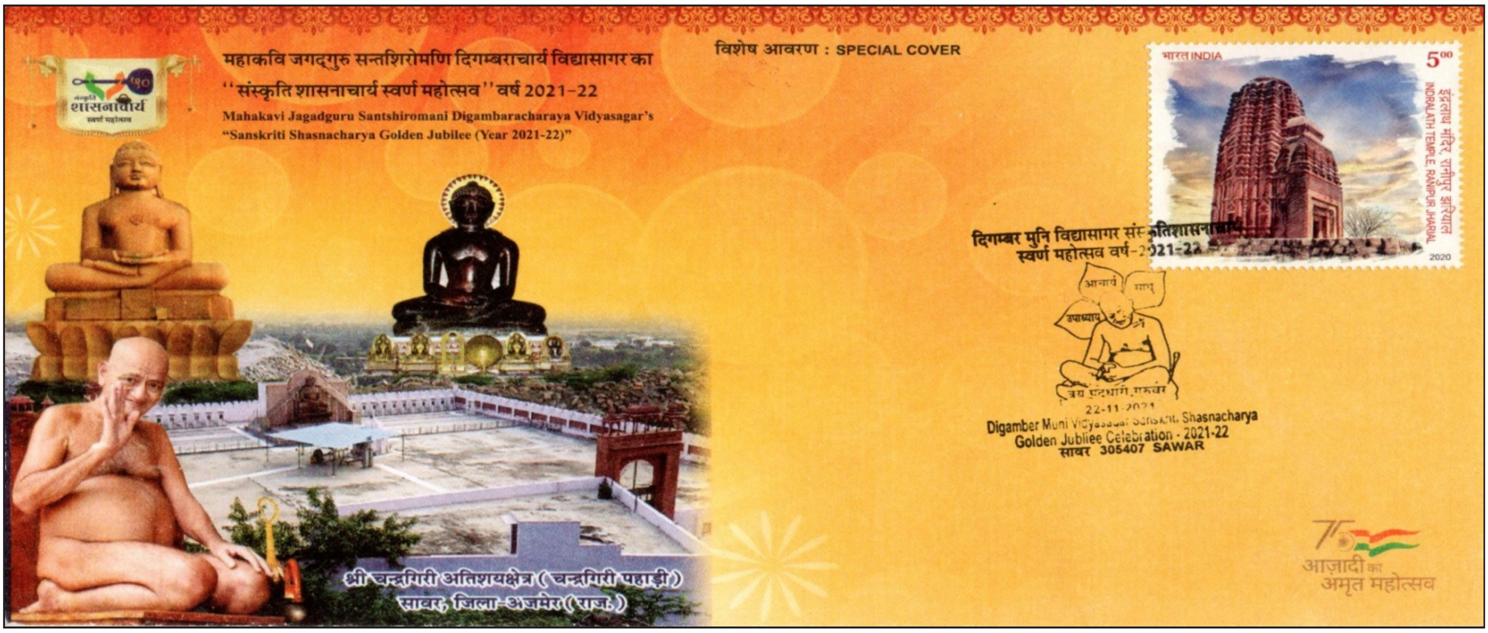

राजस्थान, नसीराबाद (RAJASTHAN, NASIRABAD) 305601 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

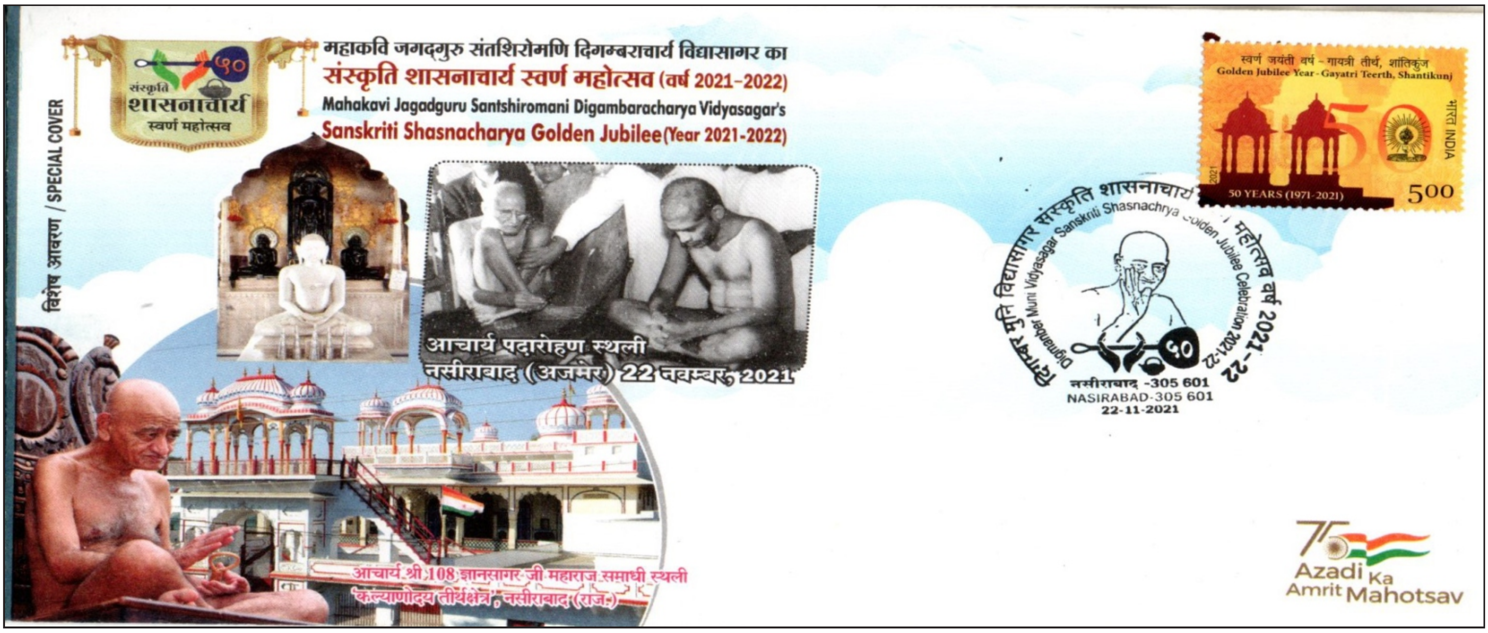

राजस्थान, मदन-किशनगढ़ (RAJASTHAN, MADAN-KISHANGARH) 305801 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

राजस्थान, भीलवाड़ा (RAJASTHAN, BHILWARA) 311001 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

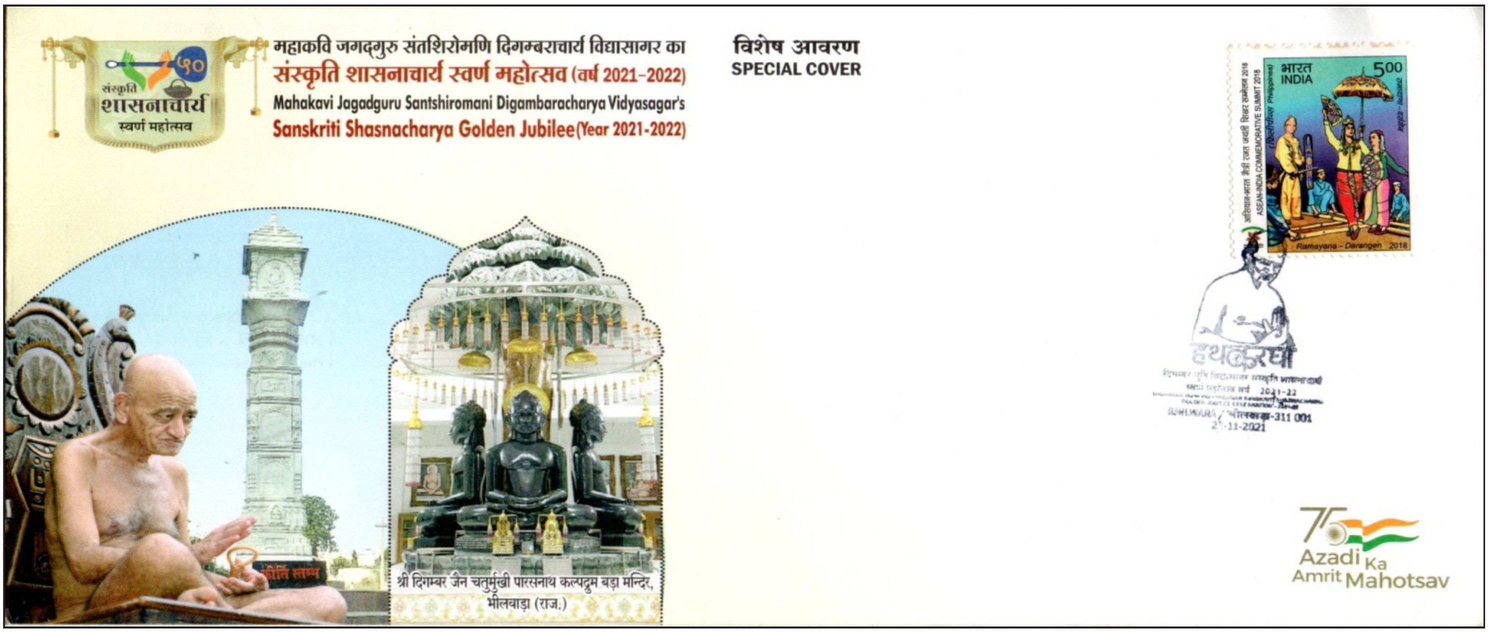

राजस्थान, चंवलेश्वर (RAJASTHAN, CHANVLESHWAR) 311202 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

राजस्थान, बिजोलिया (RAJASTHAN, BIJOLIYA) 311602 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

राजस्थान, चित्तौड़गढ़ (RAJASTHAN, CHITTOGARH) 312001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

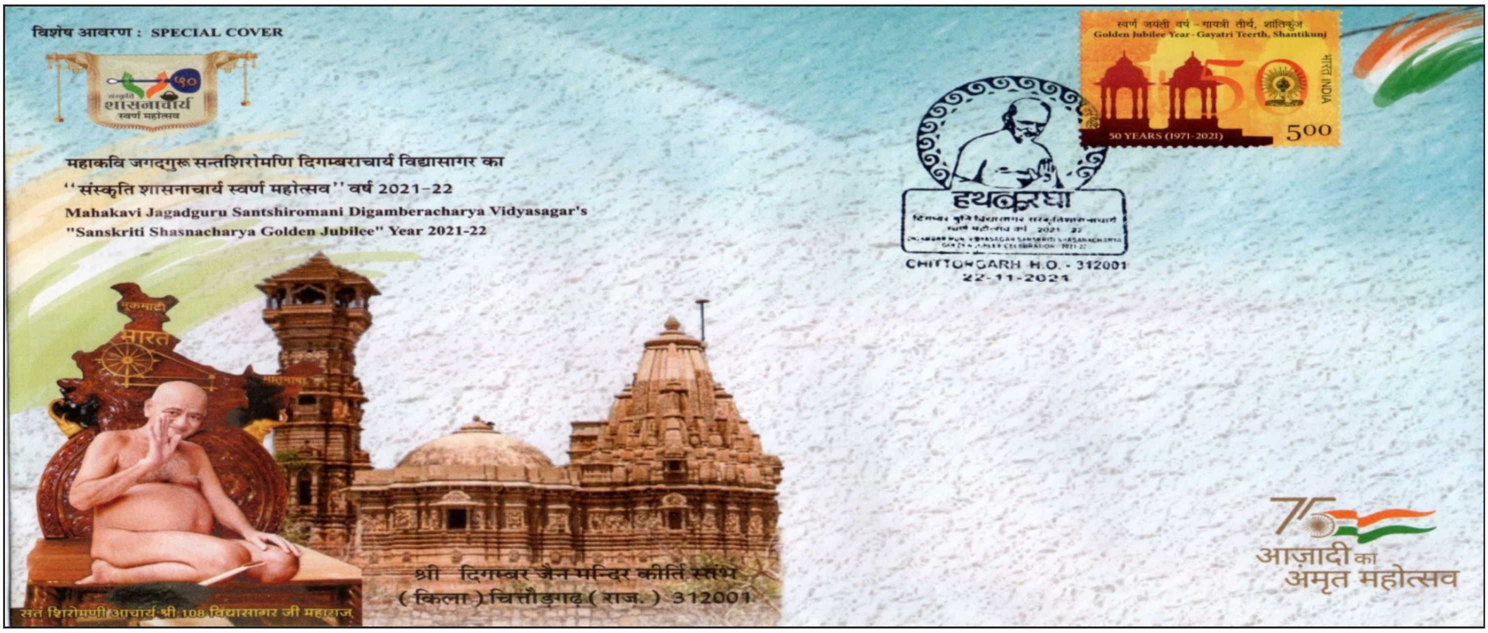

राजस्थान, प्रतापगढ़ (RAJASTHAN, PRATAPGARH) 312605 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

राजस्थान, कांकरोली (RAJASTHAN, KANKROLI) 313324 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

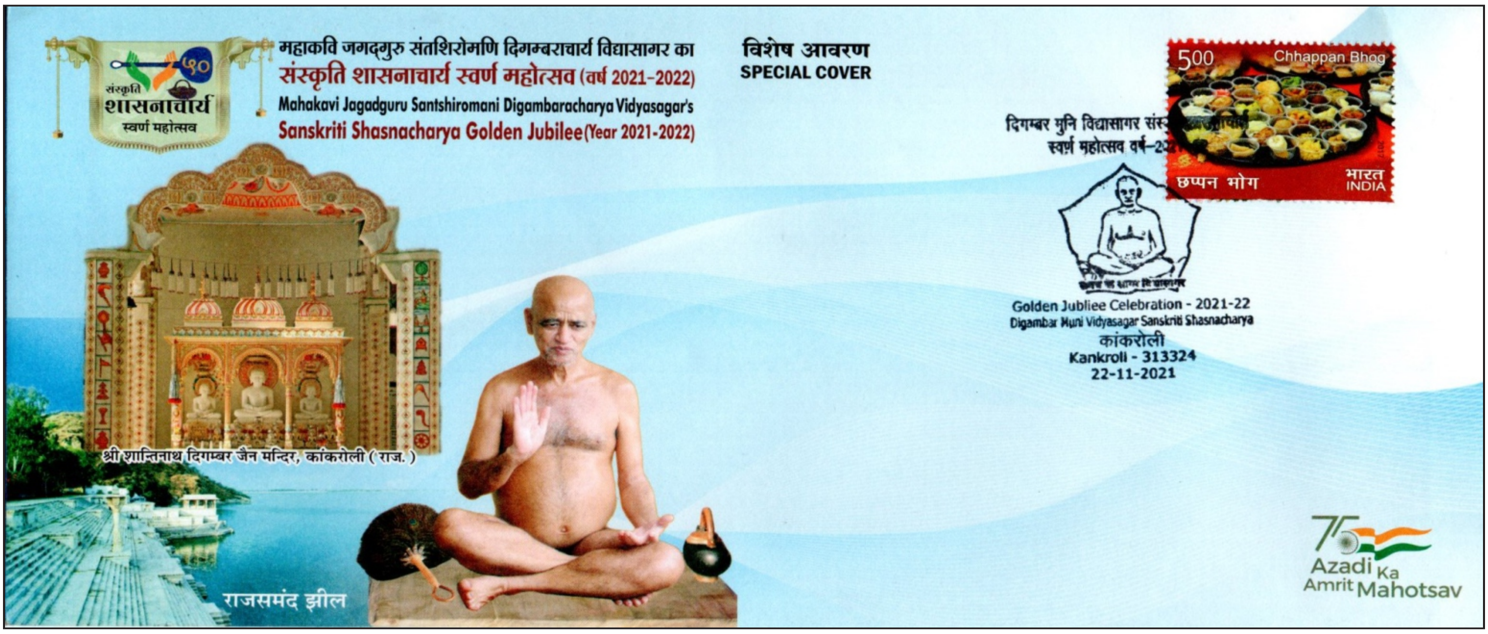

राजस्थान, डूंगरपुर (RAJASTHAN, DUNGARPUR) 314001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

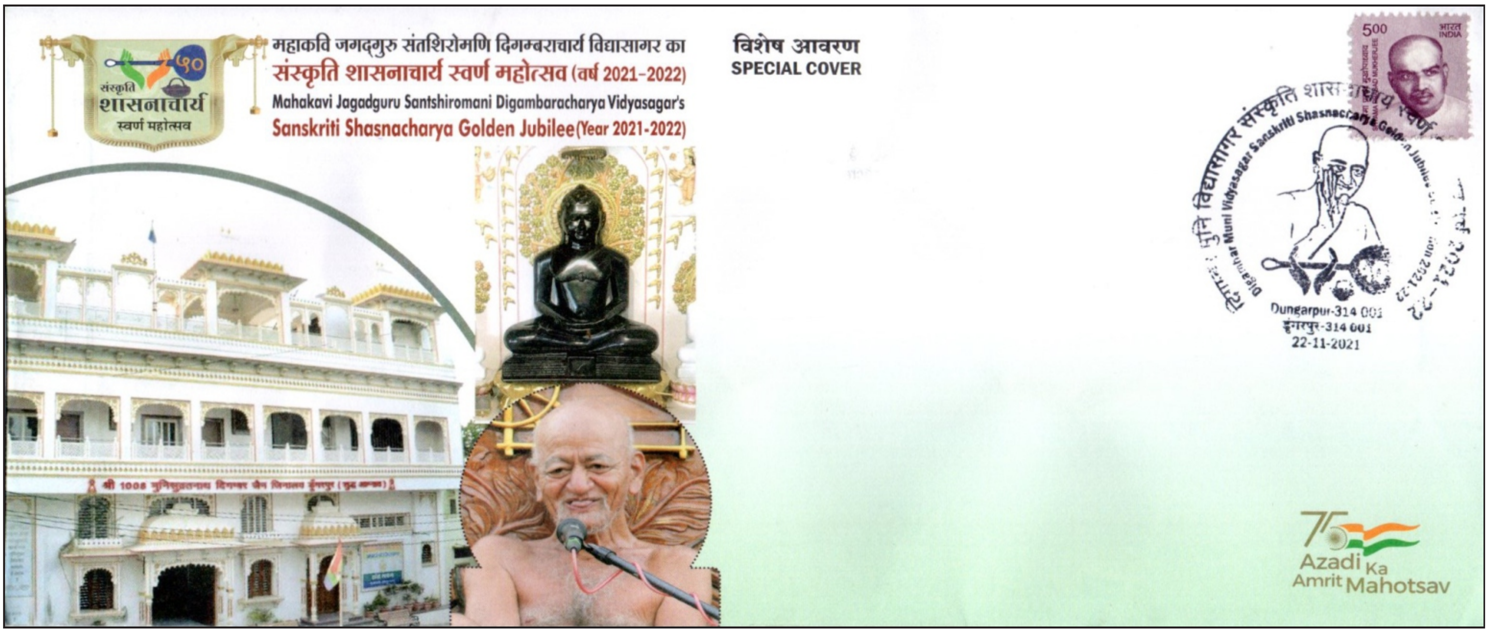

राजस्थान, सवाई माधोपुर (RAJASTHAN, SAWAI MADHOPUR) 322001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

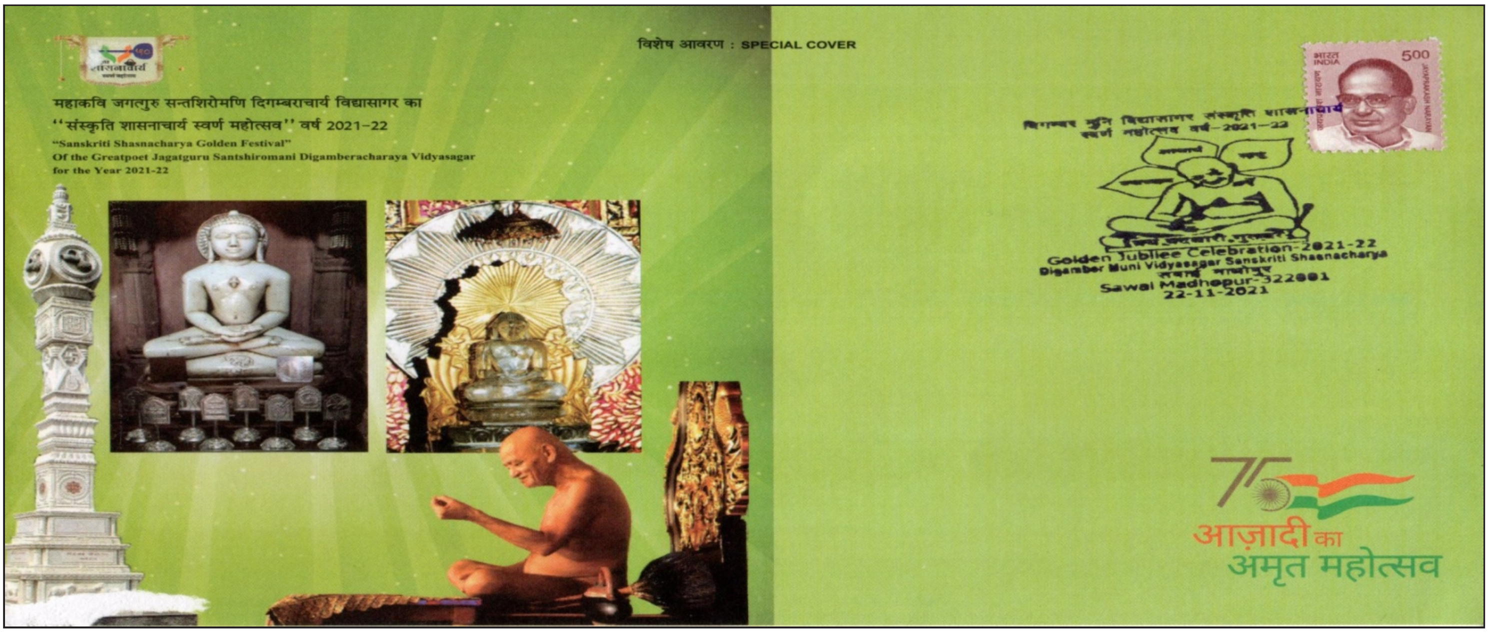

राजस्थान, बूंदी (RAJASTHAN, BUNDI) 323001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

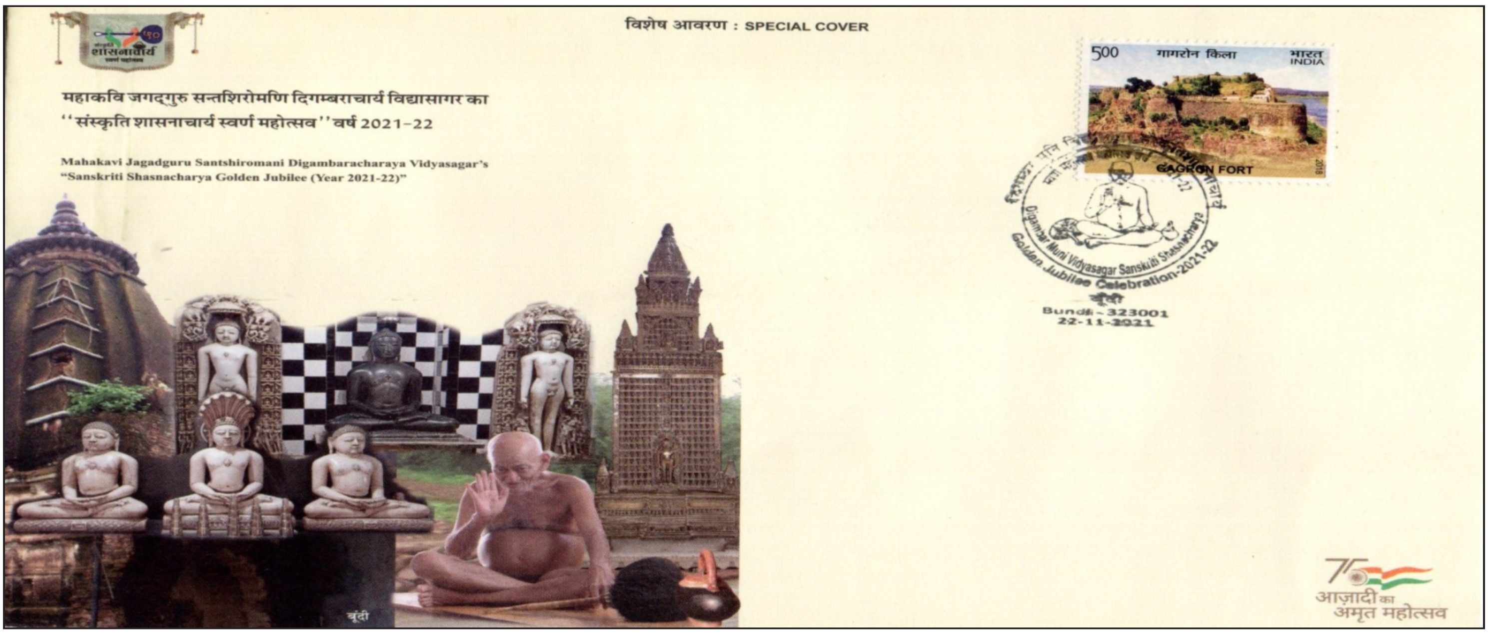

राजस्थान, कोटा एच.ओ. **(RAJASTHAN, KOTA H.O.) 324001** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

राजस्थान, दादाबाड़ी कोटा **(RAJASTHAN, DADABADI KOTA) 324009** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

राजस्थान, पी.आई.पी कोटा **(RAJASTHAN, P.I.P KOTA) 324601** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

राजस्थान, बारां (RAJASTHAN, BARAN) 325205 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

राजस्थान, सांगोद (RAJASTHAN, SANGOD) 325601 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

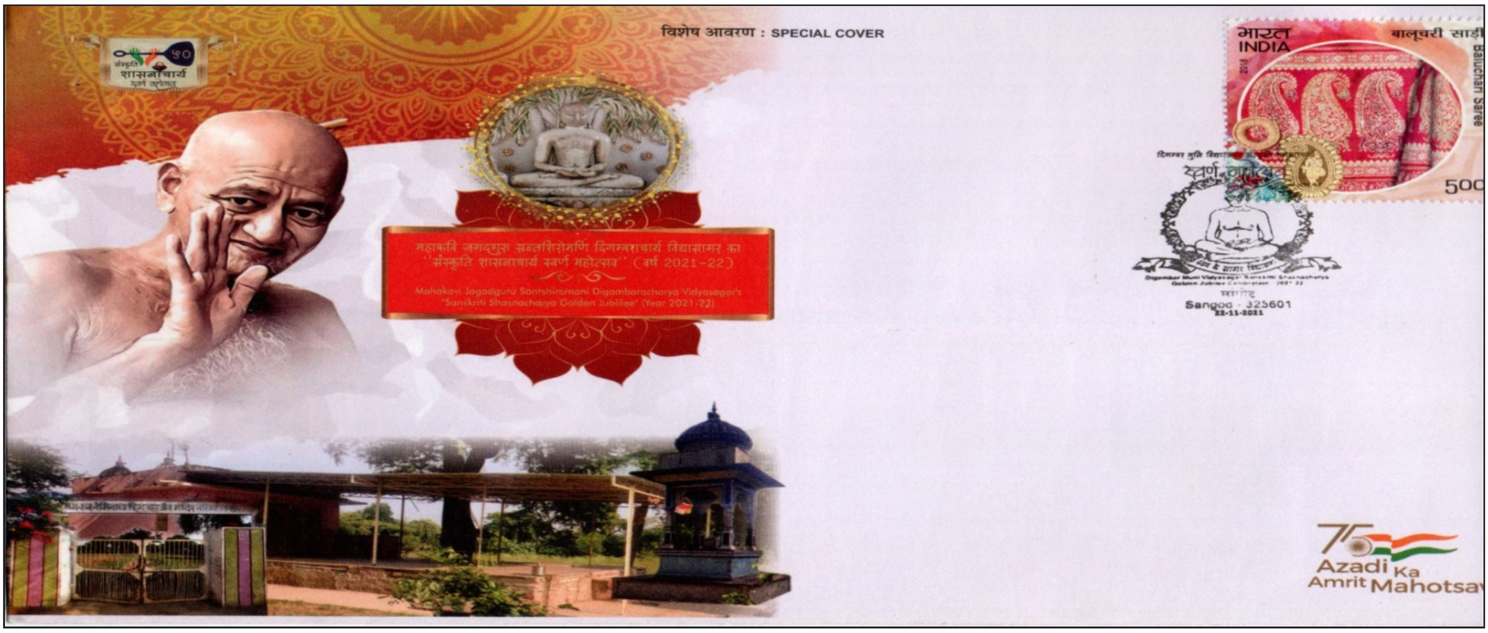

राजस्थान, झालरापाटन शहर (RAJASTHAN, JHALRAPATAN CITY) 326023 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

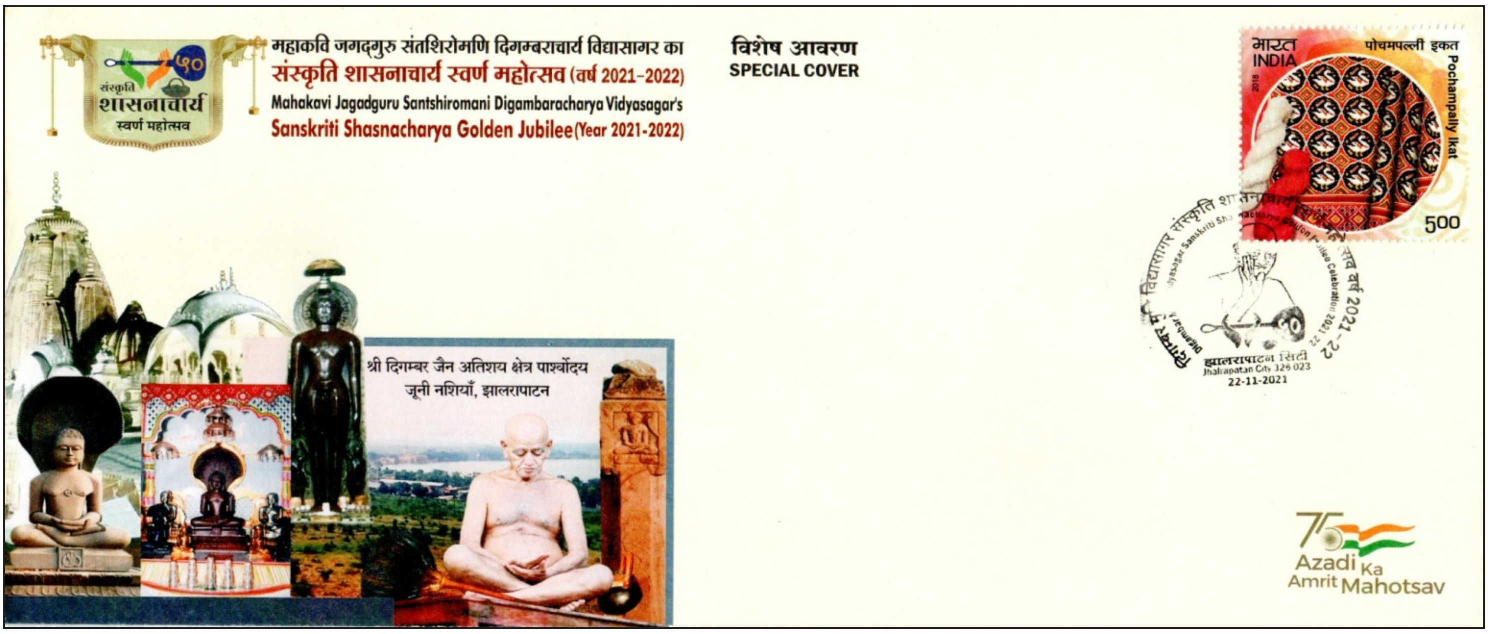

राजस्थान, खानपुर (RAJASTHAN, KHANPUR) 326038 — जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

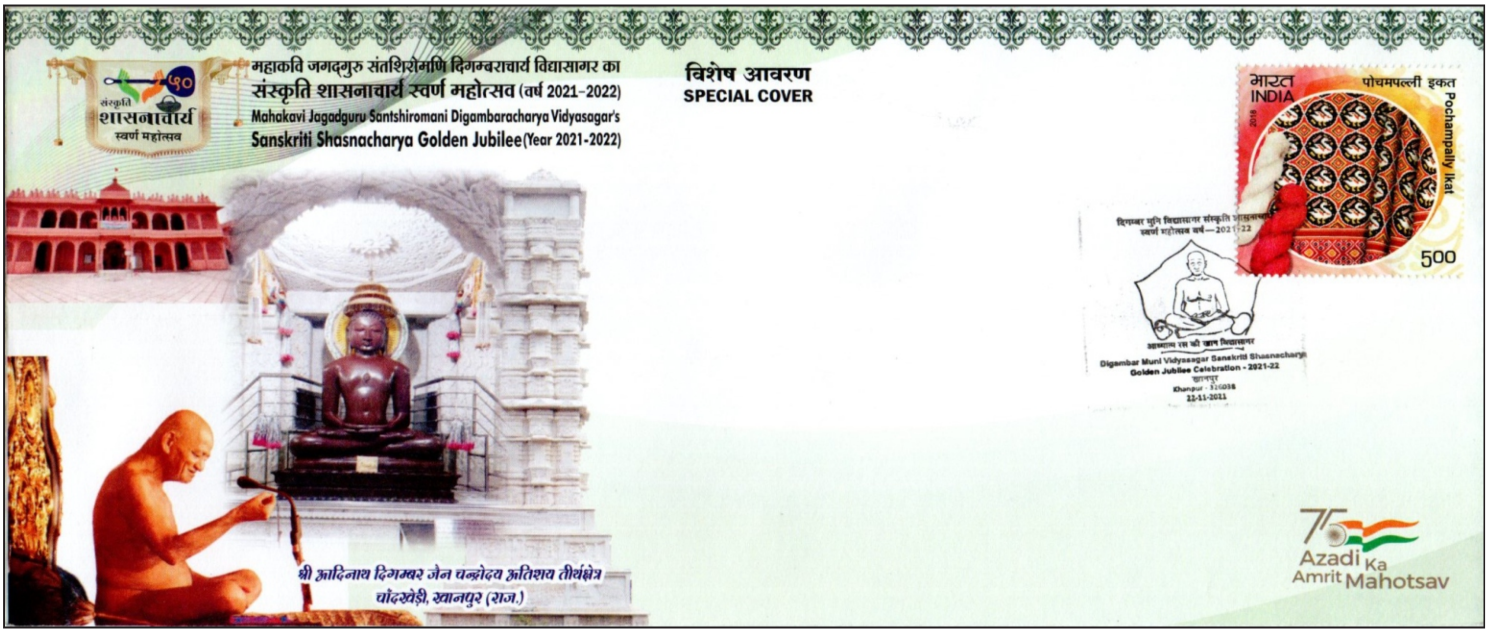

राजस्थान, रामगंजमंडी (RAJASTHAN, RAMGANJ MANDI) 326519 — जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

राजस्थान, बांसवाड़ा (RAJASTHAN, BANSWADA) 327001 — जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

राजस्थान, घाटोल (RAJASTHAN, GHATOL) 327023 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

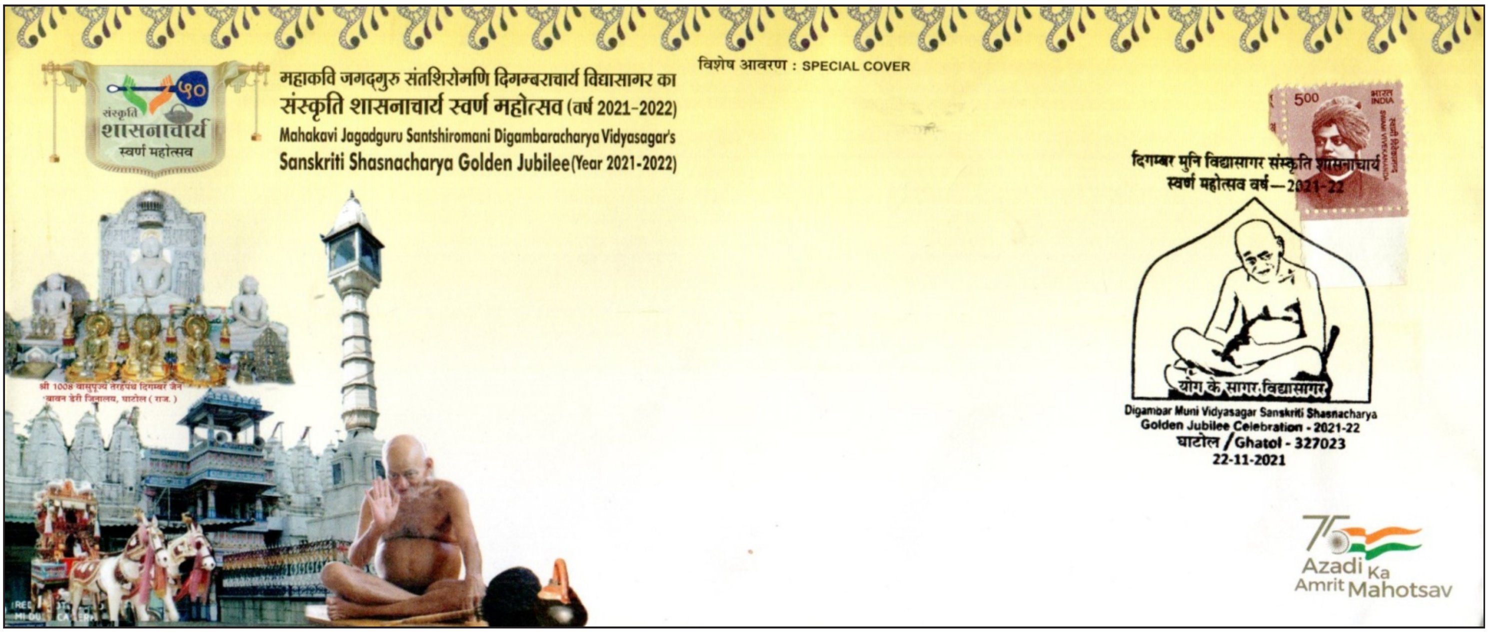

राजस्थान, तलवाड़ा (RAJASTHAN, TALWARA) 327025 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

राजस्थान, धौलपुर (RAJASTHAN, DHOLPUR) 328001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

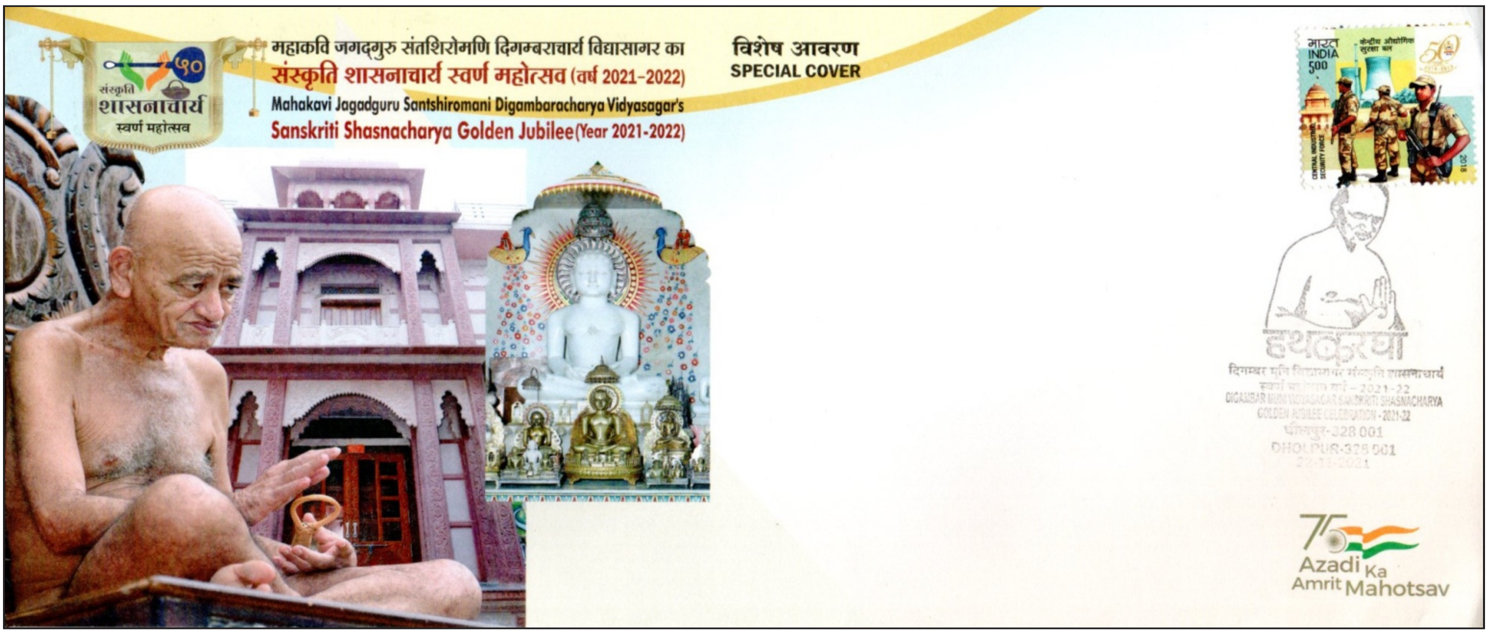

राजस्थान, चुरू (RAJASTHAN, CHURU) 331001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

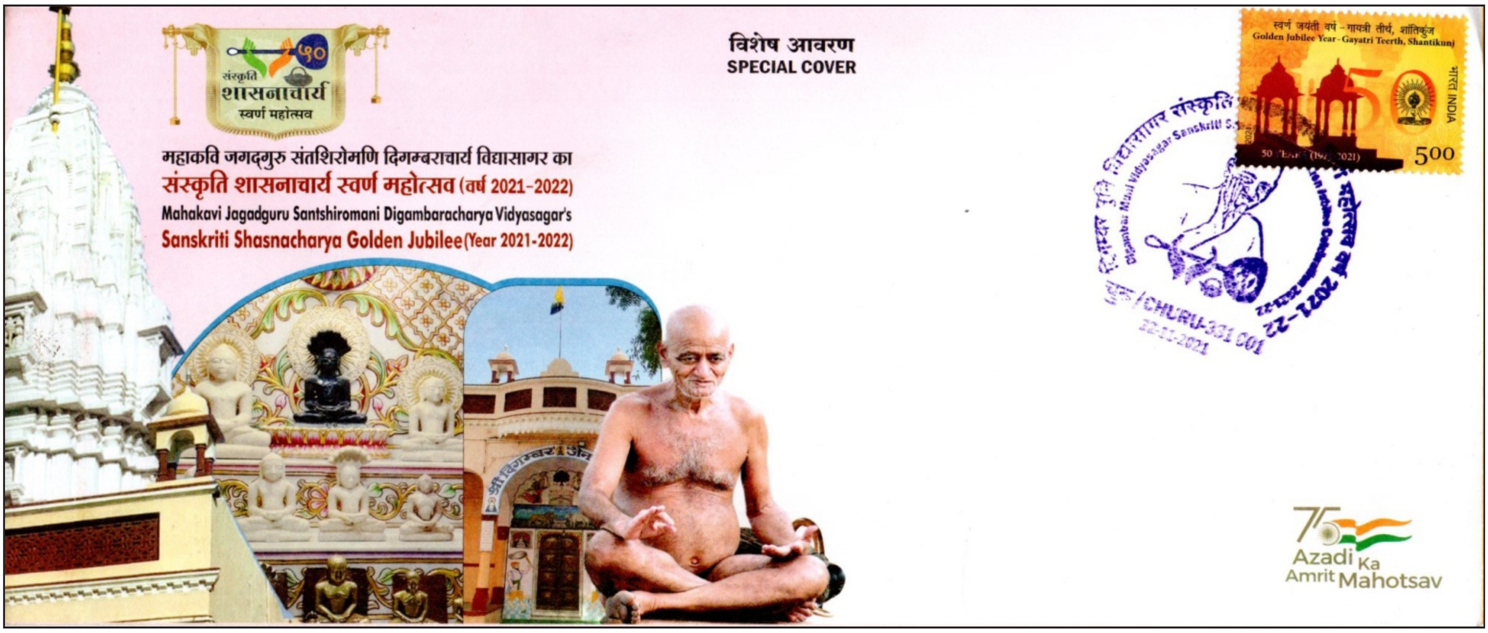

राजस्थान, सीकर (RAJASTHAN, SIKAR) 332001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

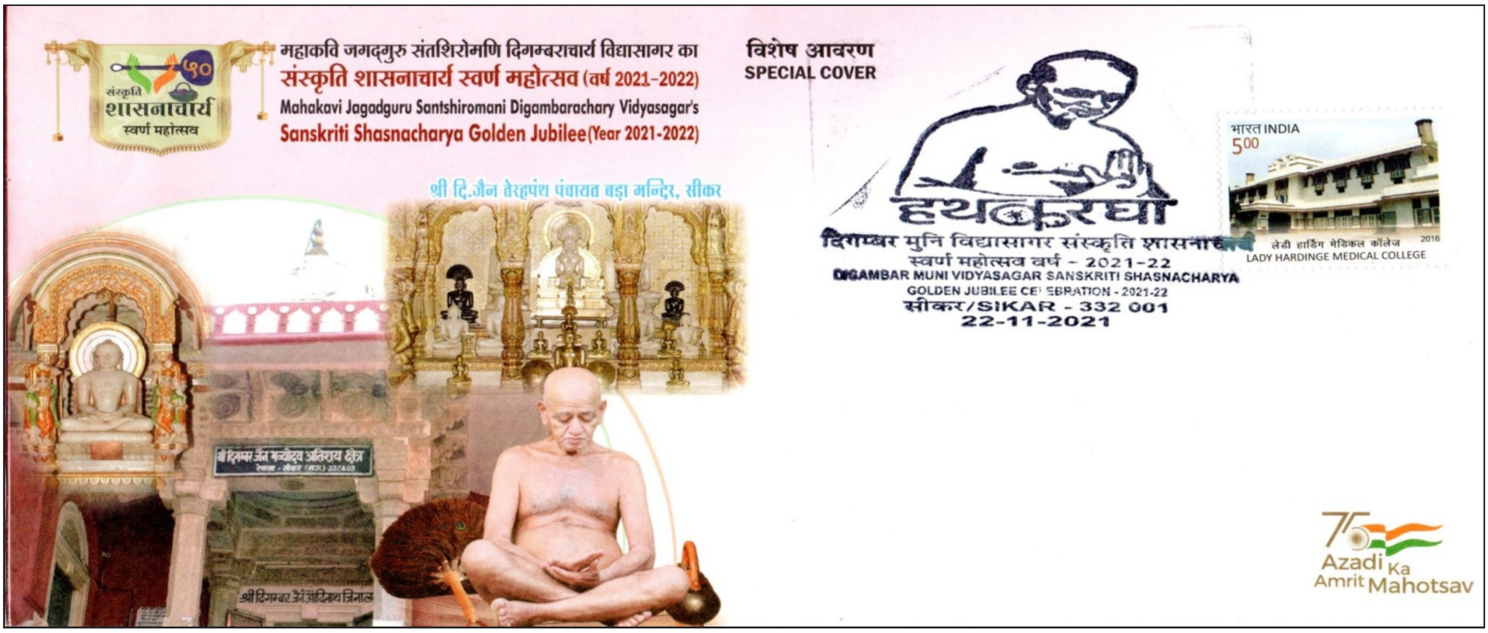

राजस्थान, बीकानेर (RAJASTHAN, BIKANER) 334001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

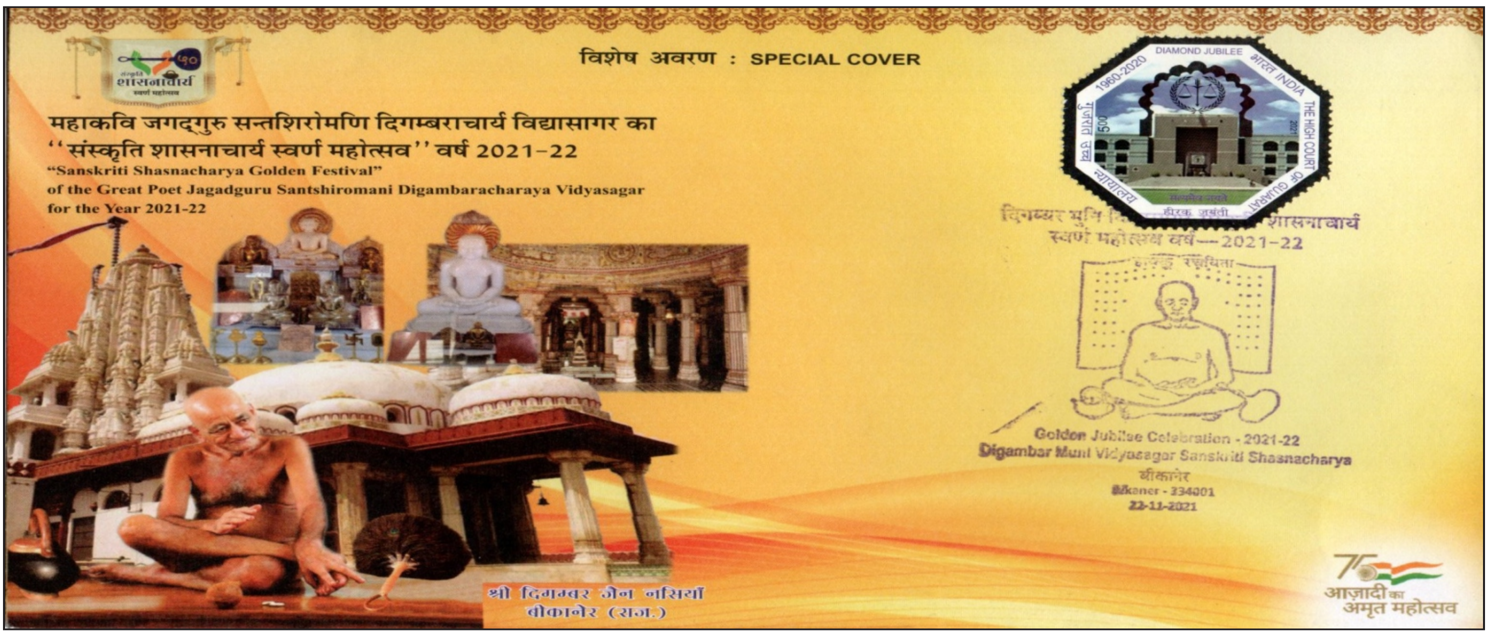

गुजरात, बारडोली एच.ओ. (GUJRAT, BARDOLI H.O.) 334501 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

राजस्थान, नागौर (RAJASTHAN, NAGOUR) 341001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

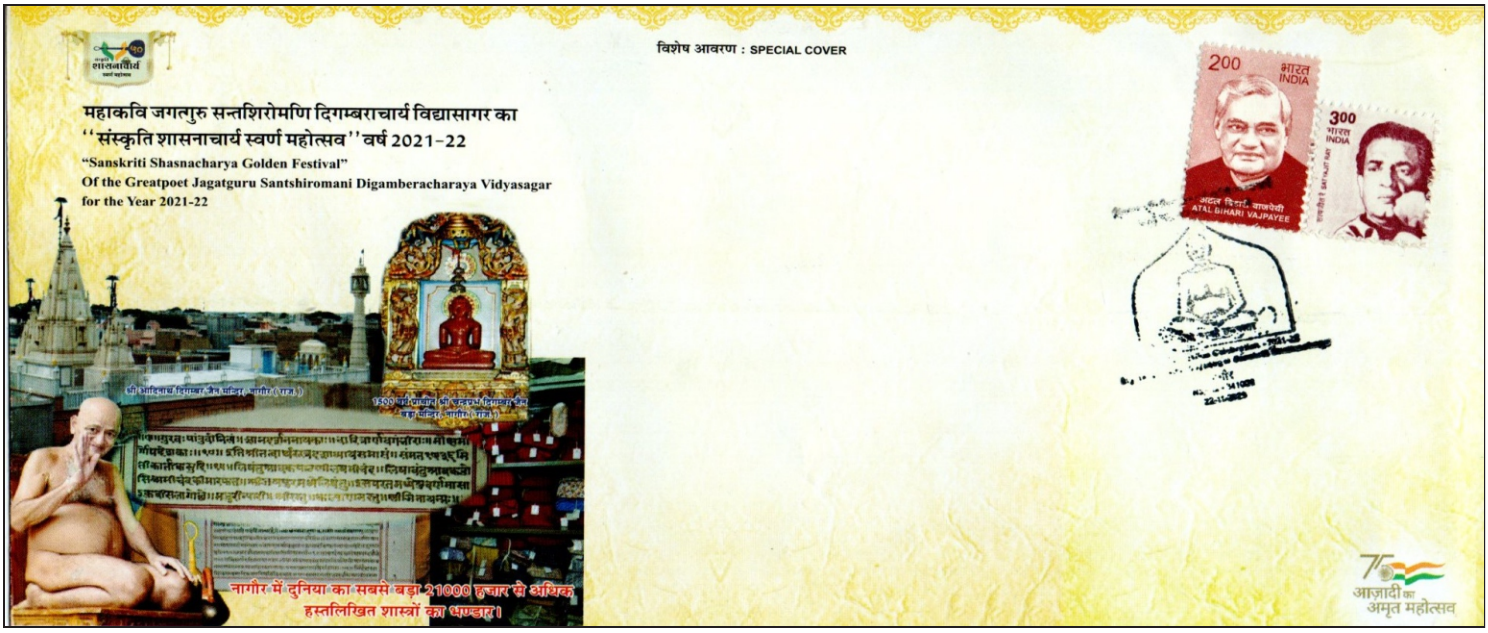

राजस्थान, जोधपुर (RAJASTHAN, JODHPUR) 342001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

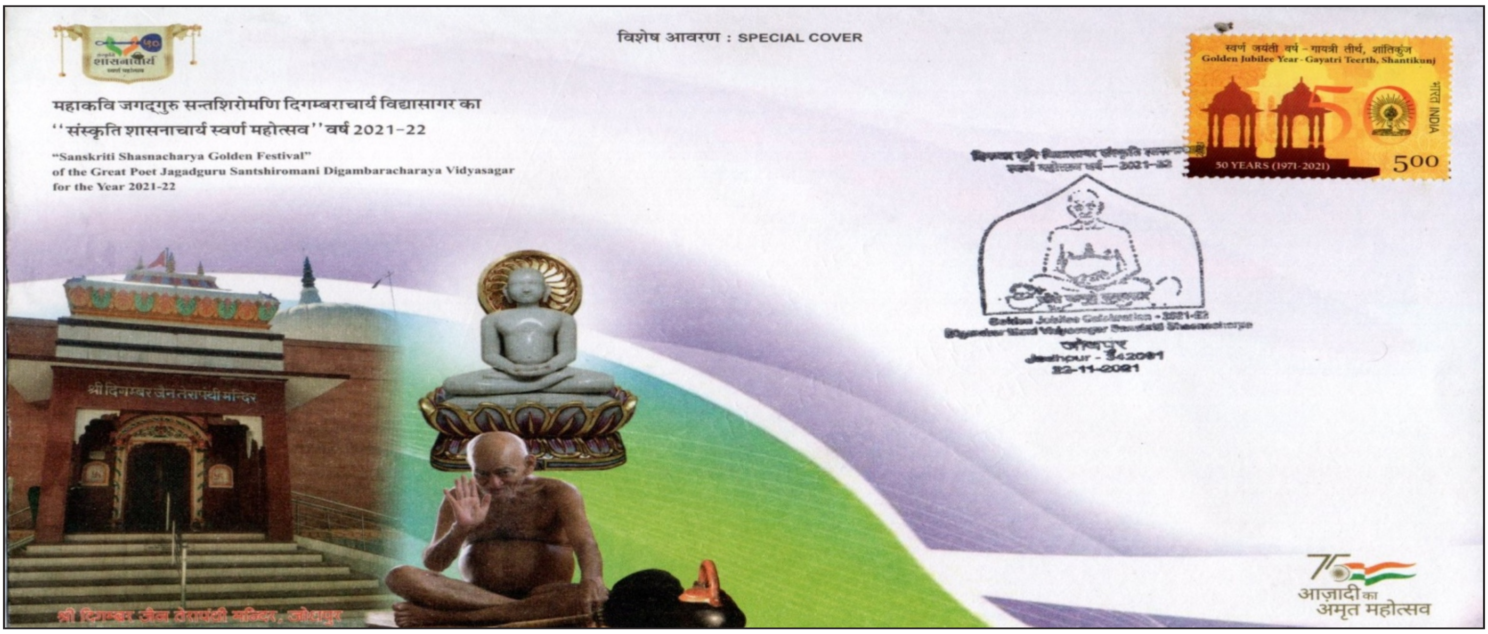

राजस्थान, बाड़मेर **(RAJASTHAN, BARMER) 344001** जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

गुजरात, राजकोट **(GUJRAT, RAJKOT) 360001** जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

गुजरात, अहमदाबाद **(GUJRAT, AHMEDABAD) 380013** जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

गुजरात, इडर (GUJRAT, IDAR) 383430 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

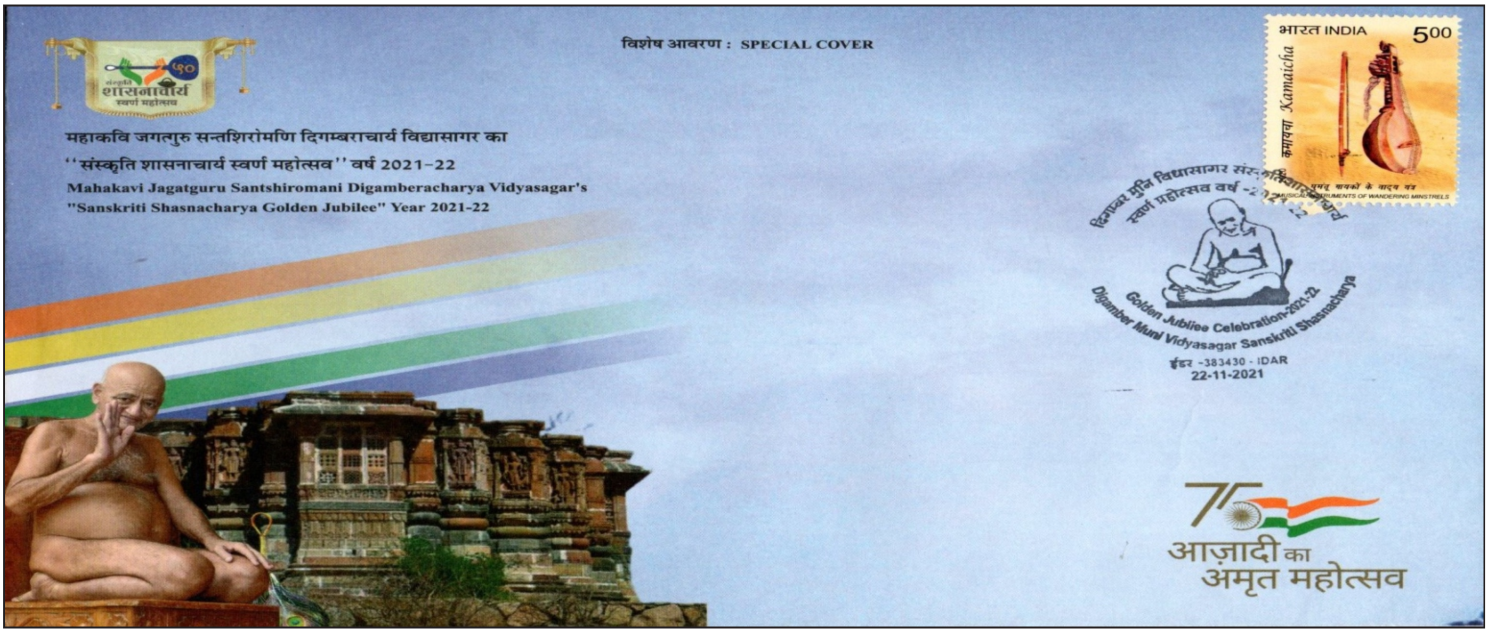

गुजरात, भरुंच (GUJRAT, BHARUNCH) 392001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

गुजरात, सूरत (GUJRAT, SURAT) 395001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

गुजरात, सूरत (GUJRAT, SURAT) 395001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

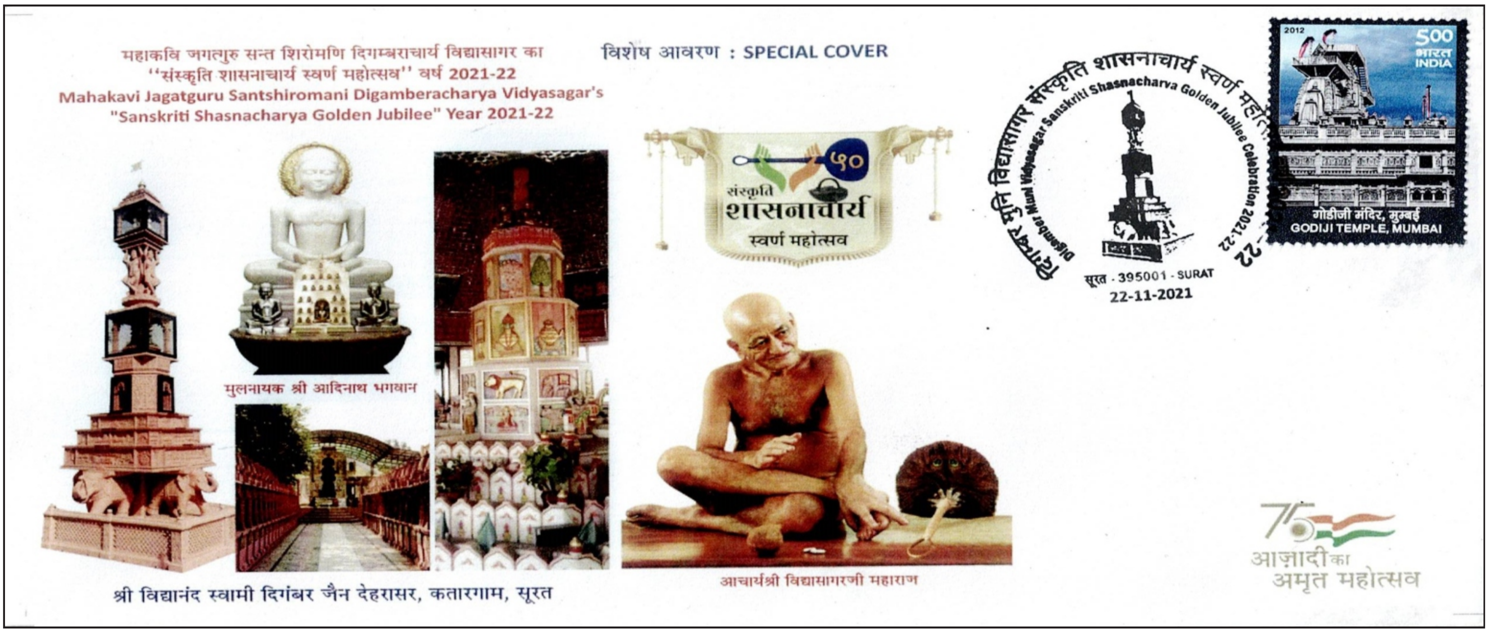

गुजरात, सूरत (GUJRAT, SURAT) 395001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

गुजरात, सूरत (GUJRAT, SURAT) 395001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

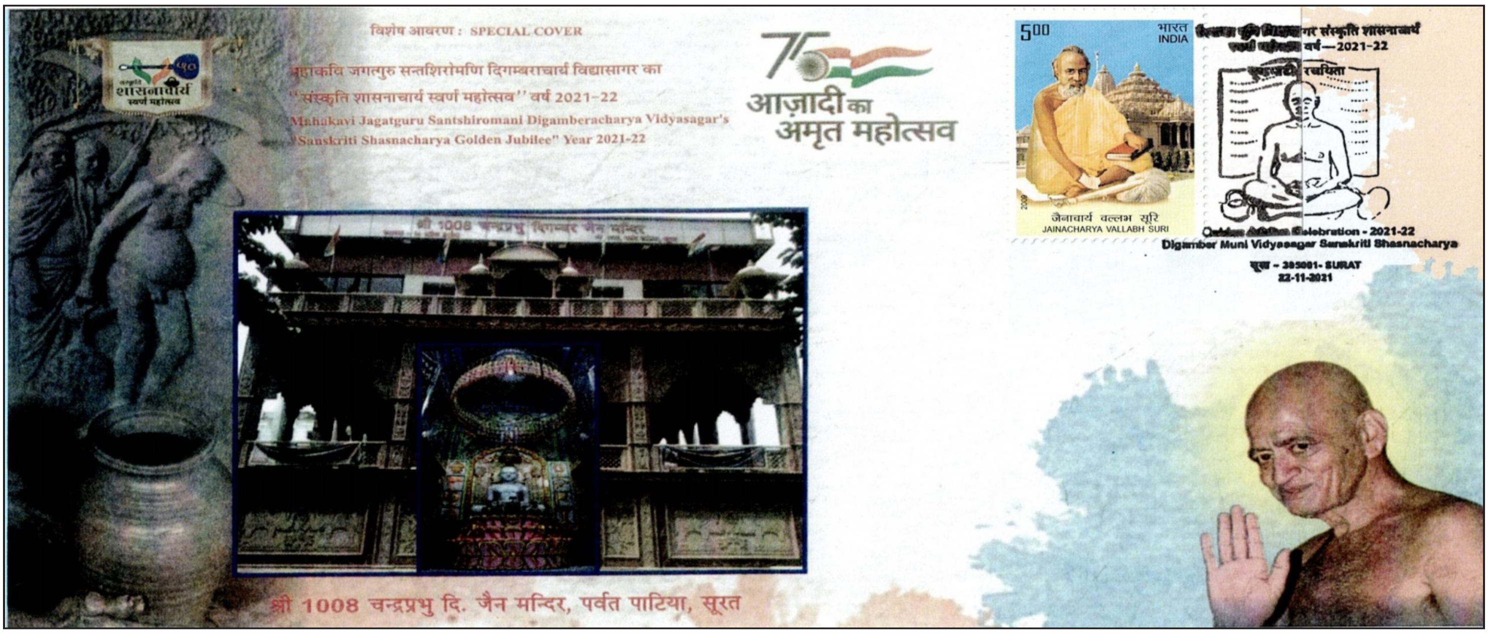

महाराष्ट्र, मुंबई (MAHARASHTRA, MUMBAI) 400001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

महाराष्ट्र, पुणे (MAHARASHTRA, PUNE) 411001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

महाराष्ट्र, कोल्हापुर (MAHARASHTRA, KOLHAPUR) 416003 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

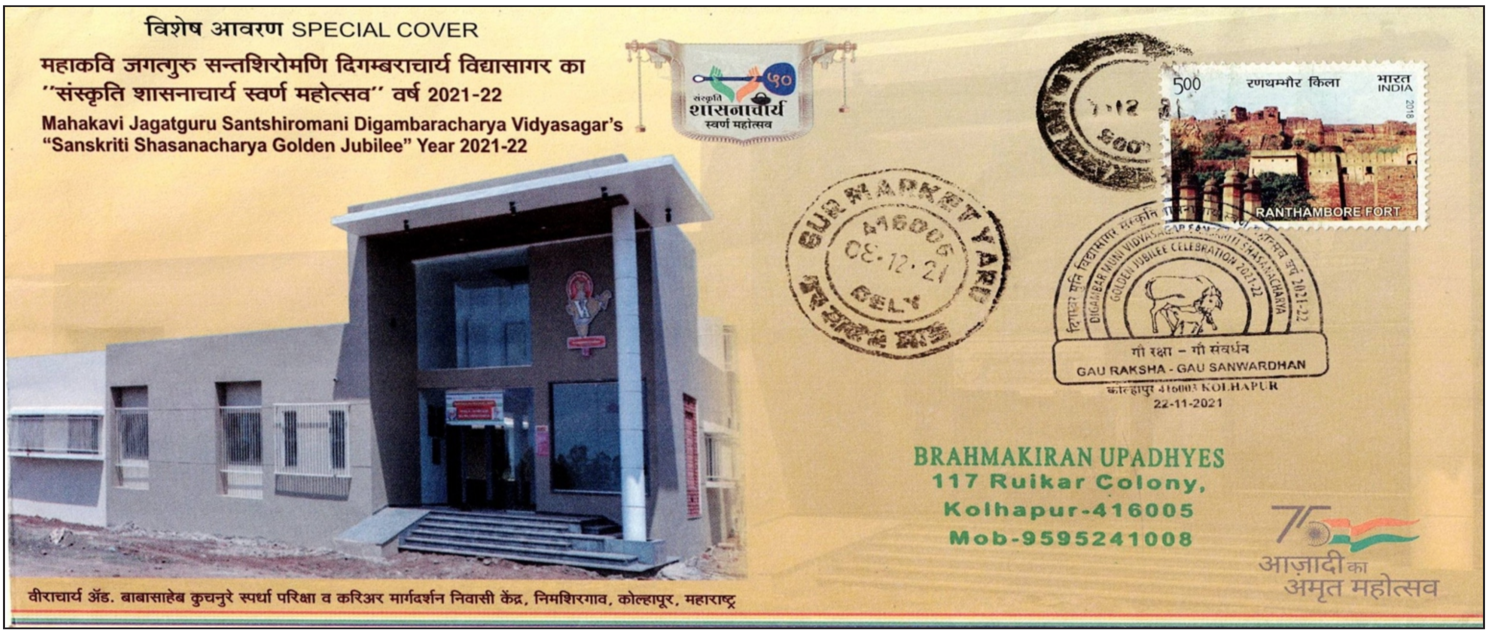

महाराष्ट्र, कोल्हापुर (MAHARASHTRA, KOLHAPUR) 416003 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

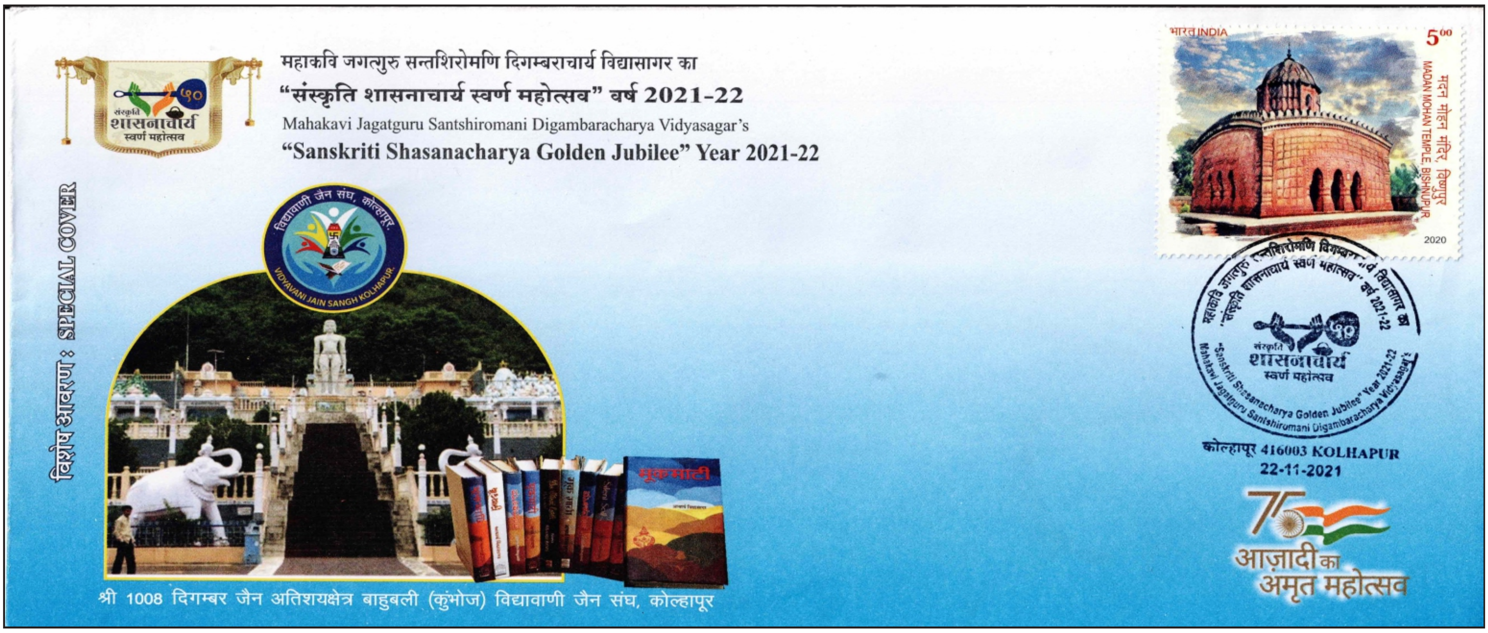

महाराष्ट्र, कोल्हापुर (MAHARASHTRA, KOLHAPUR) 416003 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

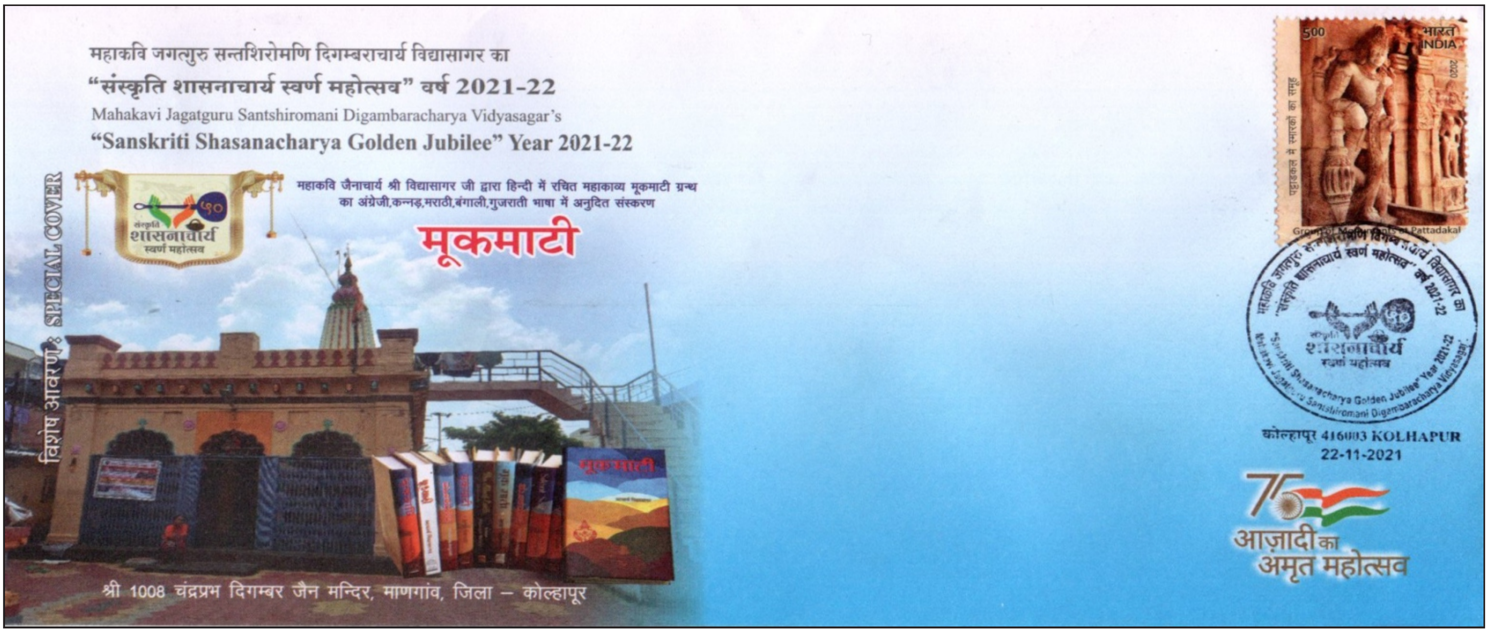

महाराष्ट्र, जयसिंहपुर (MAHARASHTRA, JAYSINGPUR) 416101 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

महाराष्ट्र, सांगली (MAHARASHTRA, SANGLI) 416416 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

महाराष्ट्र, सांगली (MAHARASHTRA, SANGLI) 416416 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

महाराष्ट्र, सांगली (MAHARASHTRA, SANGLI) 416416 **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

महाराष्ट्र, सांगली (MAHARASHTRA, SANGLI) 416416 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

महाराष्ट्र, सांगली (MAHARASHTRA, SANGLI) 416416 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

महाराष्ट्र, नासिक (MAHARASHTRA, NASHIK) 422001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

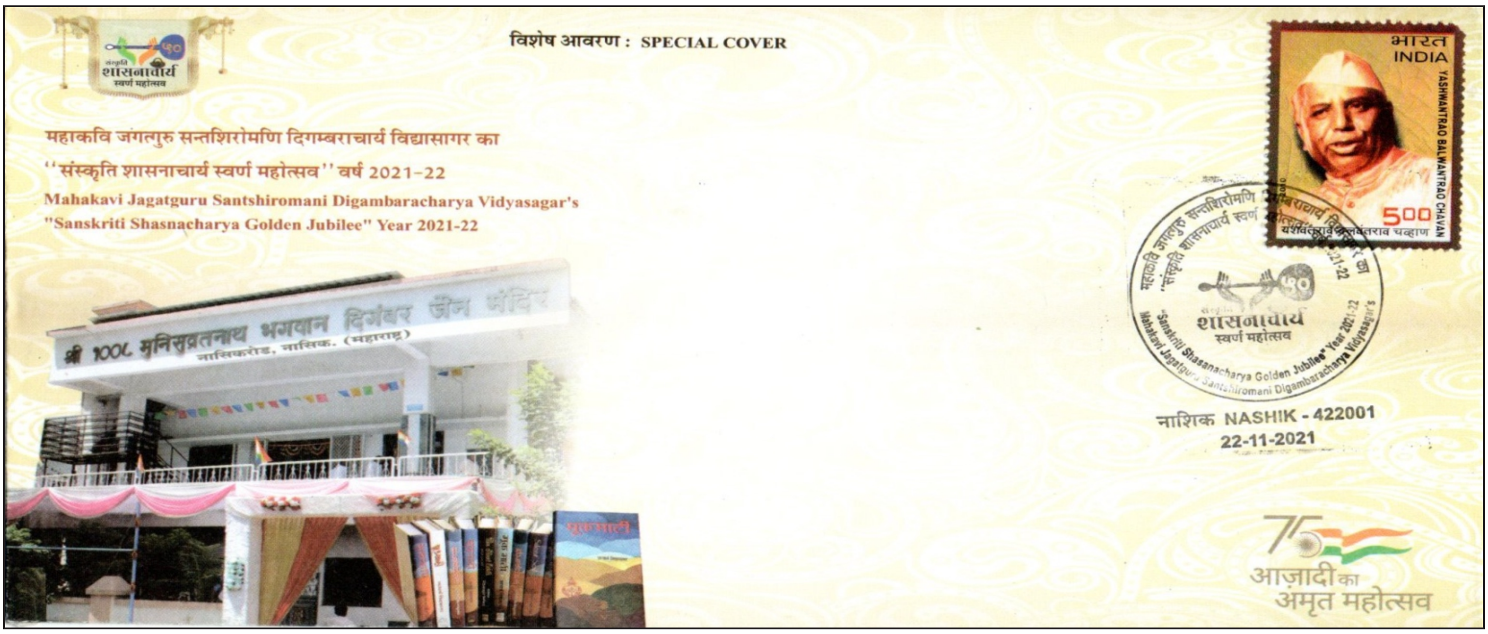

महाराष्ट्र, औरंगाबाद (MAHARASHTRA, AOURANGABAD) 431001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

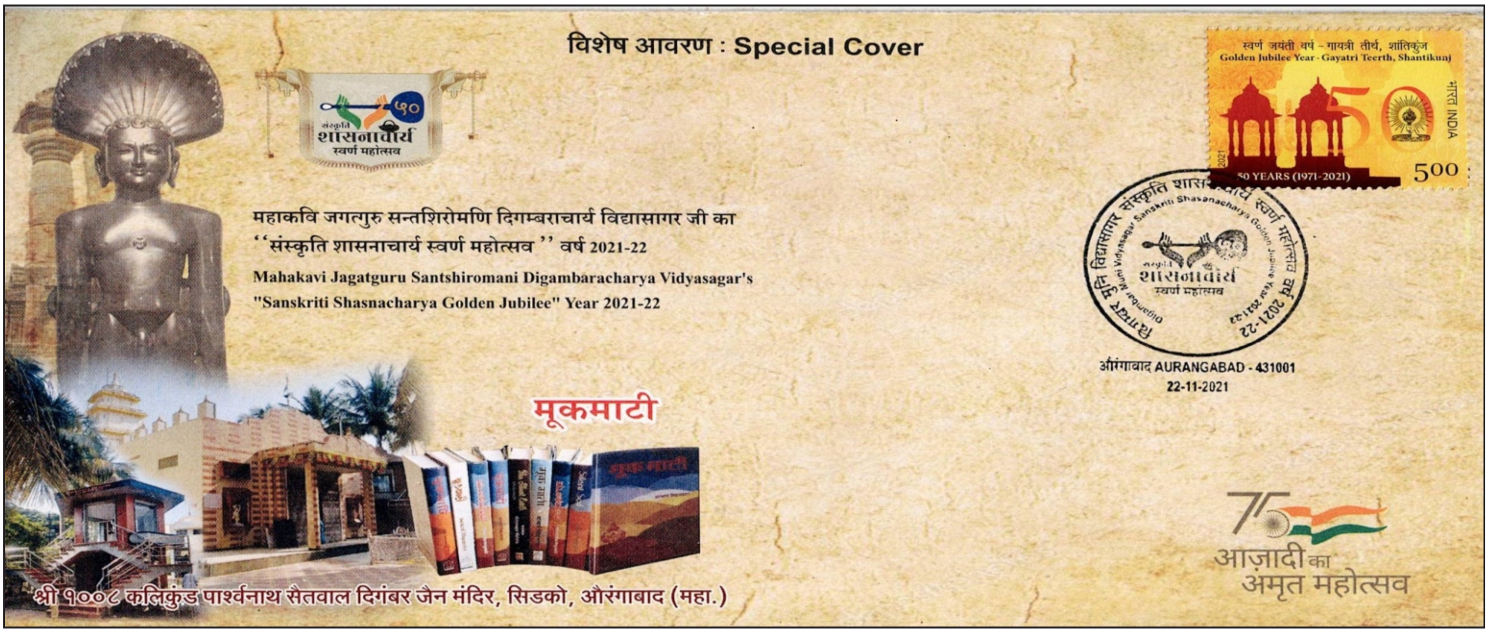

महाराष्ट्र, जालना (MAHARASHTRA, JALNA) 431203 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

महाराष्ट्र, अकोला (MAHARASHTRA, AKOLA) 444001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

महाराष्ट्र, करंजा (MAHARASHTRA, KARANJA) 444105 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

मध्य प्रदेश, इंदौर (MADHYA PRADESH, INDORE) 452001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

मध्य प्रदेश, मन्दसौर (MADHYA PRADESH, MANDSAUR) 458001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

मध्य प्रदेश, होशंगाबाद **(MADHYA PRADESH, HOSHANGABAD) 461001** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

मध्य प्रदेश, भोपाल **(MADHYA PRADESH, BHOPAL) 462001** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

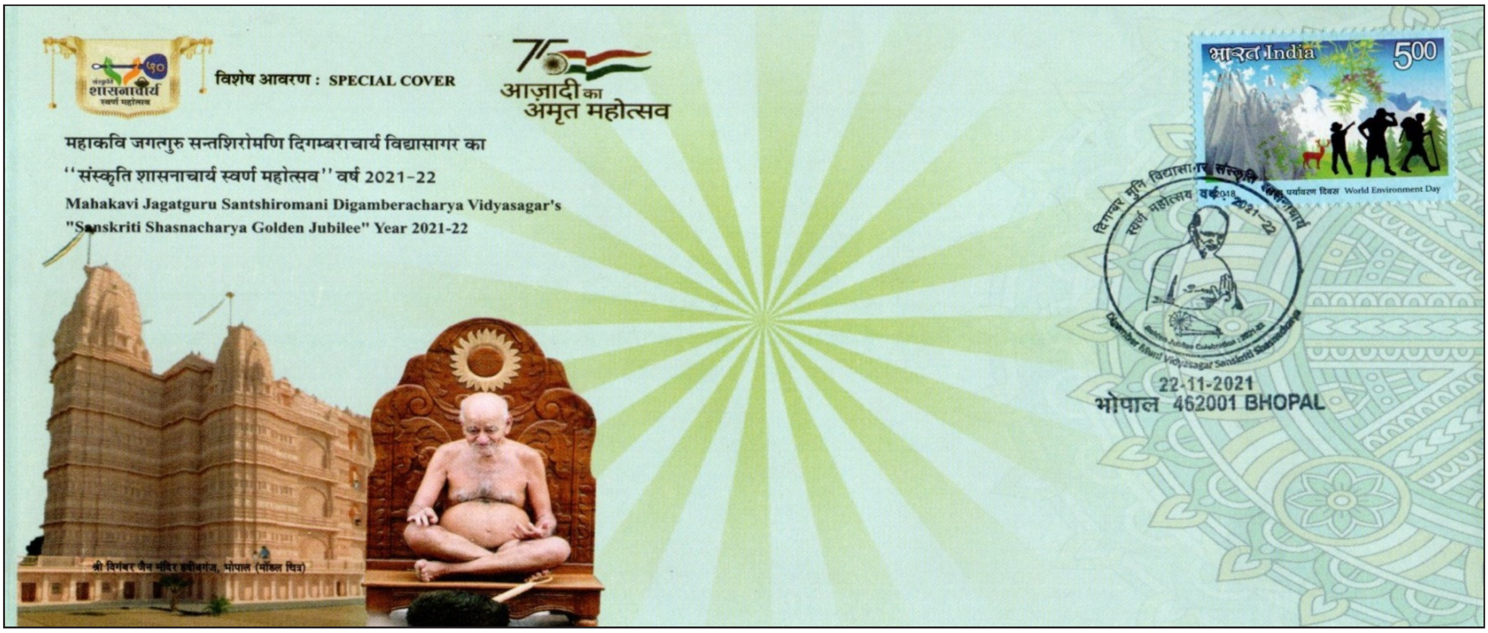

मध्य प्रदेश, विदिशा **(MADHYA PRADESH, VIDISHA) 464001** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

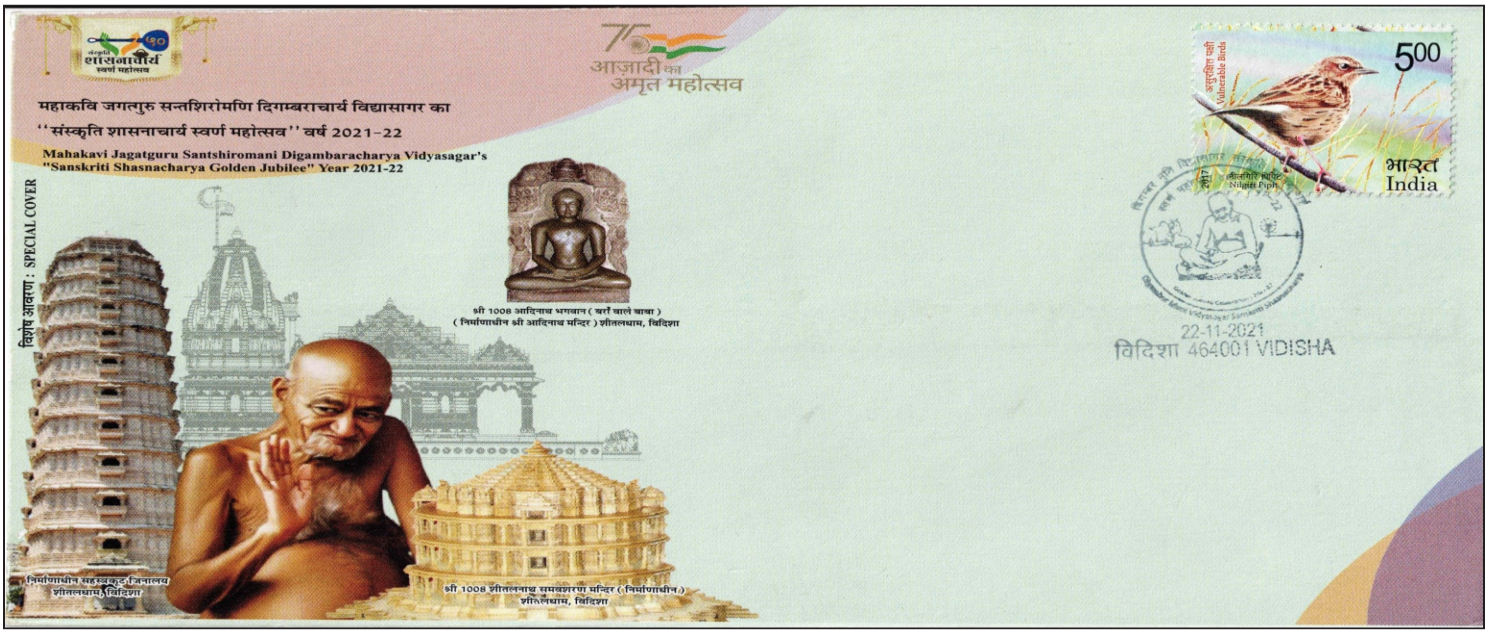

मध्य प्रदेश, सागर (MADHYA PRADESH, SAGAR) 470002 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

मध्य प्रदेश, टीकमगढ़ (MADHYA PRADESH, TIKAMGARH) 472001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

मध्य प्रदेश, अशोकनगर (MADHYA PRADESH, ASHOKNAGAR) 473331 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

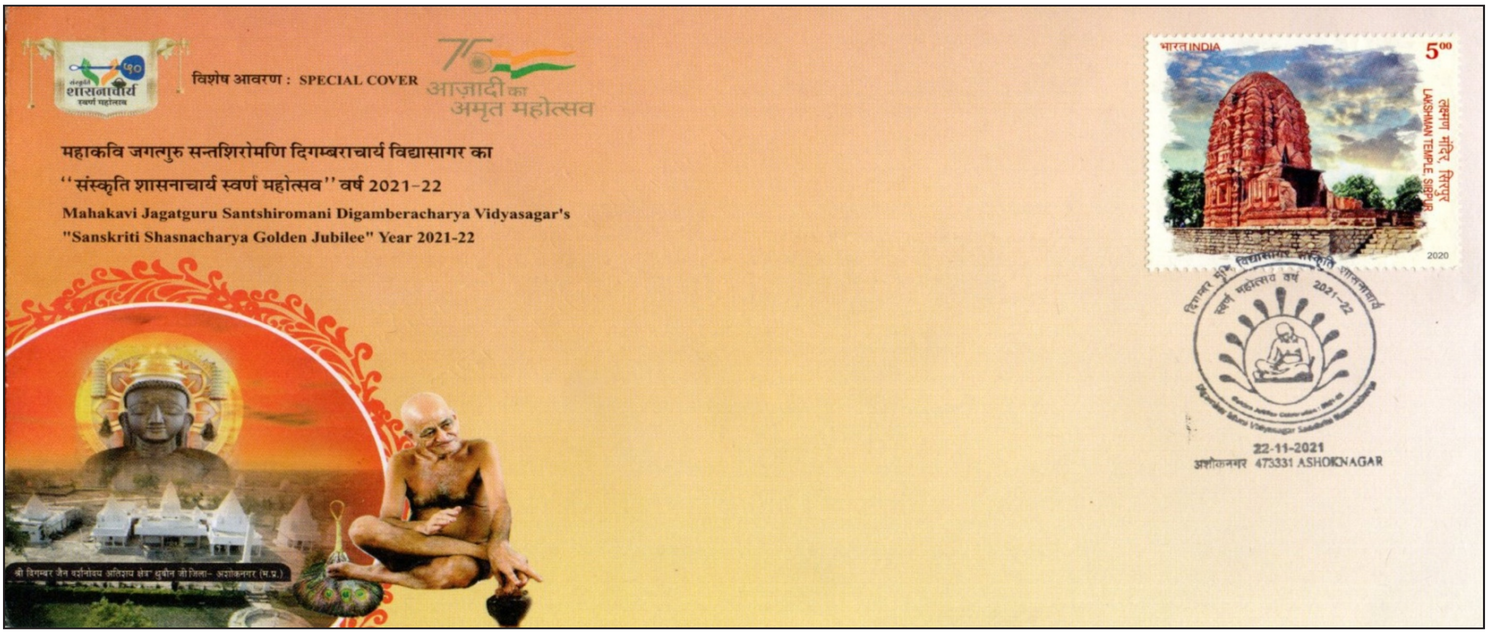

मध्य प्रदेश, सिवनी (MADHYA PRADESH, SEONI) 480661 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

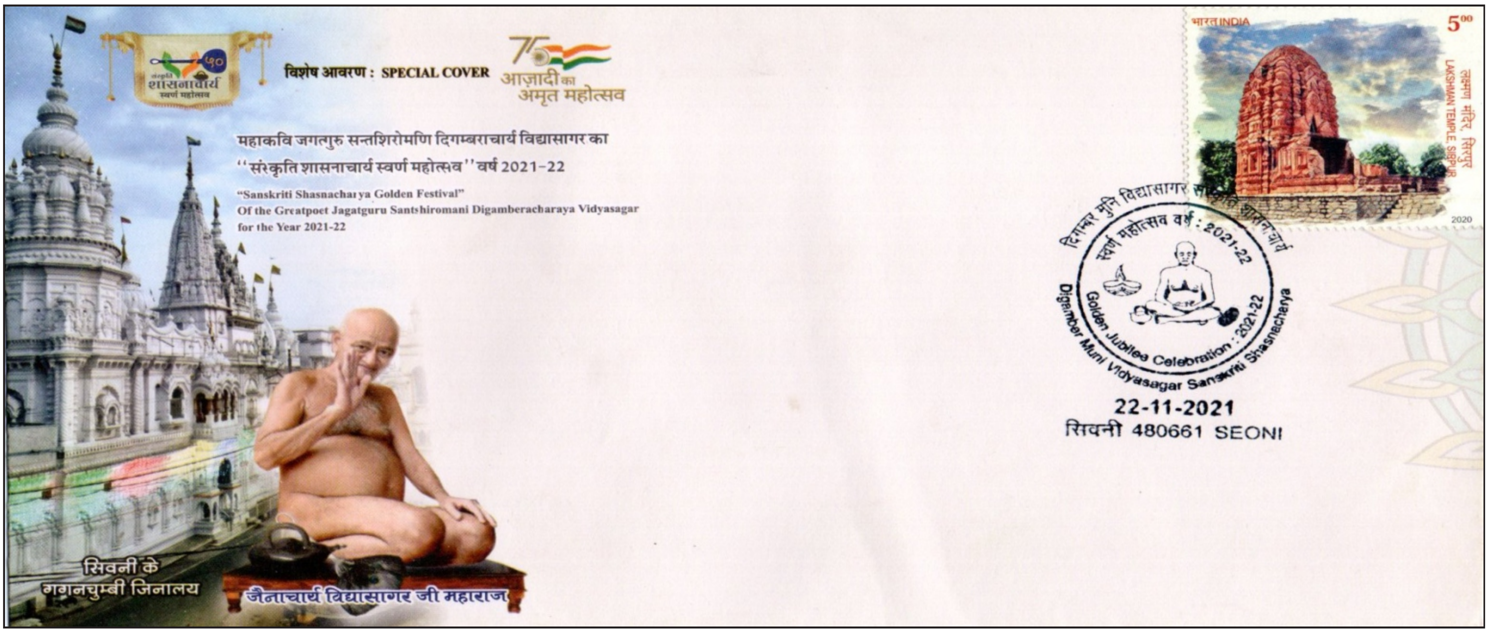

मध्य प्रदेश, मंडला (MADHYA PRADESH, MANDLA) 481661 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

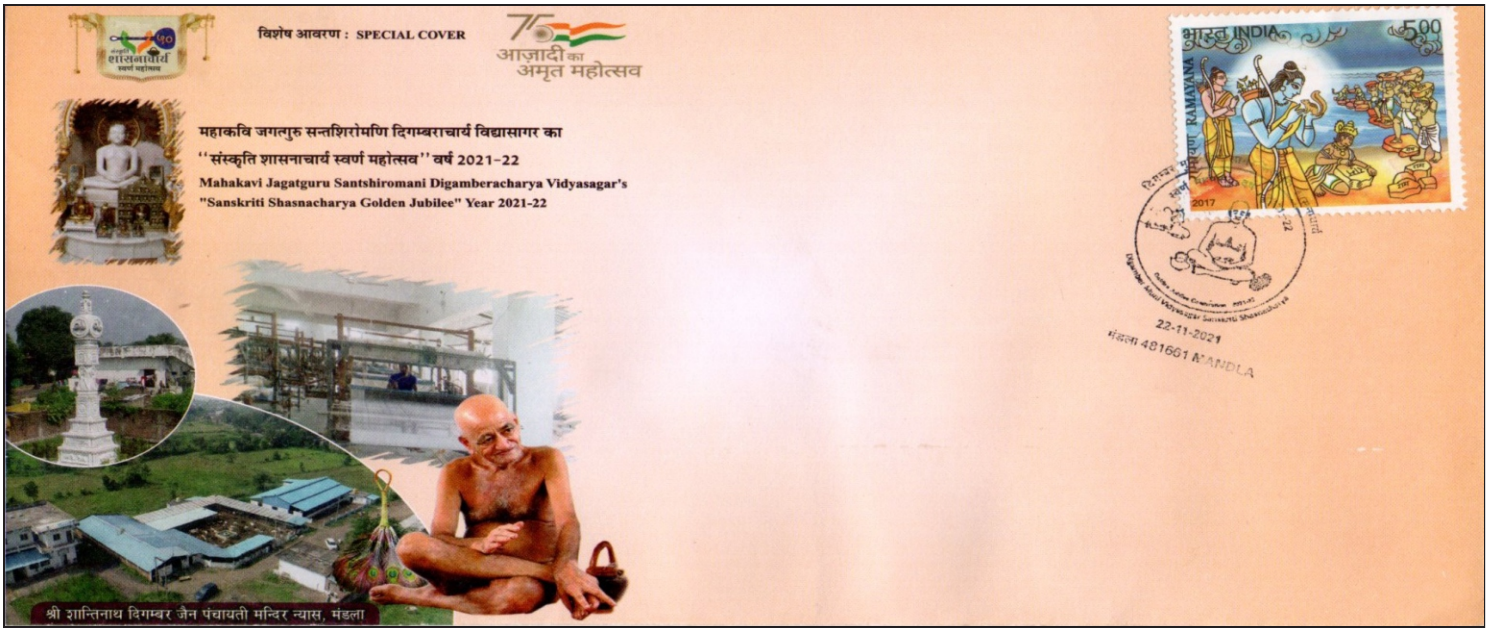

मध्य प्रदेश, कटनी (MADHYA PRADESH, KATNI) 483501 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

मध्य प्रदेश, सतना (MADHYA PRADESH, SATNA) 485001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

छत्तीसगढ, रायपुर (CHHATTISGARH, RAIPUR) 492001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

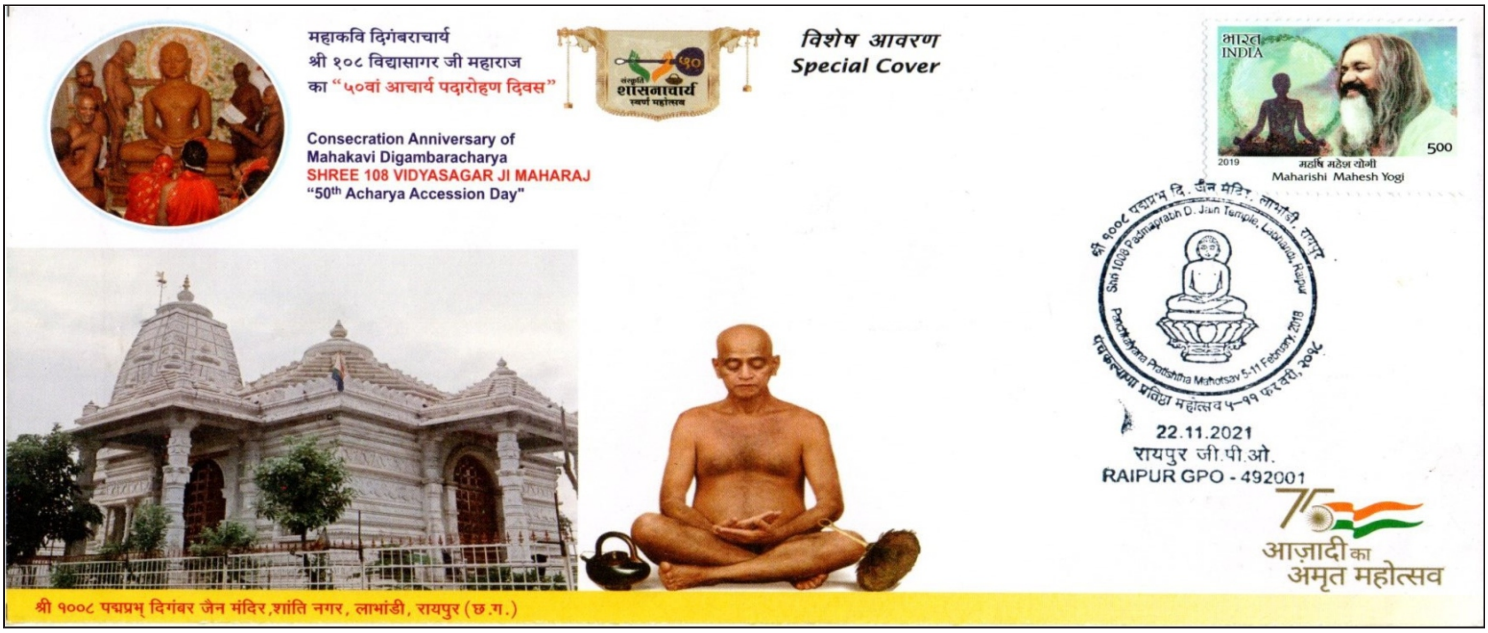

छत्तीसगढ, नारायणपुर (CHHATTISGARH, NARAYANPUR) 494661 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

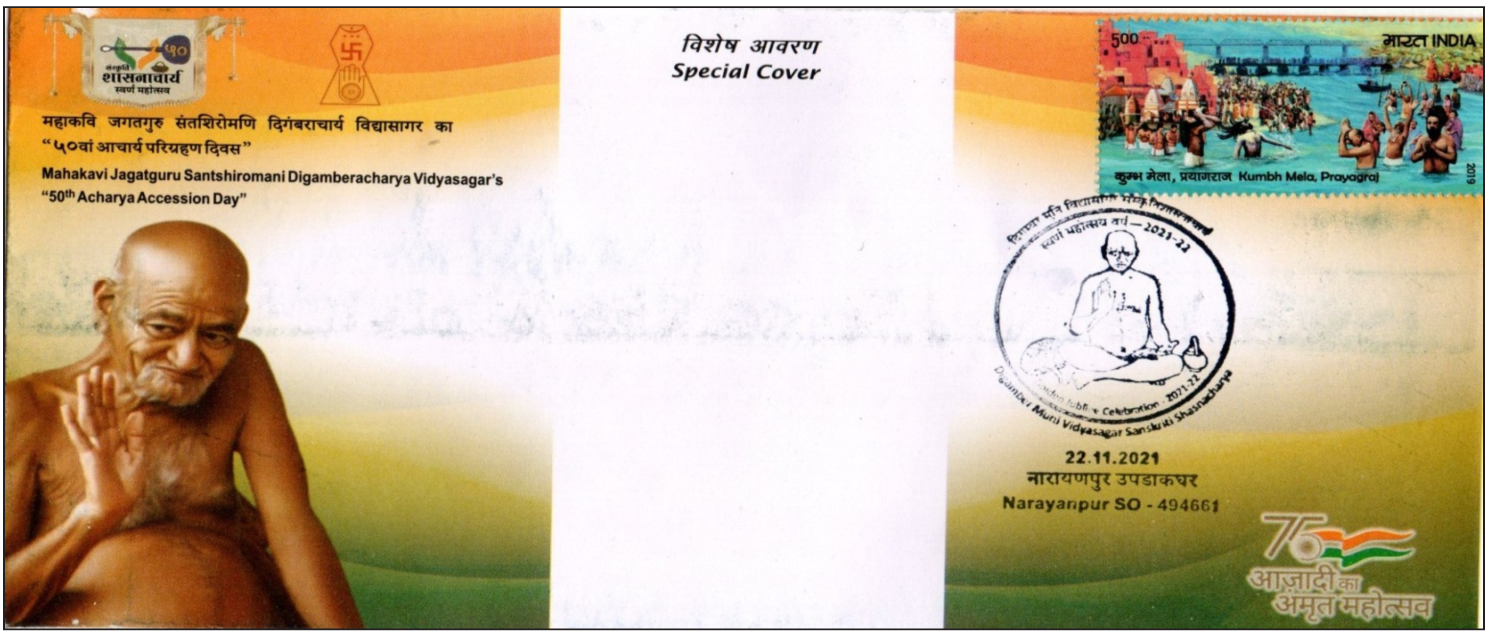

छत्तीसगढ, कोरबा (CHHATTISGARH, KORBA) 495667 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

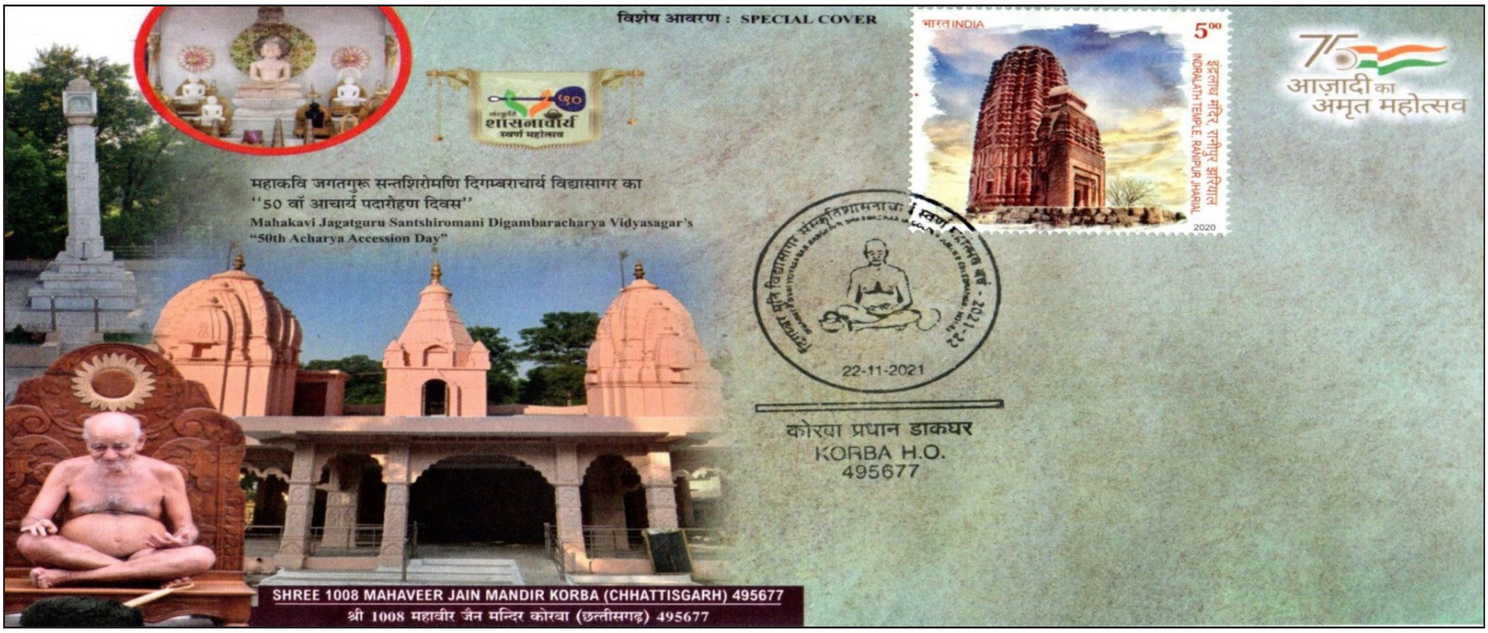

कर्नाटक, बेंगलुरु (KARNATAKA, BENGALURU) 560001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

कर्नाटक, सदलगा (KARNATAKA, SADLAGA) 591239 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021

पश्चिम बंगाल, कोलकाता **(WEST BENGAL, KOLKATA) 700001** जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

ओडिशा, खंडगिरि **(ODISHA, KHANDAGIRI) 751030** जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

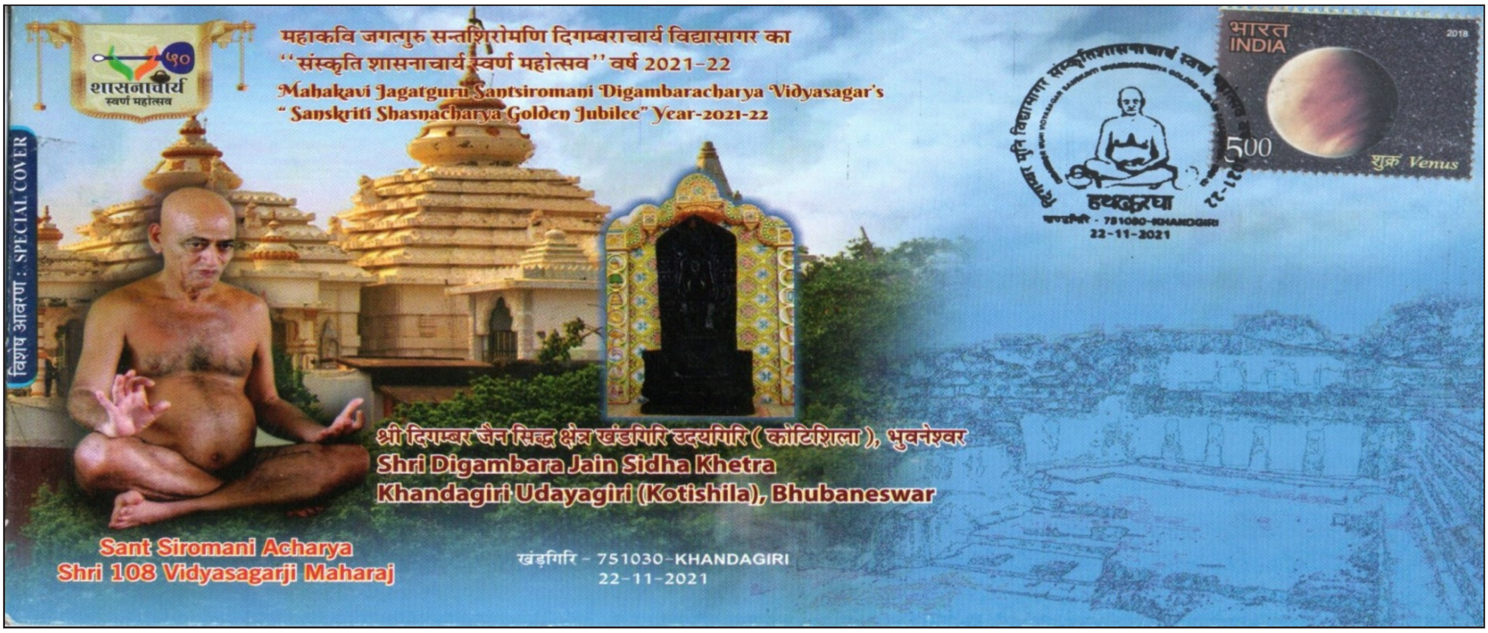

असम, गुवाहाटी **(ASSAM, GUWAHATI) 781001** जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2021**

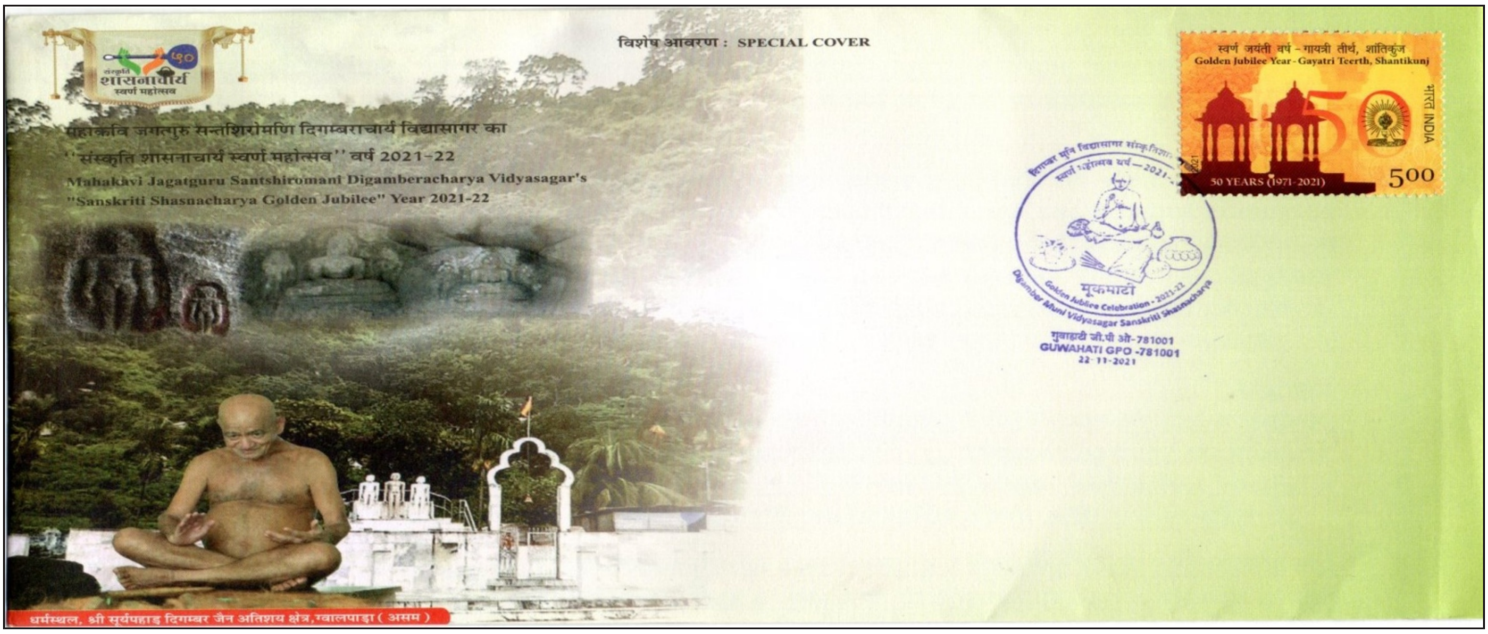

झारखंड, हज़ारीबाग (JHARKHAND, HAZARIBAG) 825301 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

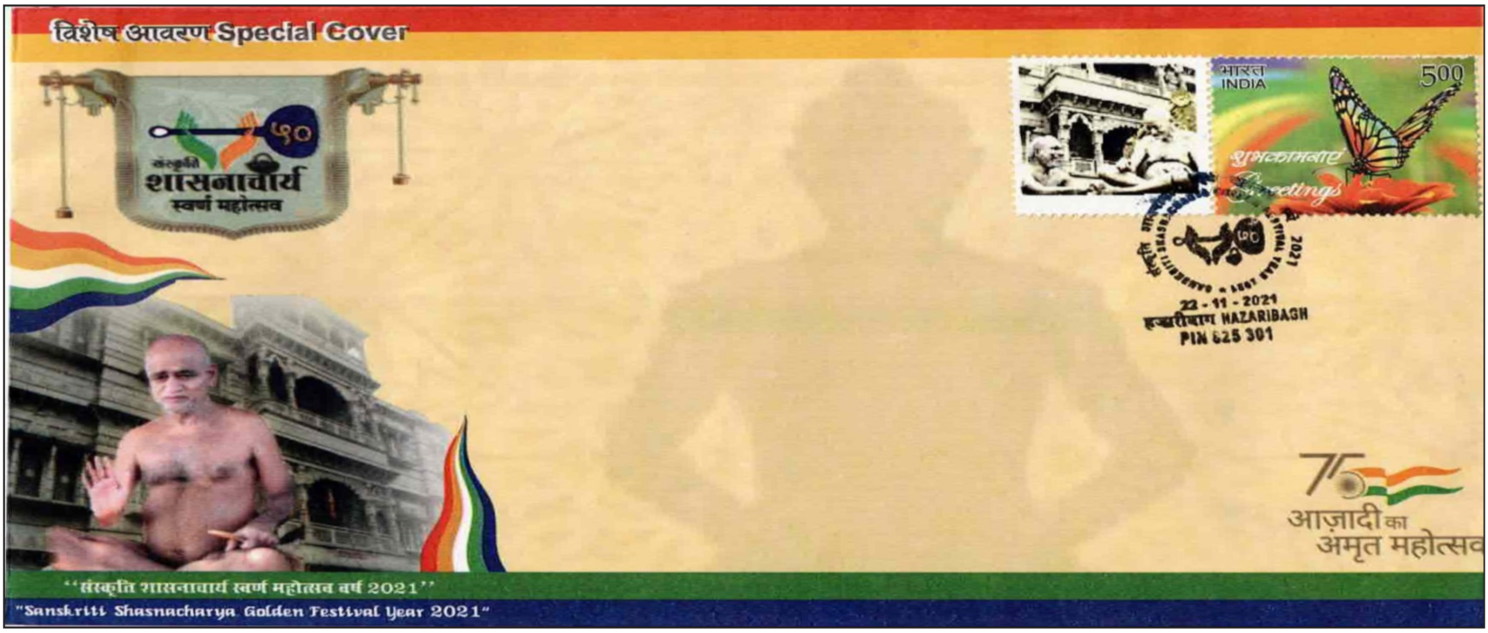

झारखंड, शिखरजी (JHARKHAND, SHIKHARJI) 825329 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

झारखंड, रांची (JHARKHAND, RANCHI) 834001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2021**

जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज

SPECIAL COVERS ISSUED ON

पर जारी विशेष आवरण

JAINACHARYA VIDYASAGAR JI MAHARAJ

संस्कृति भाासनाचार्य स्वर्ण महोत्सव (2021-2022) तिथि के अनुसार 22.11.2021 के बाद के विशेष आवरण

SANSKRITI SASNACHARYA SWARN MAHOTSAV (2021-2022) SPECIAL COVERS DATE WISE OTHER THAN : 22.11.2021

आंध्र प्रदेश, हैदराबाद जी.पी.ओ. (ANDHRA PRADESH, HYDERABAD G.P.O.) 500001 जारी दिनांक (ISSUED) : 23.11.2021

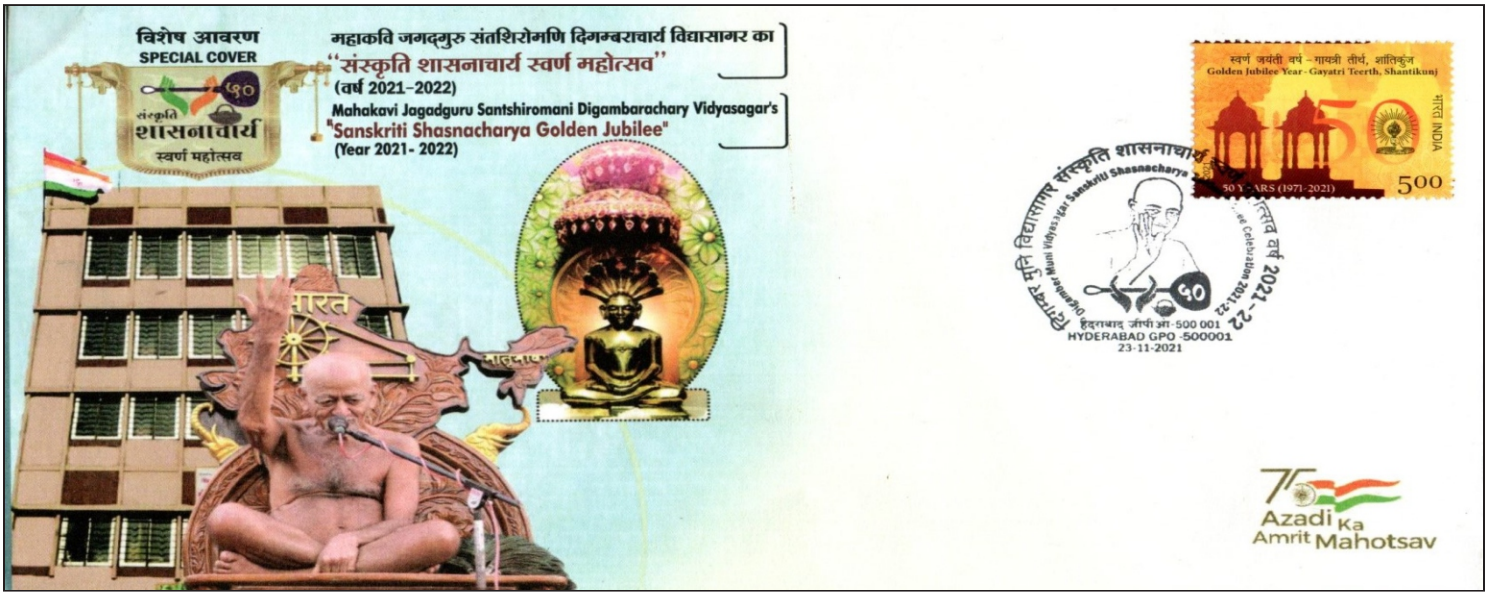

छत्तीसगढ़, बिलासपुर (CHHATTISGARH, BILASPUR) 495001 जारी दिनांक (ISSUED) : 27.11.2021

राजस्थान, जयपुर (RAJASTHAN, JAIPUR) 302020 जारी दिनांक (ISSUED) : 06.12.2021

महाराष्ट्र, नंदुरबार (MAHARASHTRA, NANDURBAR) 424412 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.12.2021**

राजस्थान, बागीदौरा (RAJASTHAN, BAGIDORA) 327601 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.12.2021**

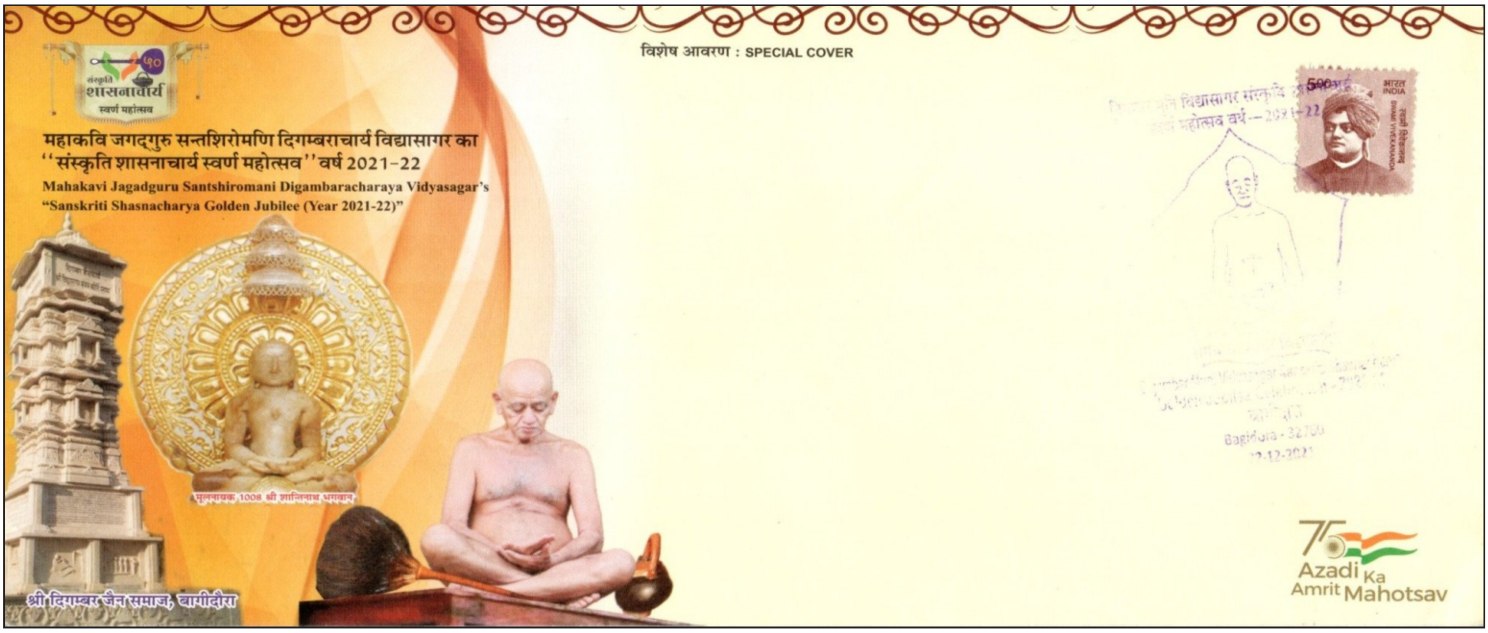

महाराष्ट्र, सोलापुर (MAHARASHTRA, SOLAPUR) 413001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.12.2021**

हरियाणा, रोहतक (HARYANA, ROHTAK) 124001 **जारी दिनांक (ISSUED) : 01.01.2022**

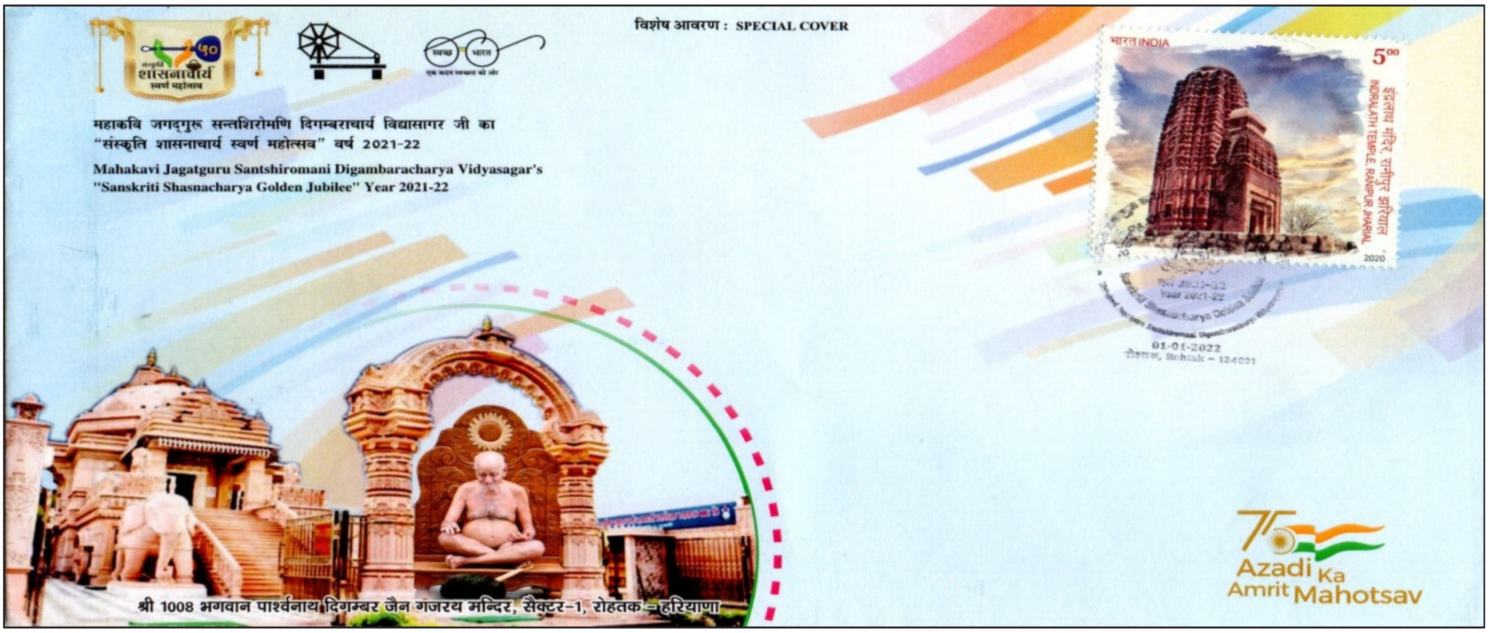

राजस्थान, तिजारा (RAJASTHAN, TIJARA) 301411 **जारी दिनांक (ISSUED) : 24.12.2021**

महाराष्ट्र, पणजी (MAHARASHTRA, PANAJI) 403001 **जारी दिनांक (ISSUED) : 18.01.2022**

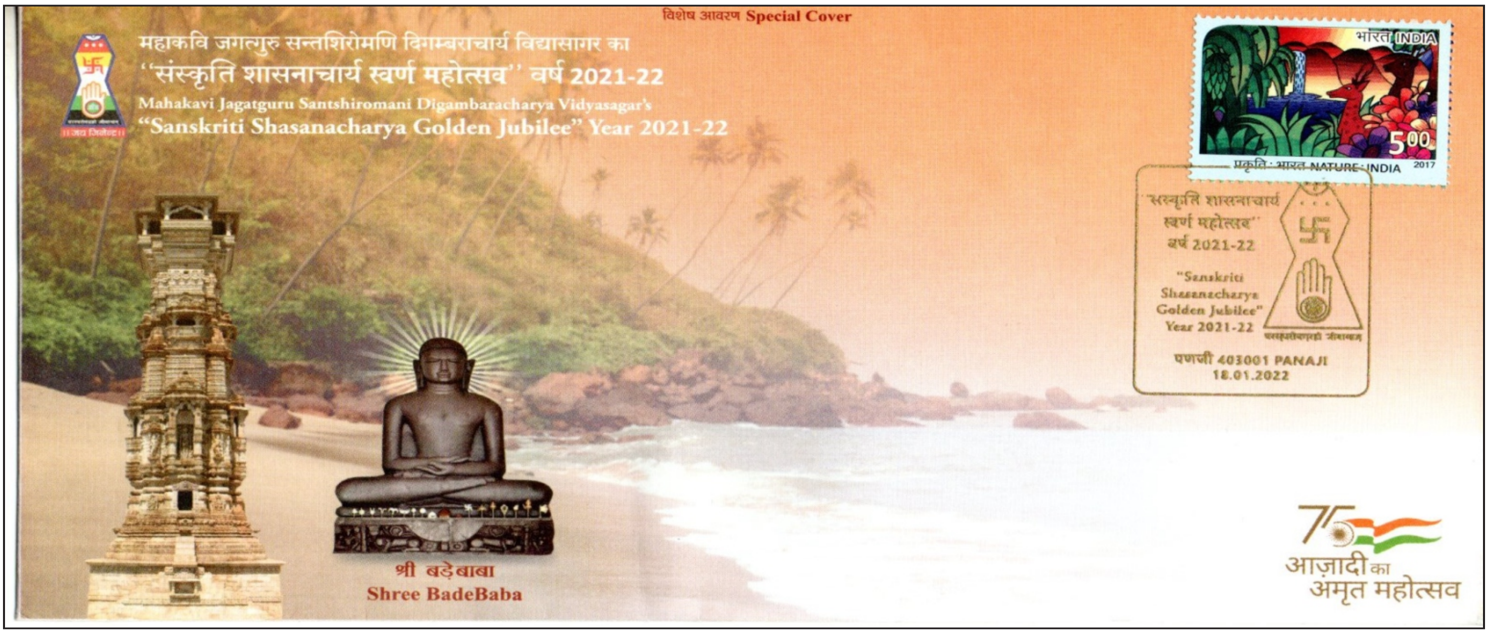

मध्य प्रदेश, जबलपुर (MADHYA PRADESH, JABALPUR) 482001 जारी दिनांक (ISSUED) : 18.01.2022

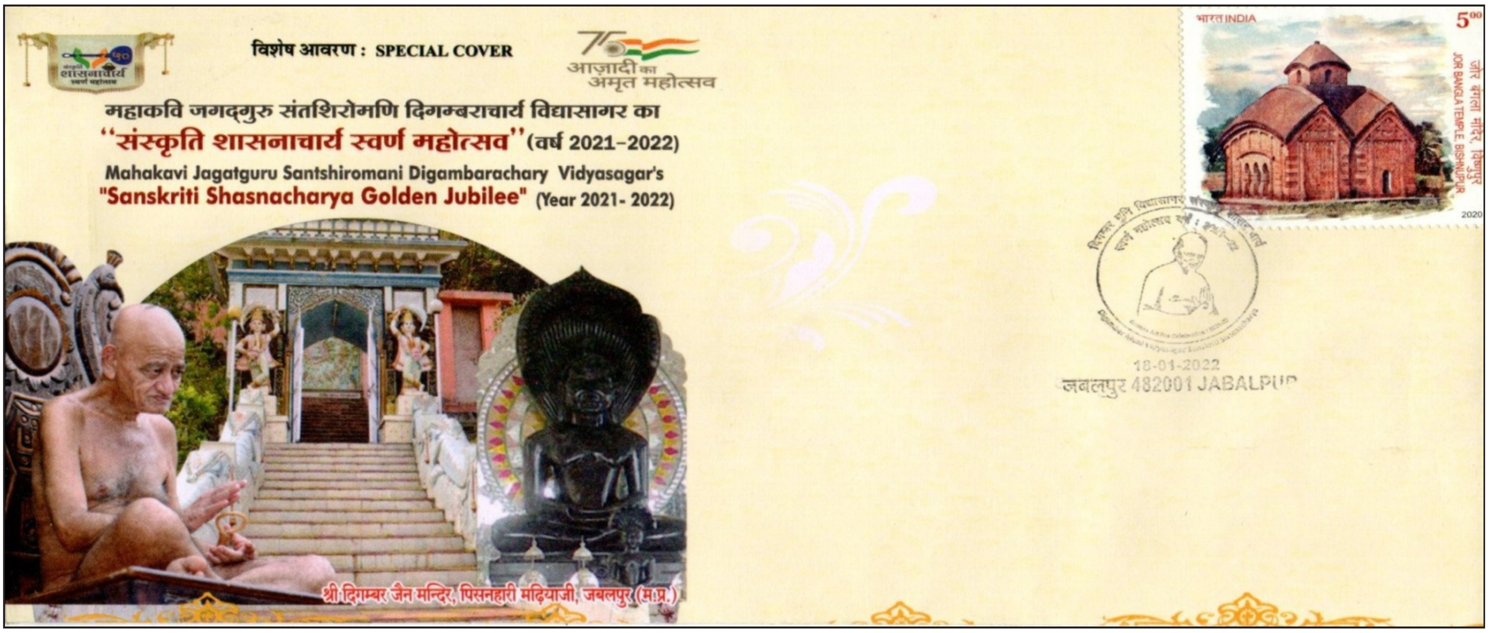

मध्य प्रदेश, जबलपुर (MADHYA PRADESH, JABALPUR) 482001 जारी दिनांक (ISSUED) : 20.01.2022

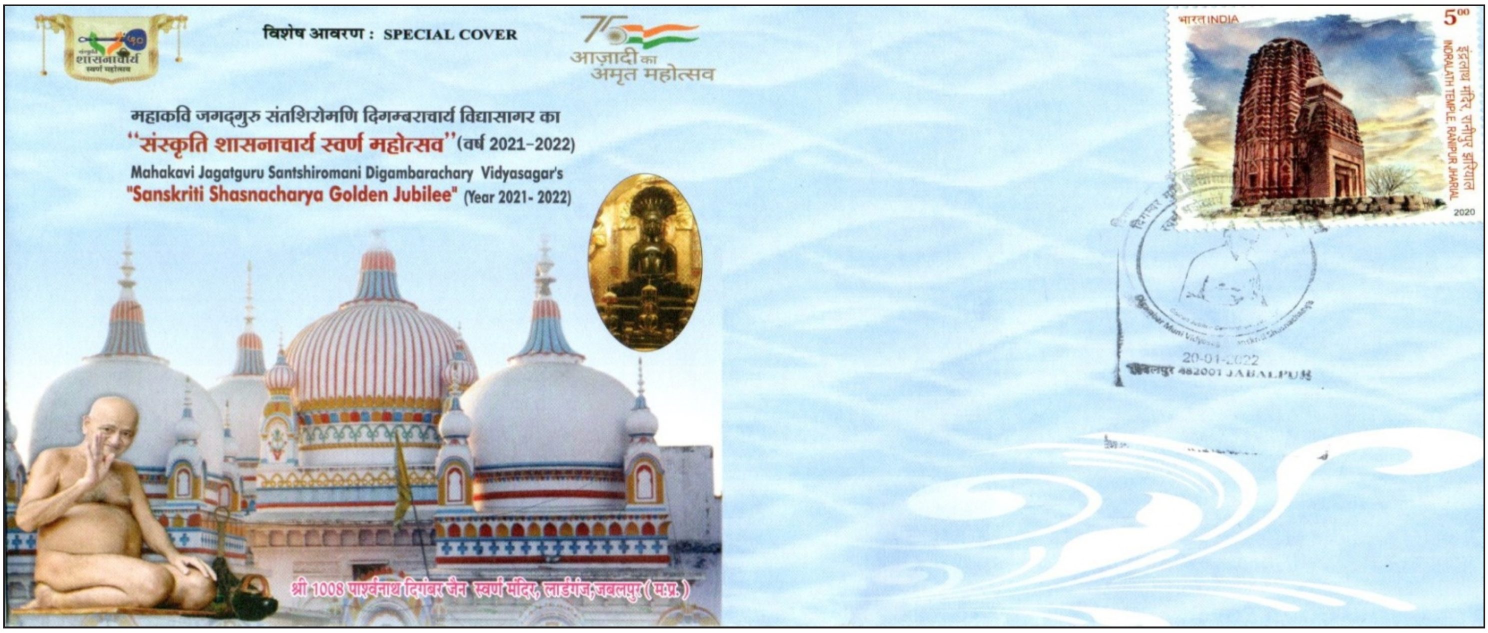

मध्य प्रदेश, ईशुरवारा (MADHYA PRADESH, ISHURWARA) 470115 जारी दिनांक (ISSUED) : 20.01.2022

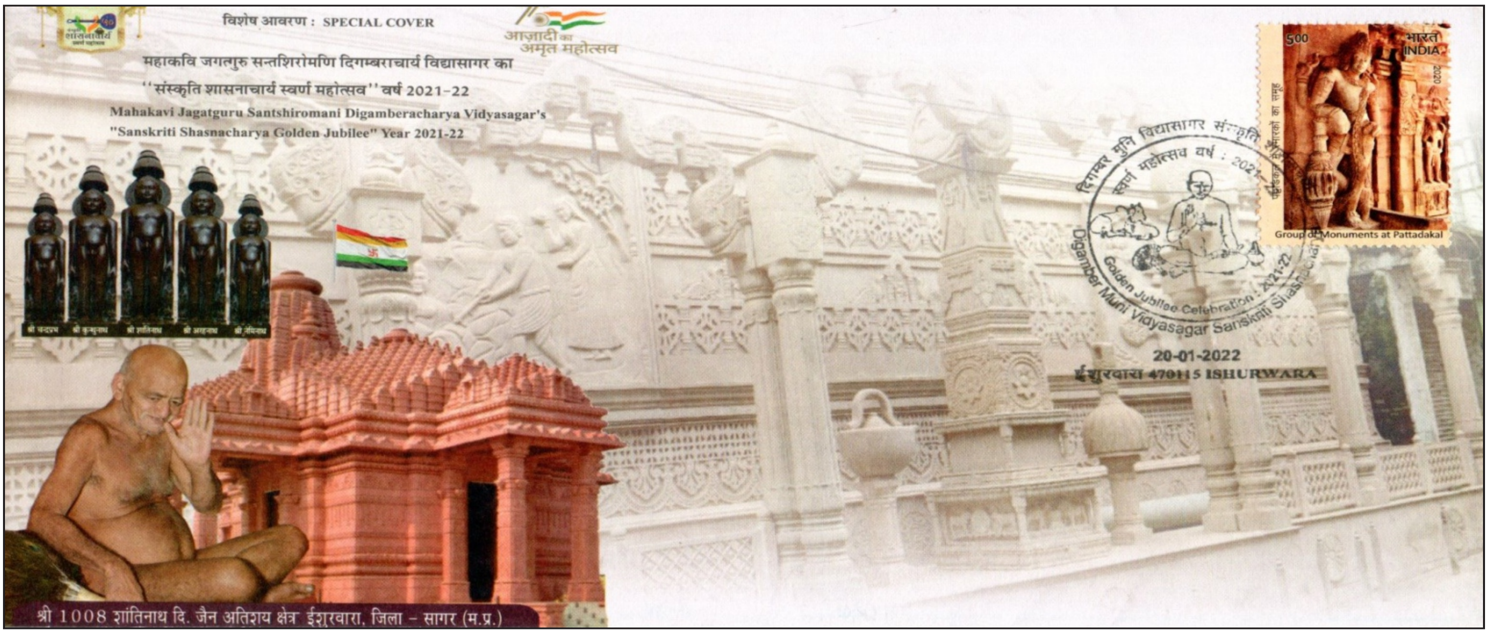

मध्य प्रदेश, कुंभराज (MADHYA PRADESH, KUMBHRAJ) 473222 जारी दिनांक (ISSUED) : 21.01.2022

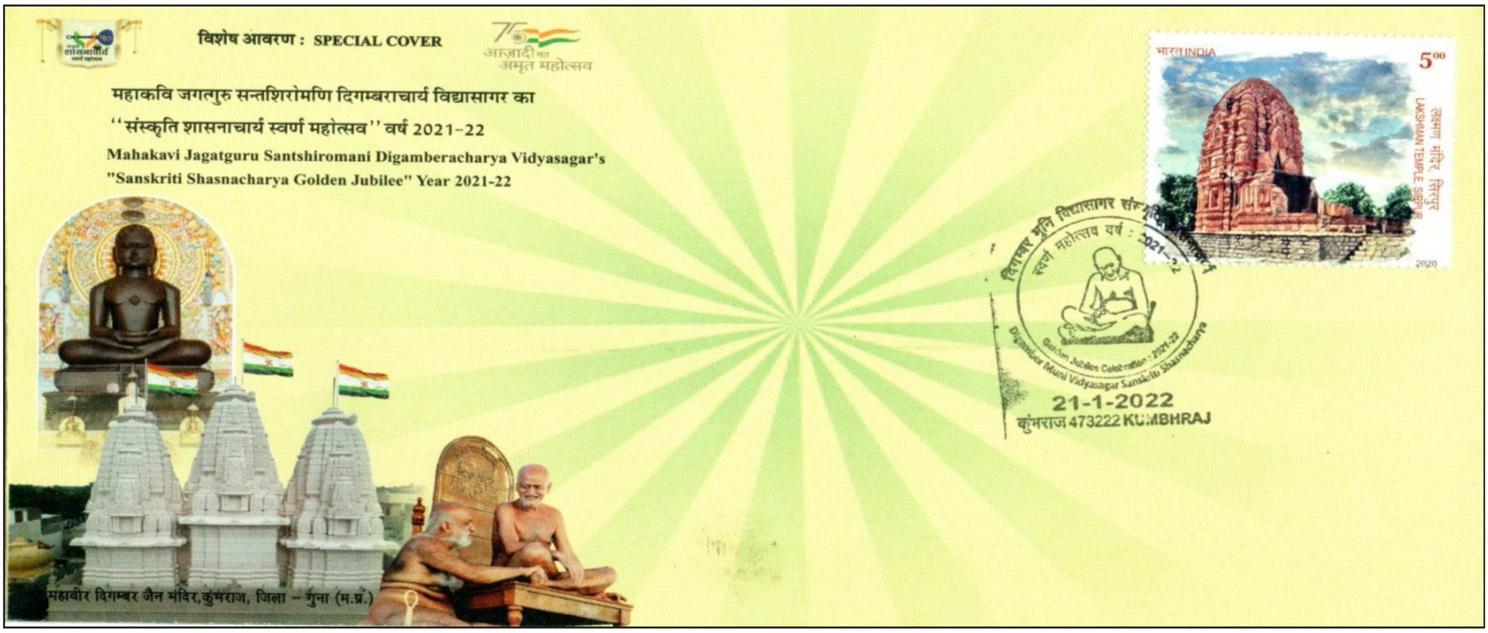

मध्य प्रदेश, जबलपुर (MADHYA PRADESH, JABALPUR) 482001 जारी दिनांक (ISSUED) : 24.01.2022

मध्य प्रदेश, जबलपुर (MADHYA PRADESH, JABALPUR) 482001 जारी दिनांक (ISSUED) : 24.01.2022

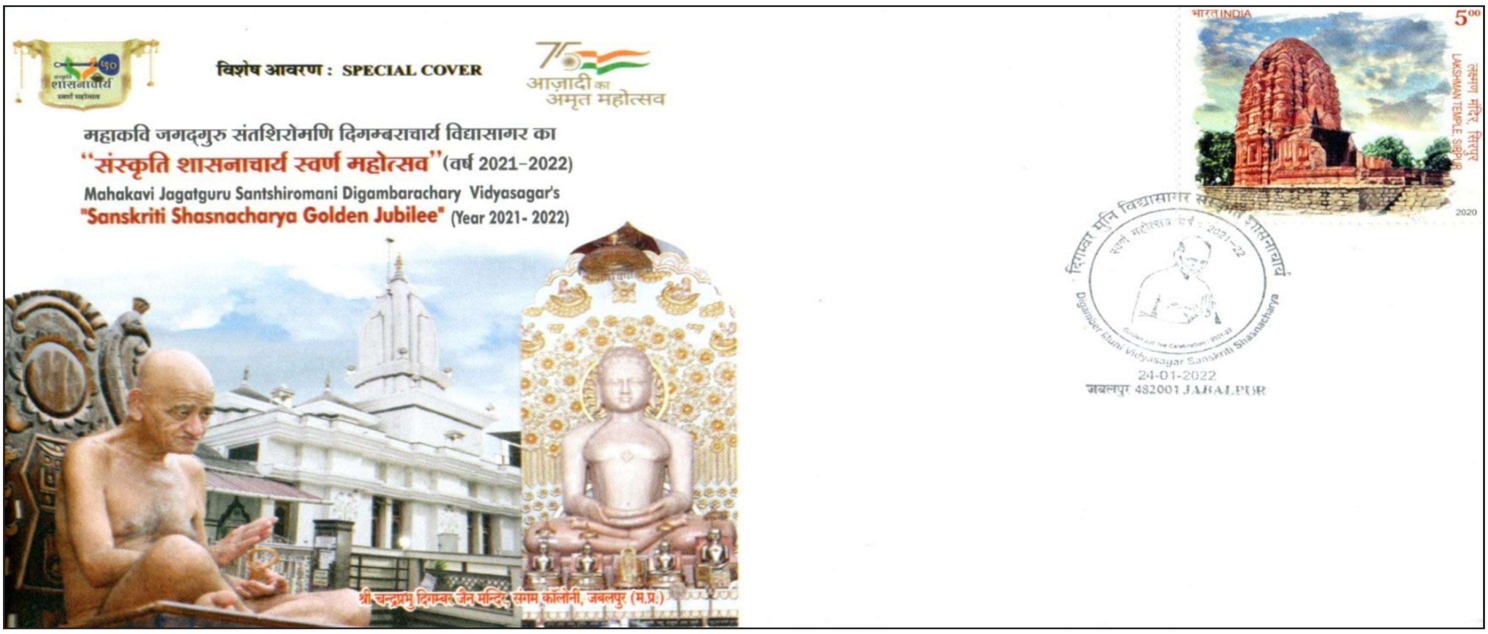

मध्य प्रदेश, जबलपुर (MADHYA PRADESH, JABALPUR) 482001 — जारी दिनांक (ISSUED) : 25.01.2022

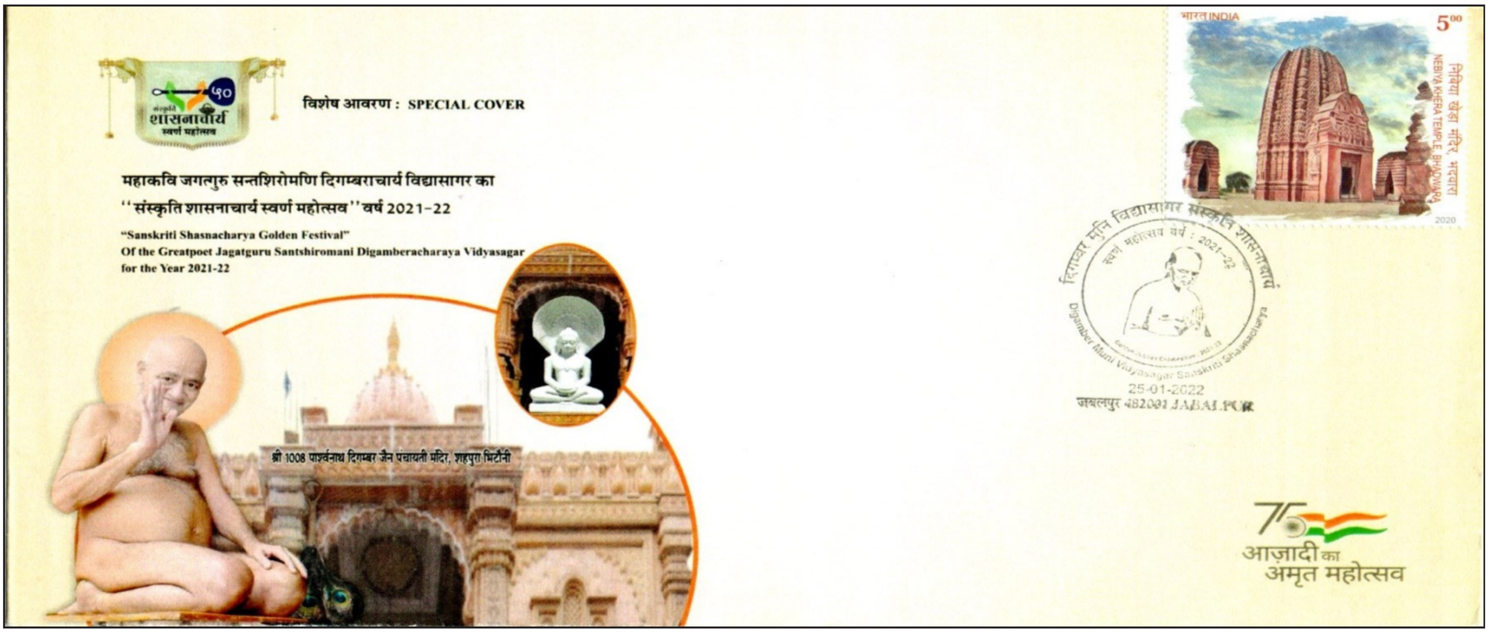

मध्य प्रदेश, जबलपुर (MADHYA PRADESH, JABALPUR) 482001 — जारी दिनांक (ISSUED) : 25.01.2022

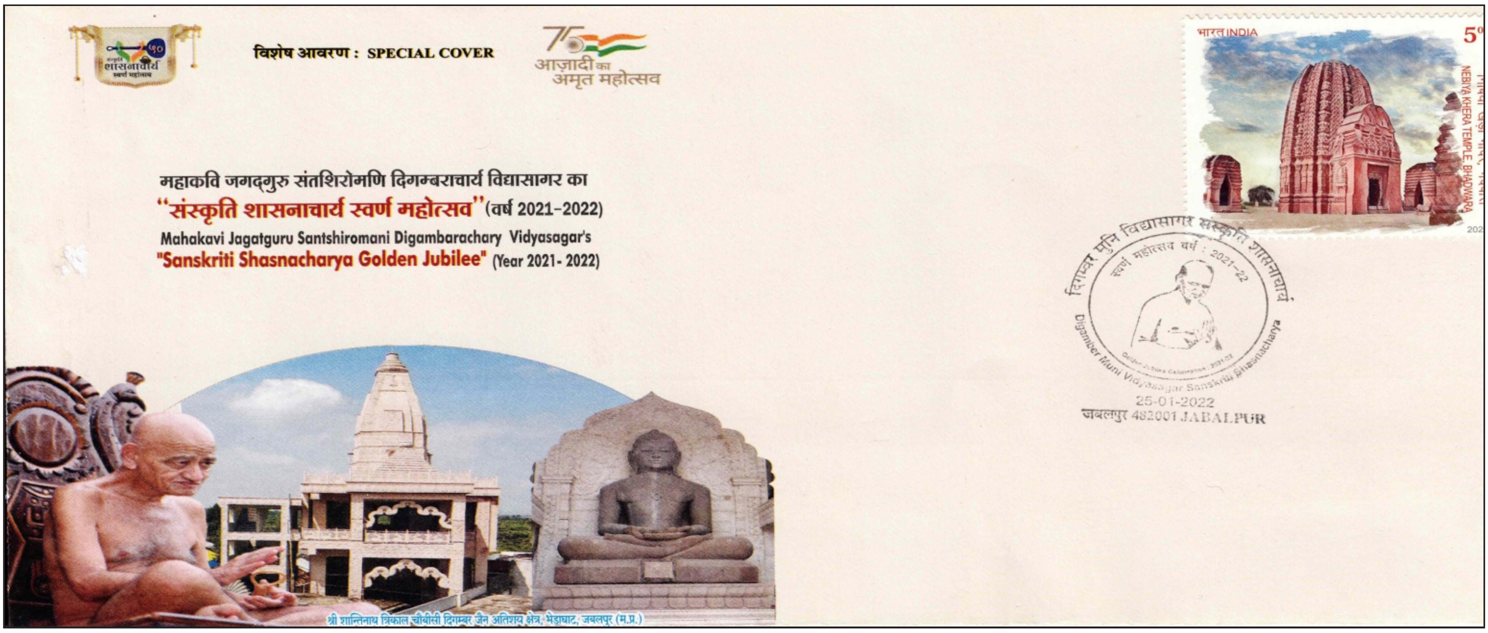

मध्य प्रदेश, नरसिंहपुर (MADHYA PRADESH, NARSINHPUR) 487001 — जारी दिनांक (ISSUED) : 25.01.2022

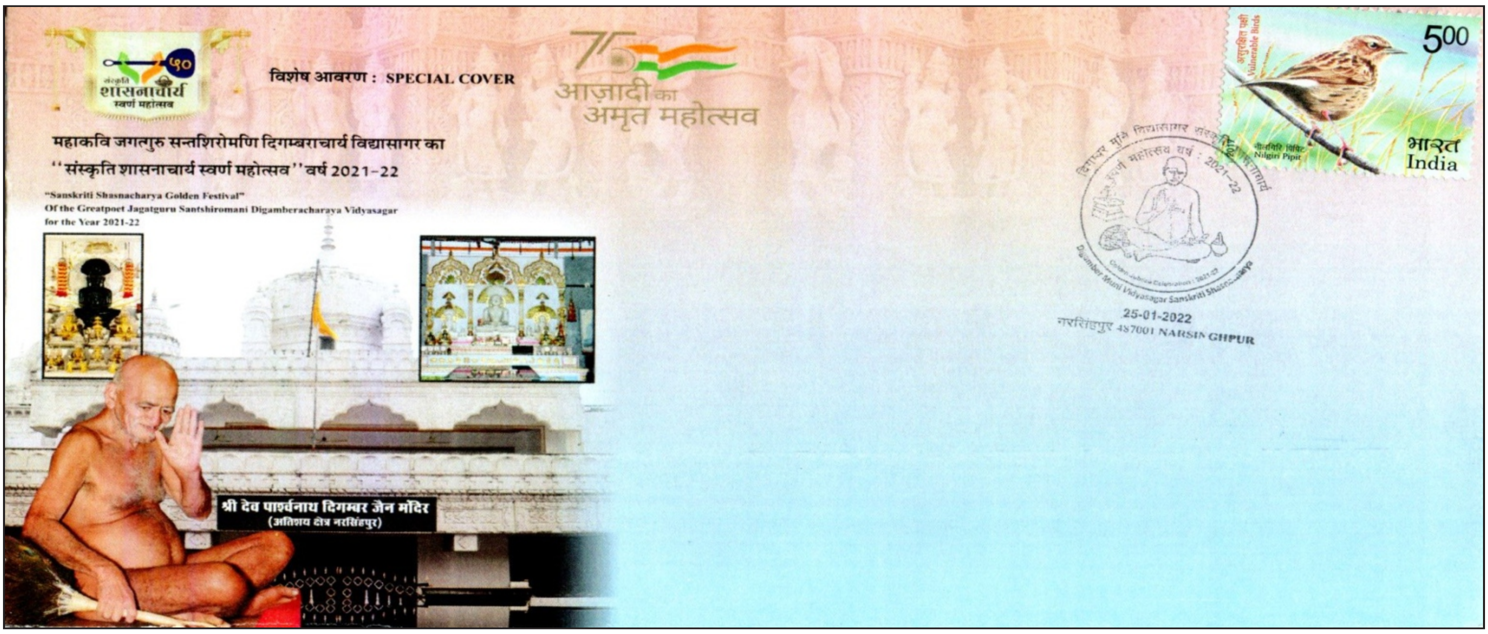

मध्य प्रदेश, बीनागंज **(MADHYA PRADESH, BINAGANJ) 473118** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 29.01.2022**

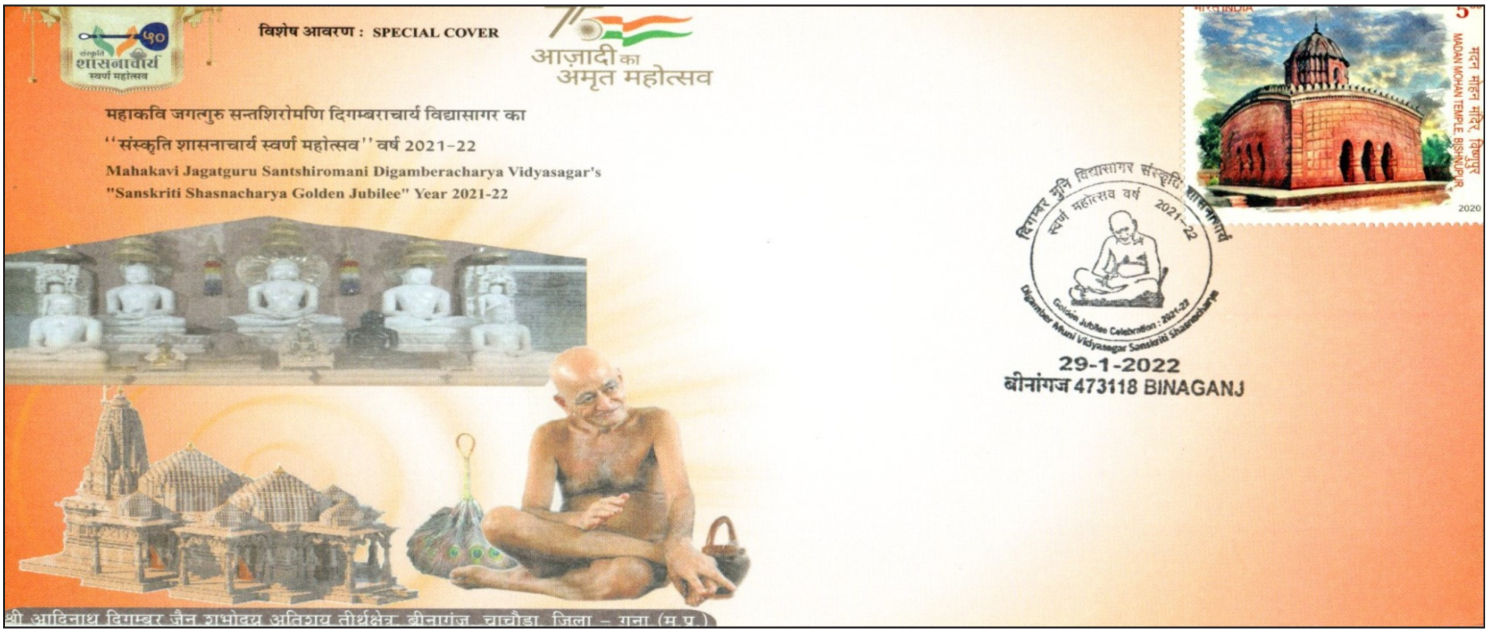

मध्य प्रदेश, आरोन **(MADHYA PRADESH, ARON) 473101** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 31.01.2022**

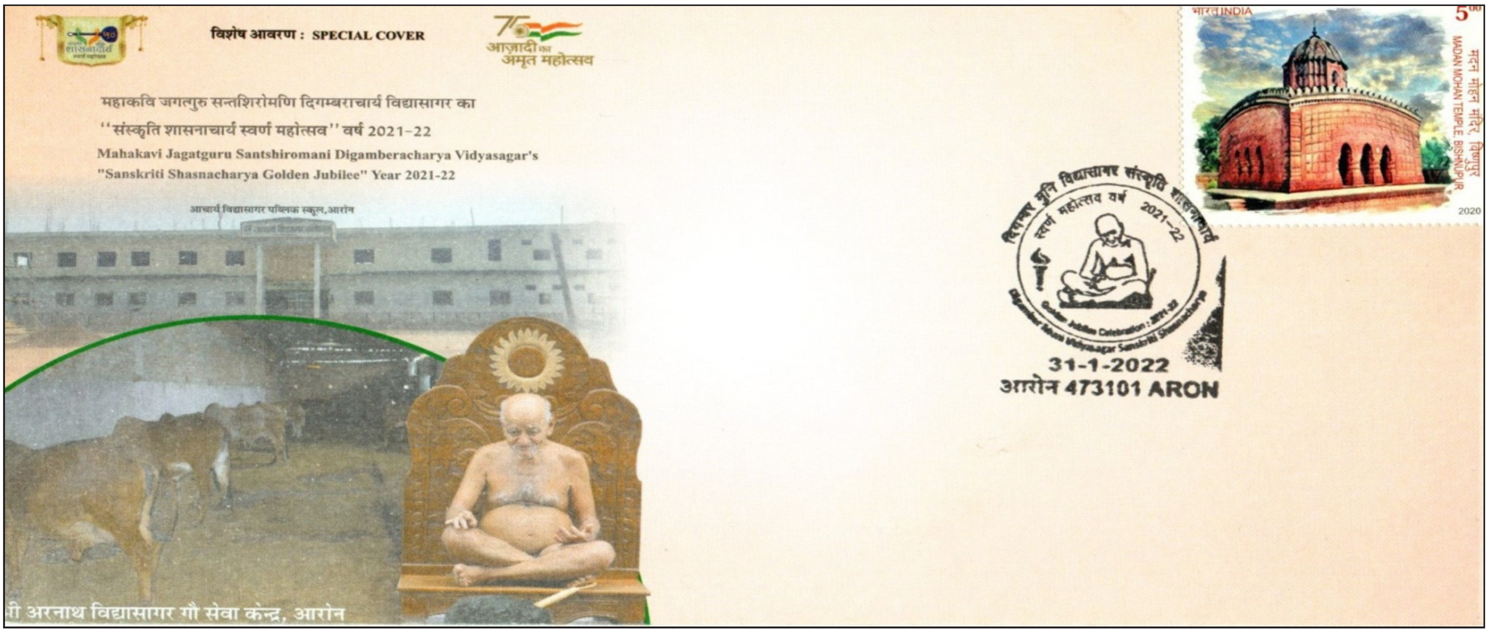

मध्य प्रदेश, बजरंगगढ़ **(MADHYA PRADESH, BAJRANGGARH) 473249** — जारी दिनांक **(ISSUED) : 31.01.2022**

राजस्थान, अजमेर (RAJASTHAN, AJMER) 305001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 02.02.2022**

राजस्थान, परतापुर (RAJASTHAN, PARTAPUR) 327024 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.03.2022**

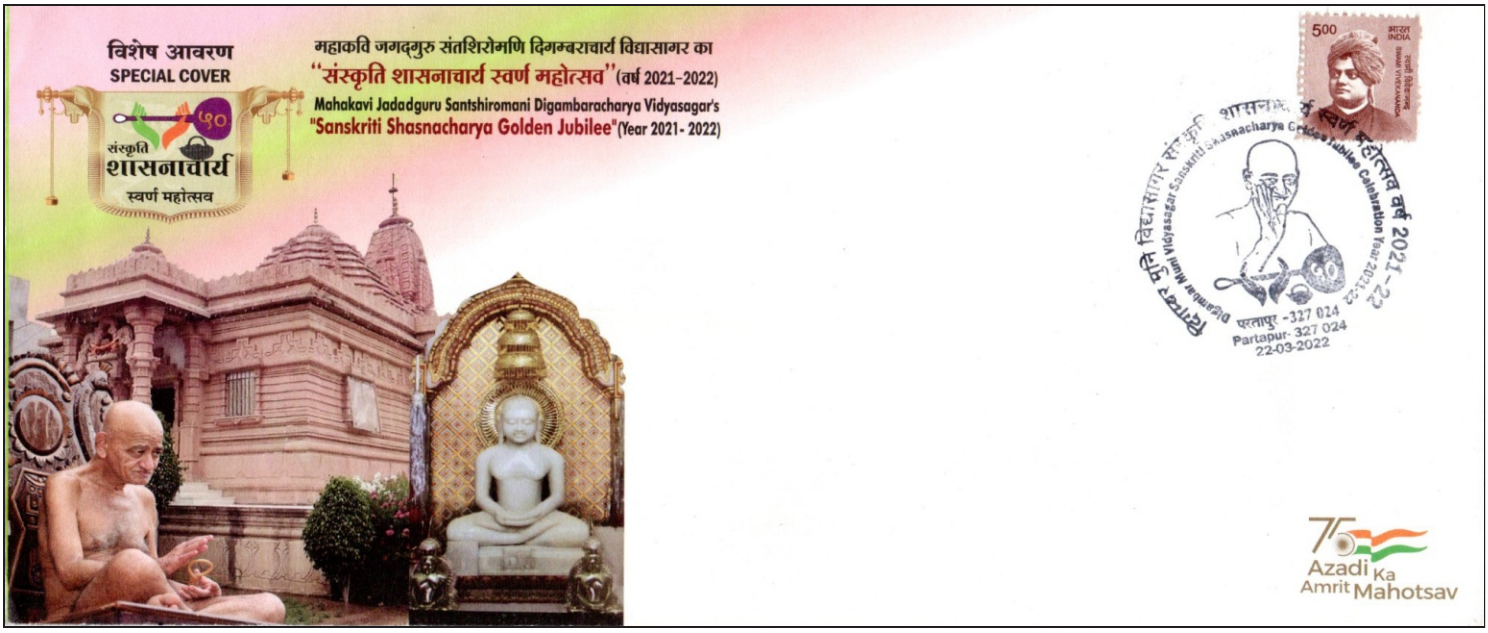

राजस्थान, नोगामा (RAJASTHAN, NOGAMA) 327603 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.03.2022**

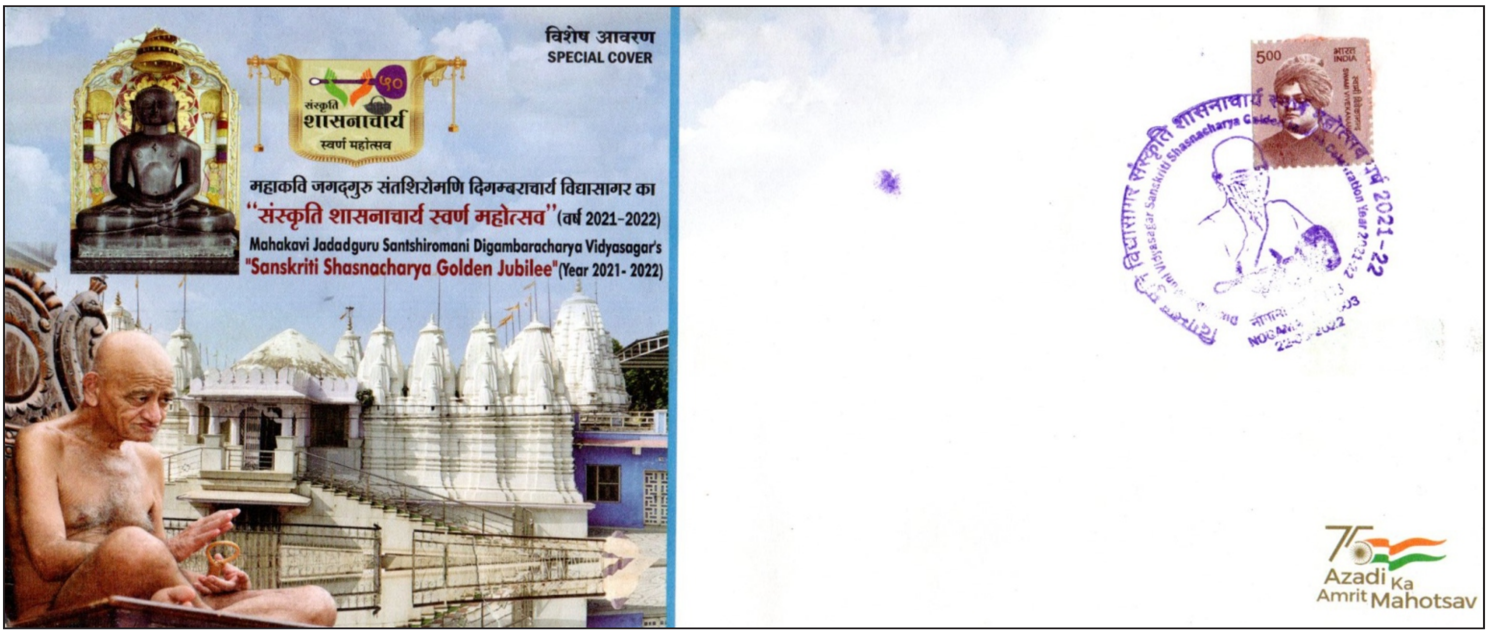

राजस्थान, कलिंजरा (RAJASTHAN, KALINJARA) 327606 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.03.2022**

उत्तर प्रदेश, हस्तिनापुर (UTTAR PRADESH, HASTINAPUR) 250404 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.04.2022**

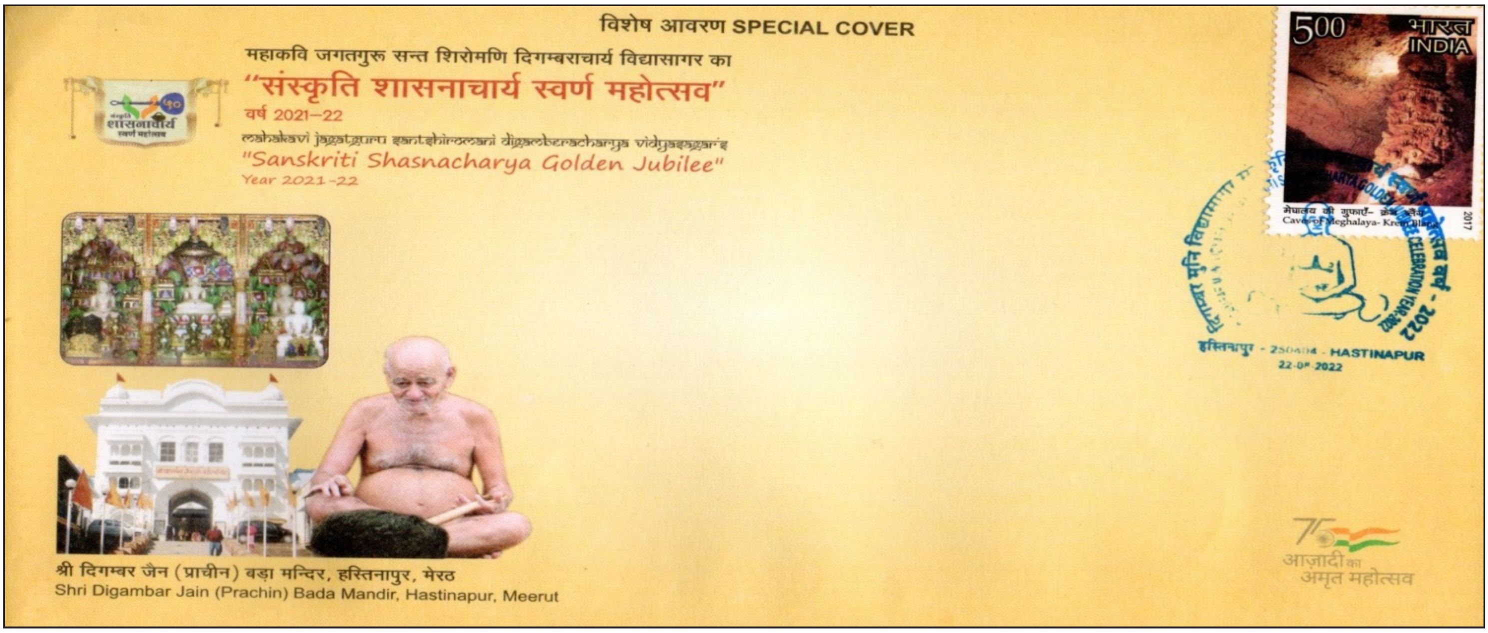

गुजरात, मेहसाना (GUJRAT, MEHSANA) 384001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.05.2022**

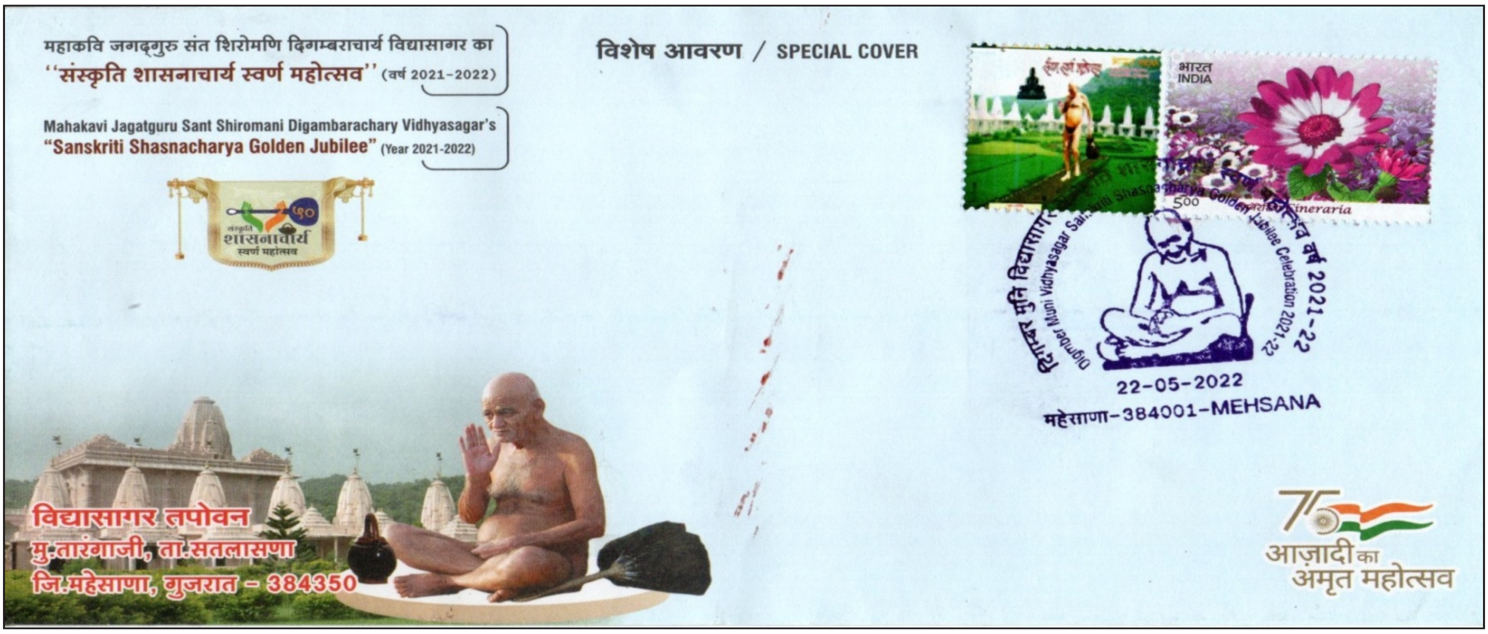

मध्य प्रदेश, जबलपुर (MADHYA PRADESH, JABALPUR) 482001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 30.06.2022**

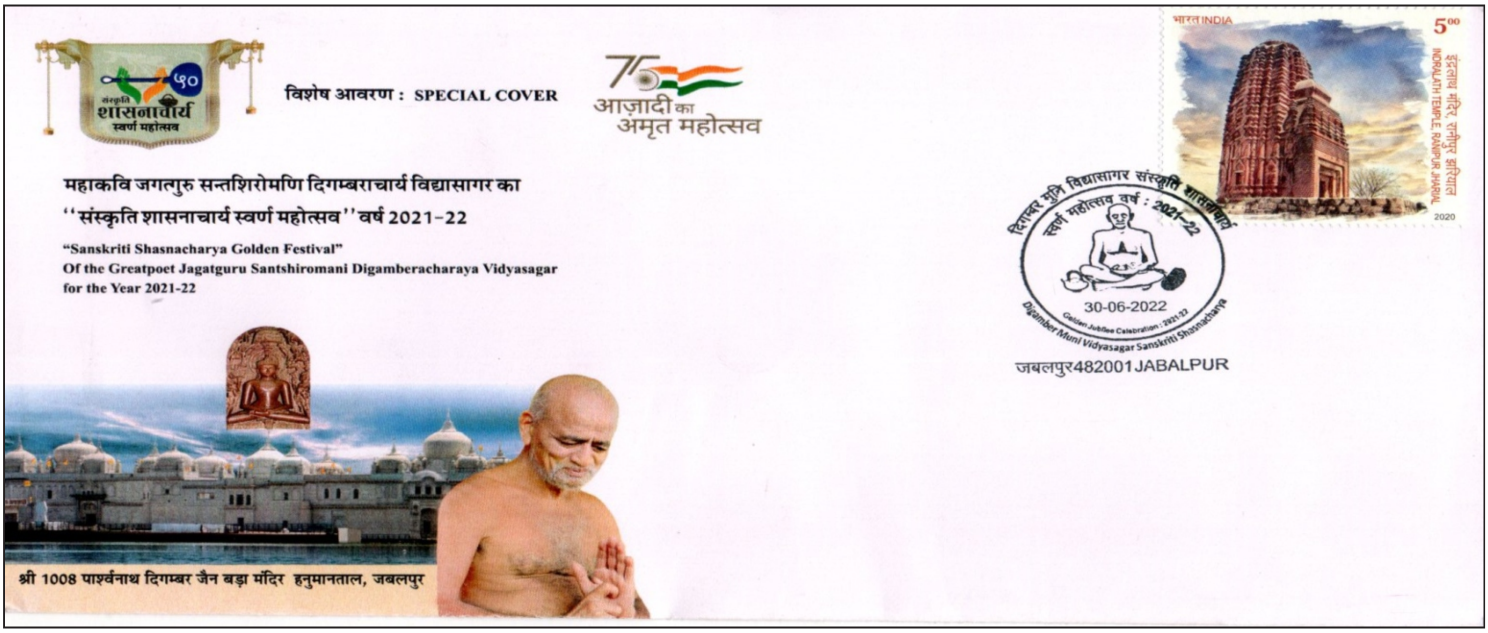

राजस्थान, दूनि (RAJASTHAN, DUNI) 304802 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 01.07.2022**

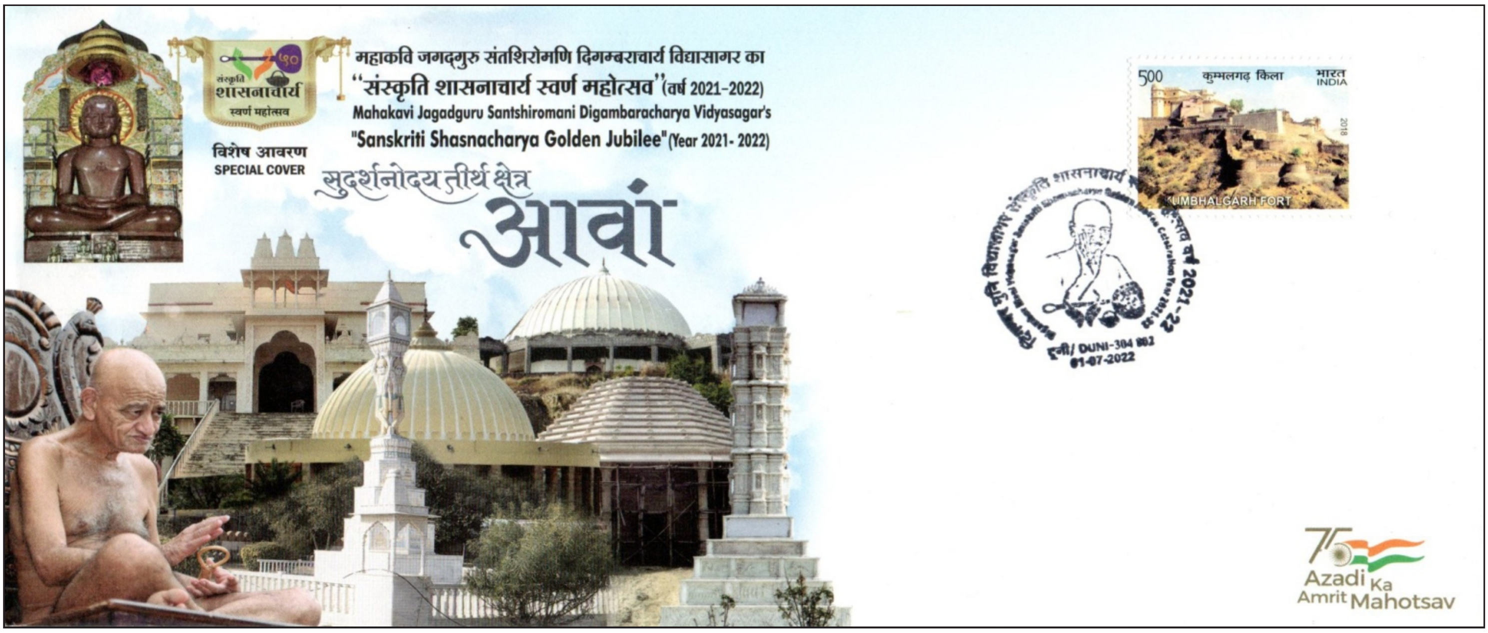

उतार प्रदेश, अयोध्या (UTTAR PRADESH, AYODHYA) 224001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 26.08.2022**

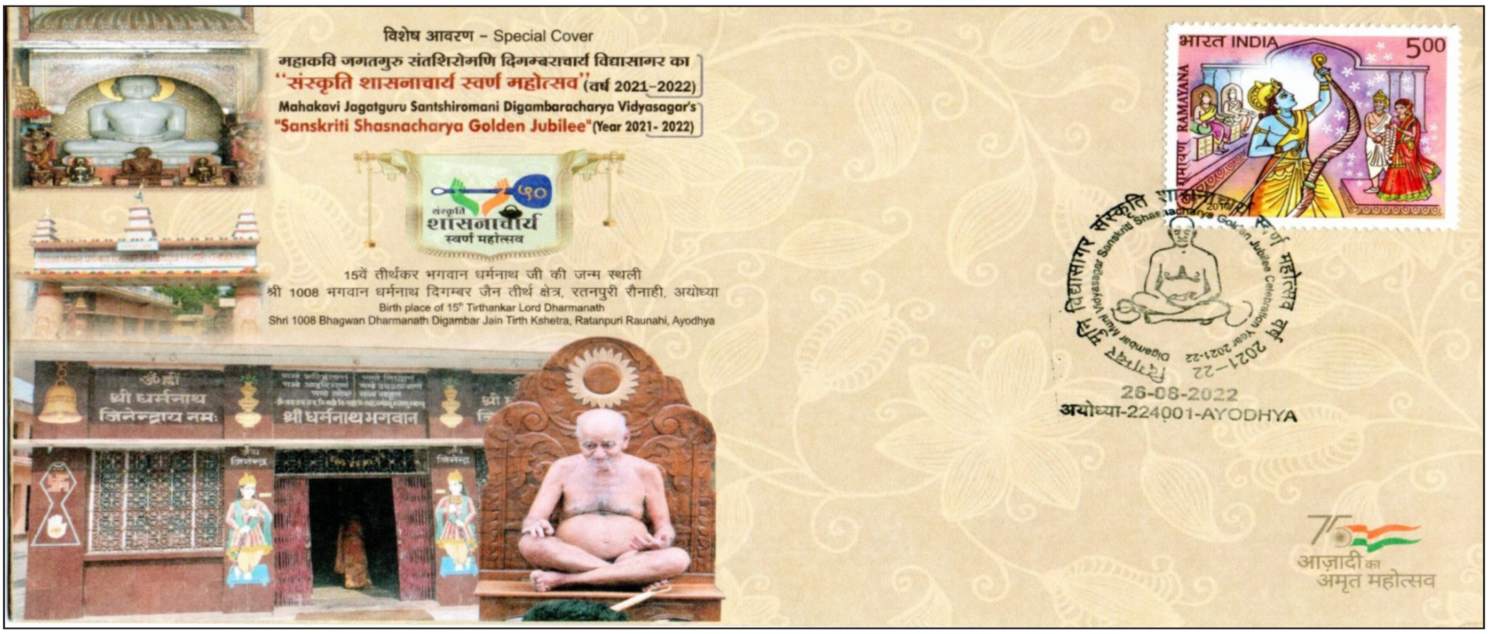

उतार प्रदेश, शामली (UTTAR PRADESH, SHAMLI) 247770 — जारी दिनांक (ISSUED) : 31.10.2022

मध्य प्रदेश, दमोह (MADHYA PRADESH, DAMOH) 470661 — जारी दिनांक (ISSUED) : 01.11.2022

मध्य प्रदेश, पृथ्वीपुर (MADHYA PRADESH, PRITHVIPUR) 472442 — जारी दिनांक (ISSUED) : 01.11.2022

मध्य प्रदेश, सिरोंज (MADHYA PRADESH, SIRONJ) 464228 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022

मध्य प्रदेश, पनागर (MADHYA PRADESH, PANAGAR) 483220 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022

उत्तर प्रदेश, झांसी (UTTAR PRADESH, JHANSI) 284001 जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022

उत्तर प्रदेश, झांसी (UTTAR PRADESH, JHANSI) 284001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022**

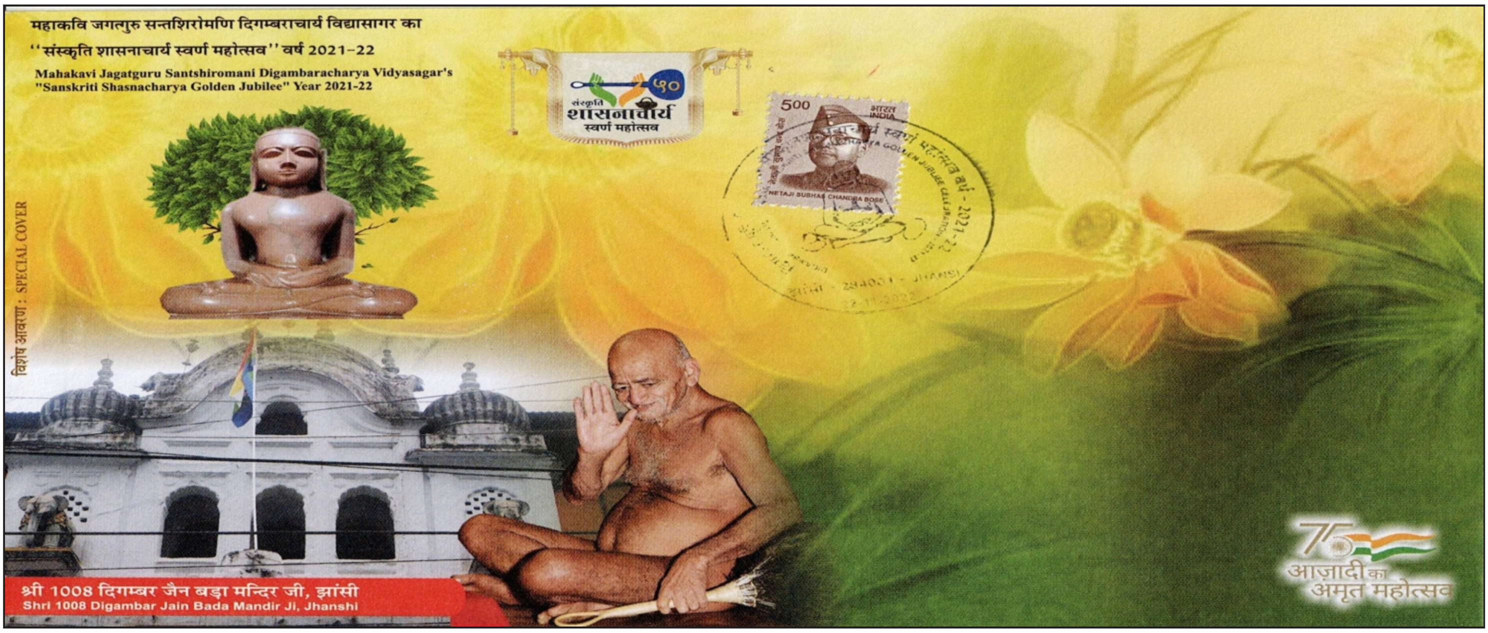

उत्तर प्रदेश, ललितपुर (UTTAR PRADESH, LALITPUR) 284403 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022**

उत्तर प्रदेश, ललितपुर (UTTAR PRADESH, LALITPUR) 284403 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022**

उत्तर प्रदेश, ललितपुर (UTTAR PRADESH, LALITPUR) 284403 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022**

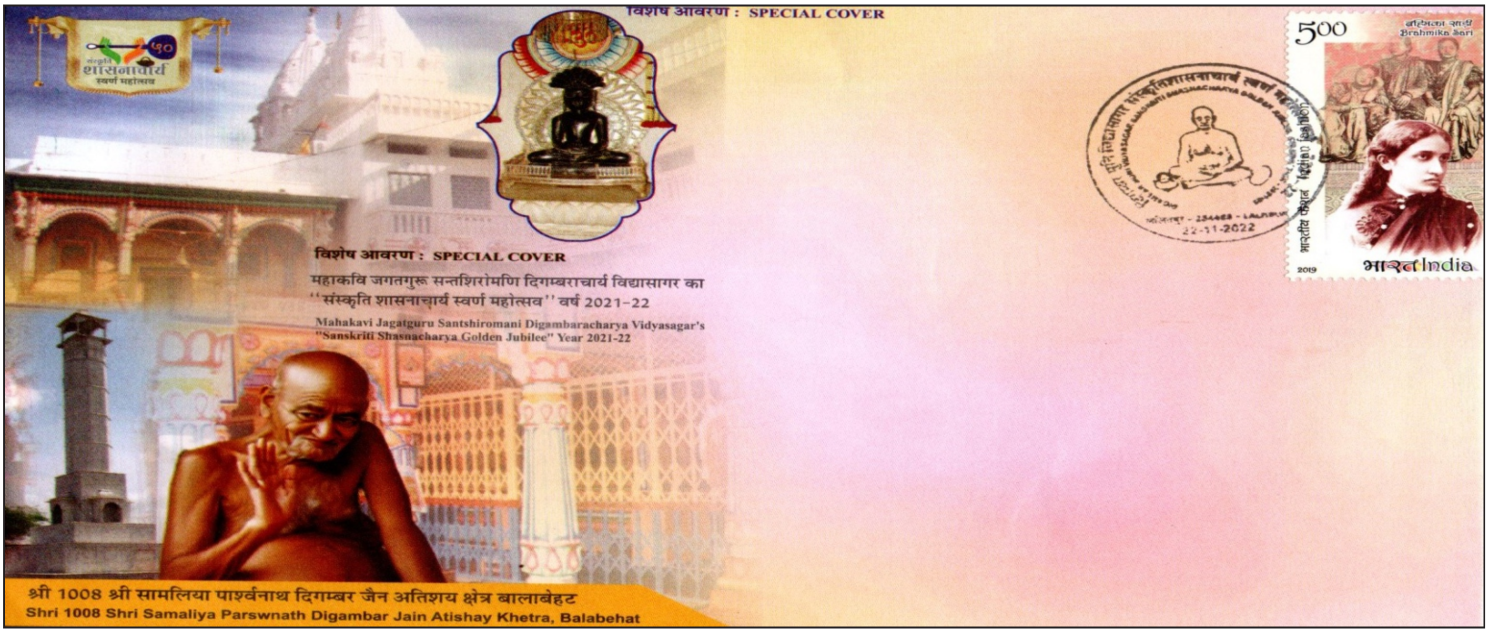

मध्य प्रदेश, विदिशा (MADHYA PRADESH, VIDISHA) 464001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022**

मध्य प्रदेश, विदिशा (MADHYA PRADESH, VIDISHA) 464001 | **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022**

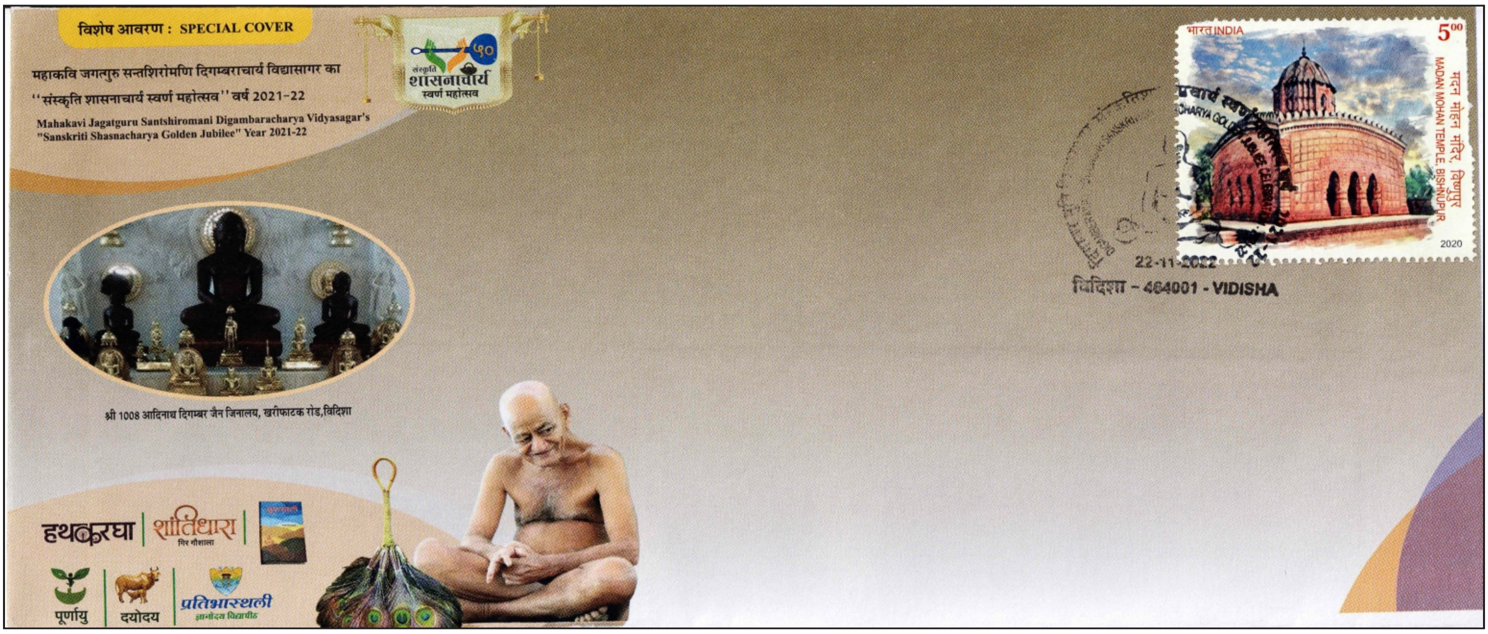

मध्य प्रदेश, विदिशा (MADHYA PRADESH, VIDISHA) 464001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022**

मध्य प्रदेश, विदिशा (MADHYA PRADESH, VIDISHA) 464001 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022**

मध्य प्रदेश, सिलवानी (MADHYA PRADESH, SILWANI) 464886 — **जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022**

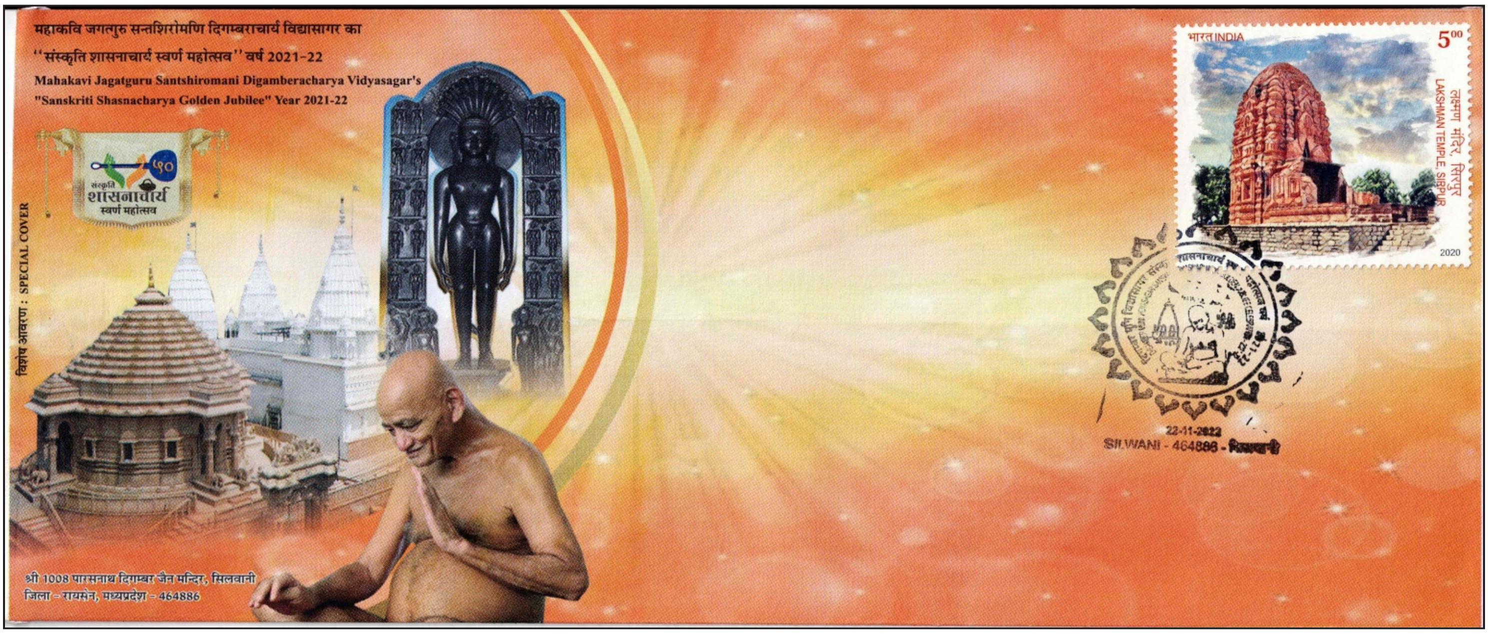

मध्य प्रदेश, बीना (MADHYA PRADESH, BINA) 470113 | जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022

मध्य प्रदेश, बड़ामलहरा (MADHYA PRADESH, BADAMALHARA) 471311 | जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022

मध्य प्रदेश, खनियाधाना (MADHYA PRADESH, KHANIYADHANA) 473990 | जारी दिनांक (ISSUED) : 22.11.2022

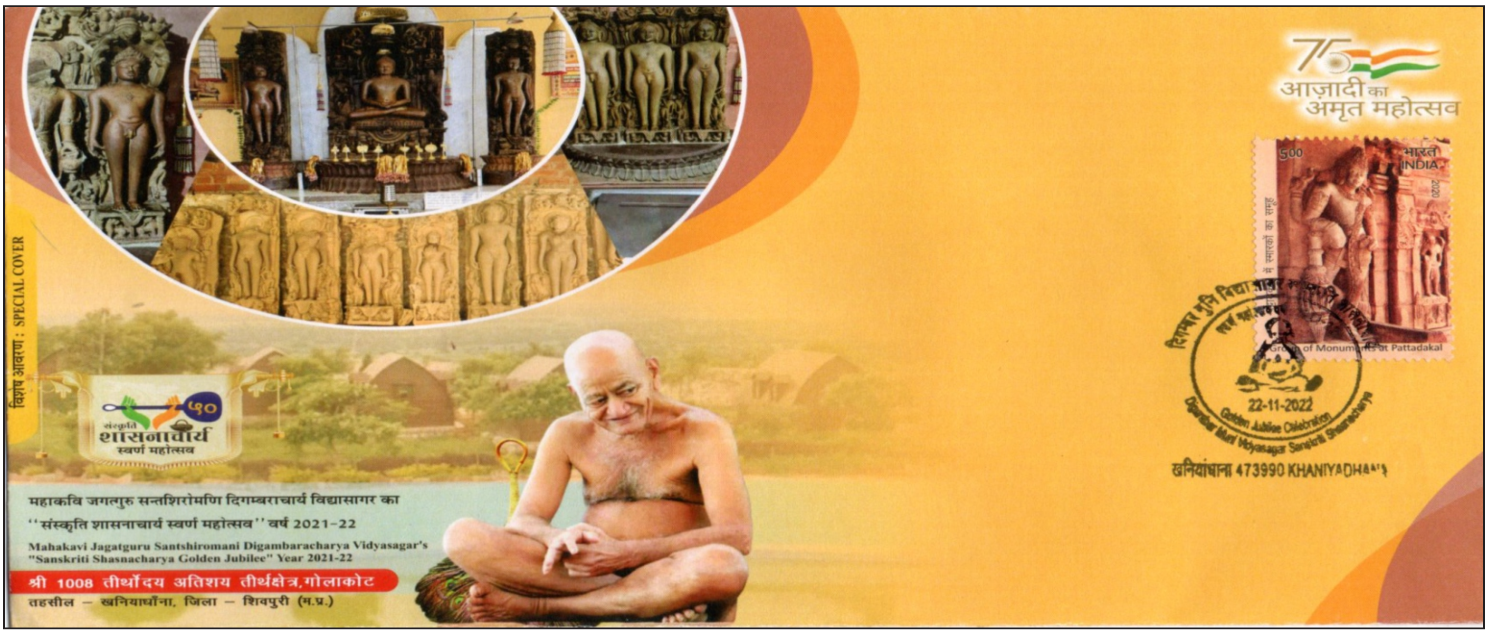

मध्य प्रदेश, अमरकंटक **(MADHYA PRADESH, AMARKANTAK) 484886** जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2022**

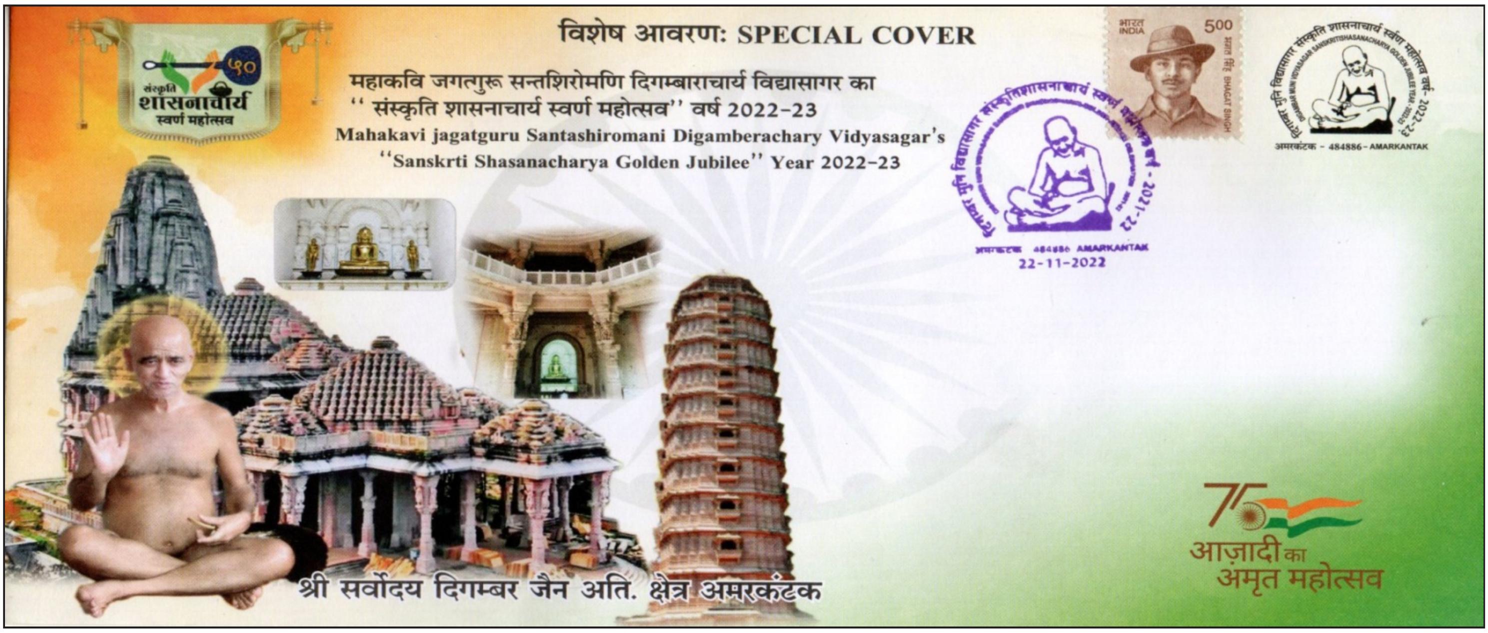

छत्तीसगढ, अकलतरा **(CHHATTISGARH, AKALTARA) 495552** जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.11.2022**

उत्तर प्रदेश, आगरा **(UTTAR PRADESH, AGRA) 282001** जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.12.2022**

अरुणाचल प्रदेश, ईटानगर **(ARUNACHAL PRADESH, ITANAGAR) 791111** | जारी दिनांक **(ISSUED) : 22.12.2022**

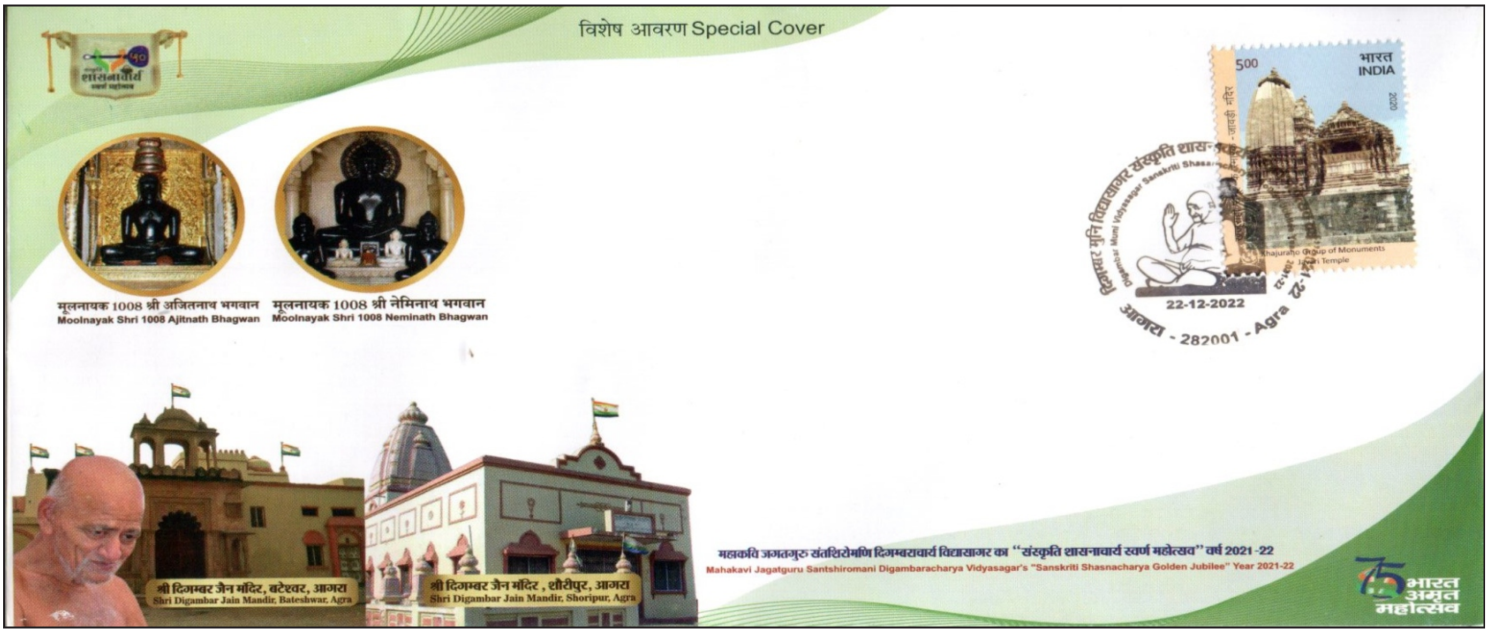

मध्य प्रदेश, शाढ़ौरा **(MADHYA PRADESH, SHADHORA) 473330** | जारी दिनांक **(ISSUED) : 28.12.2022**

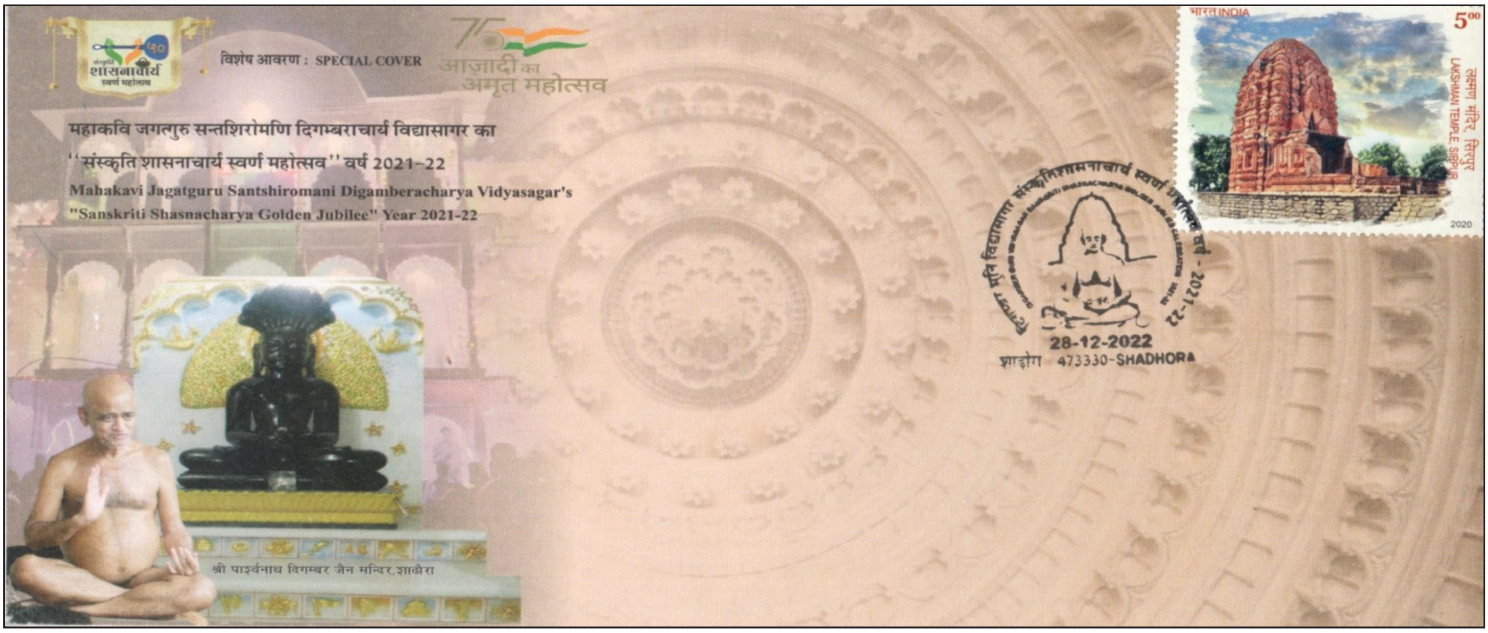

पंजाब, अमृतसर **(PANJAB, AMRITSAR) 143001** | जारी दिनांक **(ISSUED) : 13.01.2023**

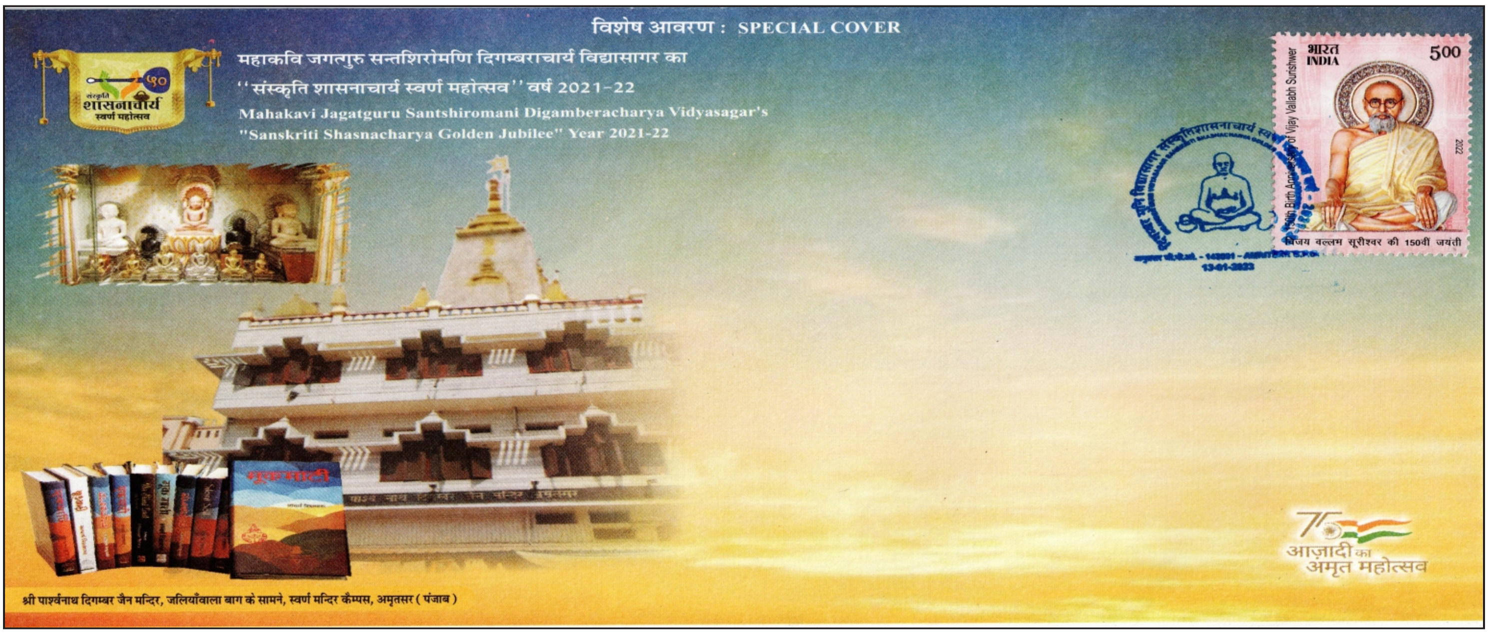

जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज पर जारी माई स्टैंप

MY STAMPS ISSUED ON JAINACHARYA VIDYASAGAR JI MAHARAJ

राजस्थान, किशनगढ़ 305801
(RAJASTHAN, KISHANGARH)

राजस्थान, किशनगढ़ 305801
(RAJASTHAN, KISHANGARH)

कर्नाटक, श्रवणबेलगोला 573135
(KARNATAKA, SHARVANBELGOLA)

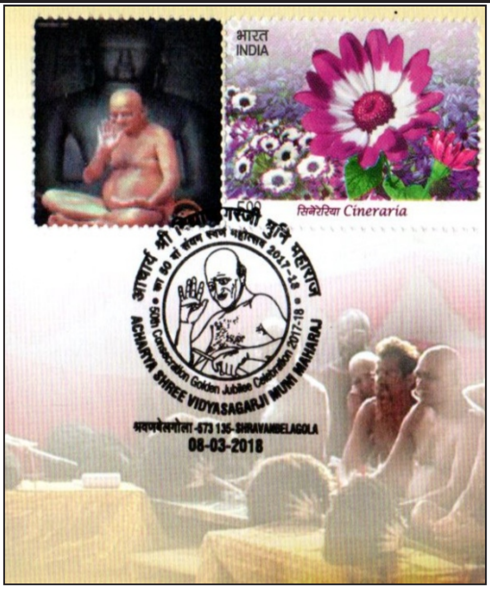

राजस्थान, अजमेर 305001
(RAJASTHAN, AJMER)

राजस्थान, बारां 325205
(RAJASTHAN, BARAN)

राजस्थान, बारां 325205
(RAJASTHAN, BARAN)

राजस्थान, झालावाड़ 326001
(RAJASTHAN, JHALAWAR)

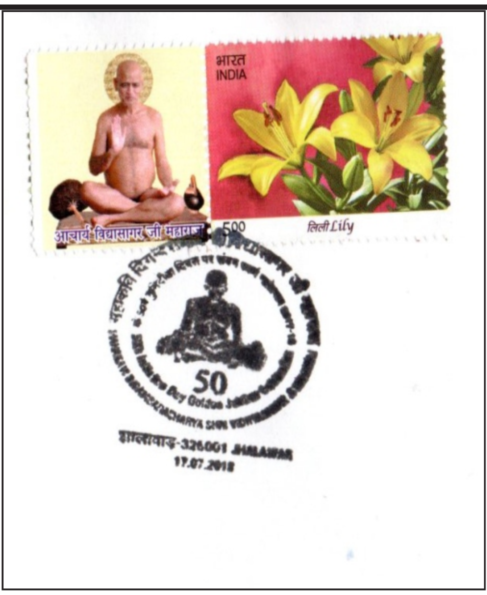

राजस्थान, भीलवाड़ा 311001
(RAJASTHAN, BHIWARA)

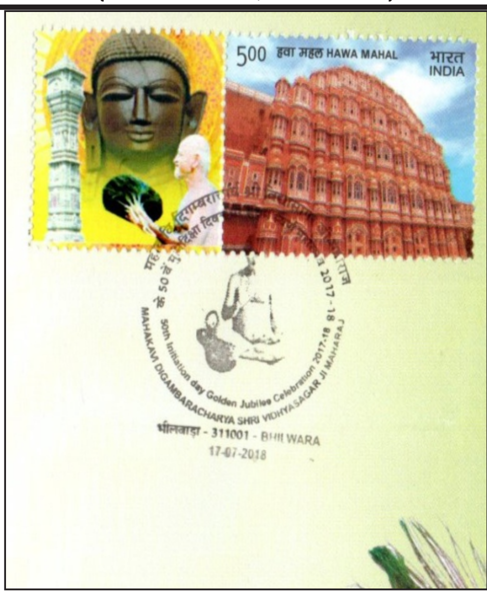

राजस्थान, कोटा 324001
(RAJASTHAN, KOTA)

जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज
MY STAMPS ISSUED ON

पर जारी माई स्टैंप
JAINACHARYA VIDYASAGAR JI MAHARAJ

राजस्थान, कोटा 324001
(RAJASTHAN, KOTA)

गुजरात, अहमदाबाद 380015
(GUJRAT, AHMEDABAD)

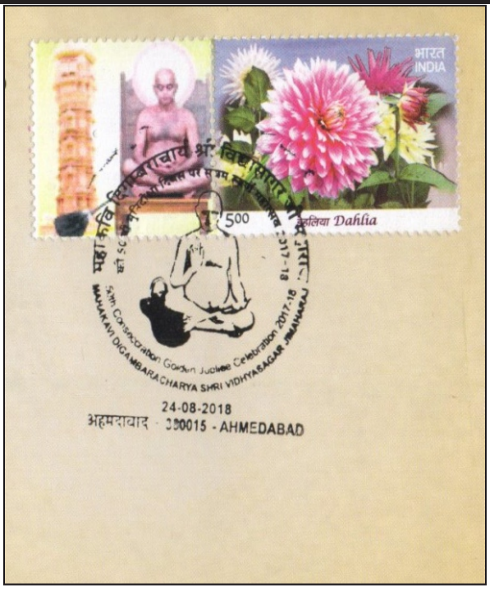

राजस्थान, भीलवाड़ा 311001
(RAJASTHAN, BHIWARA)

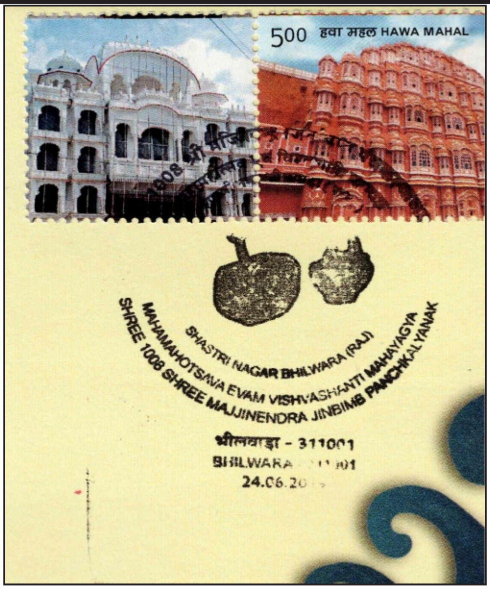

राजस्थान, भीलवाड़ा 311001
(RAJASTHAN, BHIWARA)

झारखंड, हजारीबाग 825301
(JHARKHAND, HAZARIBAG)

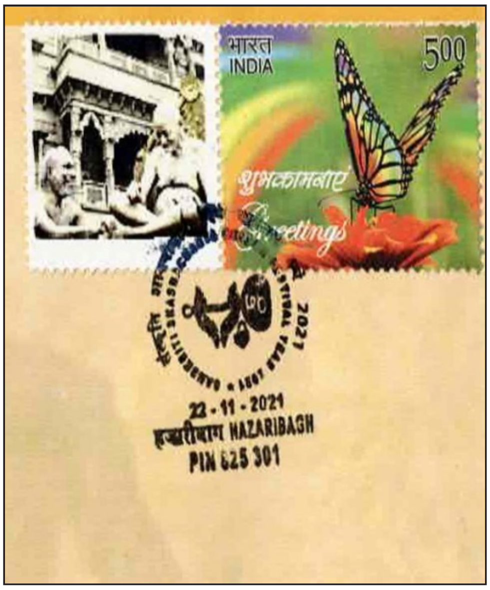

गुजरात, महेसाणा 384001
(GUJRAT, MEHSANA)

उत्तर प्रदेश, वाराणसी 221001
(UTTAR PRADESH, VARANASI)

मध्य प्रदेश, जबलपुर 482001
(MADHYA PRADESH, JABALPUR)

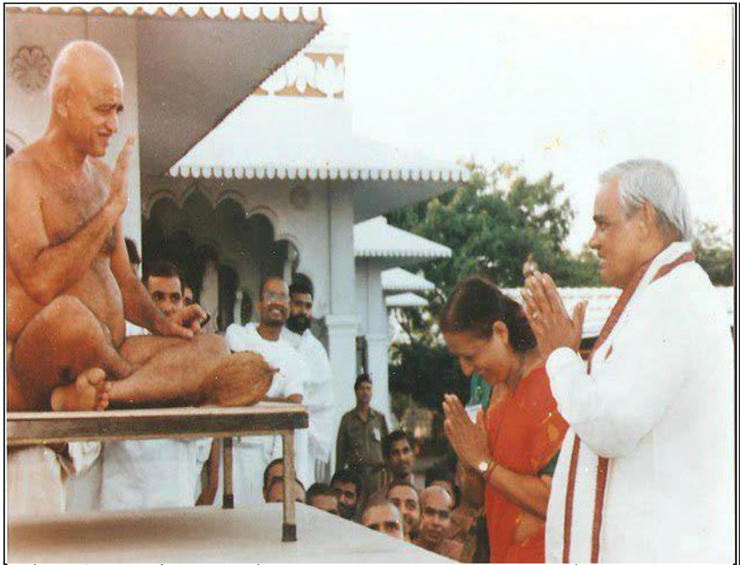

गोम्मटगिरी, इंदौर (म.प्र.) में प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी एवं सांसद श्रीमती सुमित्रा महाजन आशीर्वाद ग्रहण करते हुए
Prime Minister Shri Atal Bihari Vajpayee and MP Smt. Sumitra Mahajan receiving blessings at Gommatgiri, Indore (MP)

⬇ 5 नवम्बर, 2023 को अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरि डोंगरगढ़ (राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी आशीर्वाद ग्रहण करते हुए ⬆
Prime Minister Shri Narendra Modi receiving blessings at Atishay Kshetra Chandragiri Dongargarh (Rajnandgaon, Chhattisgarh) on November 5, 2023

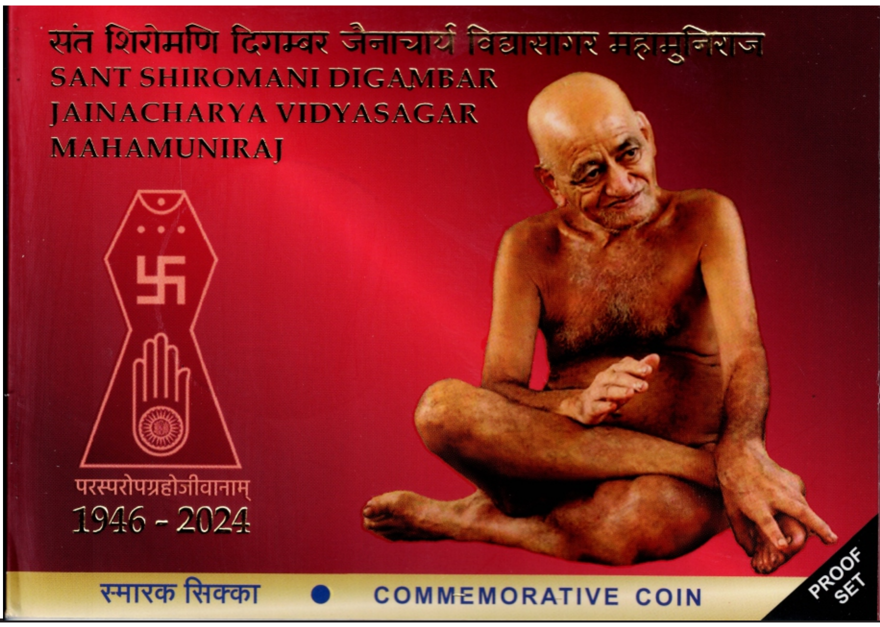

संत शिरोमणि दिगम्बर जैनाचार्य विद्यासागर महामुनिराज

आपने 22 वर्ष की युवा अवस्था में आषाढ़ शुक्ल पंचमी 30 जून 1968 अजमेर (राजस्थान) में महाकवि दिगम्बराचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज से दिगम्बर मुनि की दीक्षा धारण की, आपने अल्प समय में ही ज्ञान आराधना, तप आराधना कर एक उत्कृष्ट आदर्श प्रस्तुत किया। आपकी श्रेष्ठ साधना एवं चर्या को देखकर गुरु आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज ने 22 नबम्बर 1972 को नसीराबाद (अजमेर) राजस्थान में अपना आचार्य पद प्रदान किया।

आप कन्नड़, मराठी, हिन्दी, प्राकृत संस्कृत, अपभ्रंश, अंग्रेजी, बांग्ला भाषाओं के ज्ञाता एवं साहित्यकार हैं। आपने आत्म साक्षात्कार की गहन समाधि में 24, 30, 36, 44 घंटे तक लीन रहकर आत्म शक्तियों को जागृत किया है। आप आत्मानुशासन में दत्तचित्त और चर्या में केन्द्रित लोकानुशासन के आदर्श महापुरुष हैं। आप सर्व के प्रति एक निर्लक्ष्य, निस्वार्थ, आत्महिती, प्रेम दृष्टि रखते हैं। आपके चुम्बकीय व्यक्तित्व से प्रभावित होकर महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से लेकर गृहमंत्री, रक्षामंत्री, मानव संसाधन मंत्री, लोक सभा अध्यक्ष आदि और अनेक राज्यपाल, मुख्यमंत्री आदि सानिध्य पा कर आपके उपदेश संदेश राष्ट्रहित चिंतन से उपकृत हुये हैं।

आपने मूकमाटी महाकाव्य रचना की है और 22 प्राचीन प्राकृत एवं संस्कृत ग्रंथों का हिन्दी में पद्यानुवाद किया है, 6 संस्कृत शतक एवं 12 हिन्दी शतक की रचना की है। एक चम्पू काव्य संस्कृत में लिखा है। आपने संस्कृत एवं हिन्दी में सहसाधिक जापानी काव्य "हाइकु" की रचना की है।

आप राष्ट्र हित चिन्तक संत शिरोमणि के रूप में प्रसिद्ध हुये हैं। आपके प्रसिद्ध चिंतन इस प्रकार है:- (1) भारत में भारतीय शिक्षण पद्धति लागू हो (2) अंग्रेजी नहीं भारतीय भाषा में व्यवहार हो (3) छात्र-छात्राओं की शिक्षा पृथक-पृथक हो (4) विदेशी गुलामी का प्रतीक इंडिया नहीं हमें गौरव का प्रतीक भारत नाम देश का चाहिये (5) नौकरी नहीं व्यवसाय करो (6) चिकित्सा व्यवसाय नहीं सेवा है (7) स्वरोजगार को संवर्धित करो (8) बैंकों के भ्रम जाल से बचो और बचाओ (9) जैविक खेतीबाड़ी सर्वश्रेष्ठ (10) हथकरघा स्वावलम्बी बनने का सोपान है (11) भारत की मर्यादा साड़ी है (12) गौशालाएं जीवित कारखाना हैं (13) मांस निर्यात देश पर कलंक है (14) शत प्रतिशत मतदान हो (15) भारतीय प्रतिभाओं का पलायन रोका जाये आदि।

ऐसे युग श्रेष्ठ संत आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज ने अपने जीवन की संध्या में मृत्यु को जीतने के लिए चन्द्रगिरि तीर्थ डोंगरगढ, छत्तीसगढ में 27 दिसम्बर 2023 को सल्लेखना साधना प्रारंभ की और 17 फरवरी 2024 की रात्रि 2:35 पर मृत्युंजयी बनकर समाधी में लीन हो गए।

SANT SHIROMANI DIGAMBAR JAINACHARYA VIDYASAGAR MAHAMUNIRAJ

At the young age of 22, you took the initiation of Digambar Muni from the great poet Digambaracharya Shri 108 Gyansagar Ji Maharaj on Ashadh Shukla Panchami, 30 June 1968 in Ajmer (Rajasthan). In a short period of time, you presented an excellent example by worshiping knowledge and worshiping penance. Seeing your excellent sadhana and behavior, Guru Acharya Shri 108 Gyan Sagar Ji Maharaj conferred the post of Acharya on 22 November 1972 in Nasirabad (Ajmer), Rajasthan.

You are an expert and litterateur in Kannada, Marathi, Hindi, Prakrit Sanskrit, Apabhramsha, English and Bengali languages. You have awakened your soul powers by remaining absorbed in the deep samadhi of self-realization for 24,30,36,44 hours. You are an ideal leader of public discipline focused on self-discipline and conduct-orientation. You have an aimless, selfless, self-interested and loving vision towards everyone. Impressed by your magnetic personality, everyone from His Excellency the President and the Prime Minister to the Home Minister, Defense Minister, Human Resources Minister, Speaker of the Lok Sabha, etc. and many Governors, Chief Ministers etc. have been in your guidance and have benefitted by your teachings, messages & national interest contemplation.

You have composed the silent epic and have translated 22 ancient Prakrit and Sanskrit texts into Hindi, composed 6 Sanskrit Shataks and 12 Hindi Shataks. A Champu poem is written in Sanskrit. You have composed Japanese poetry "Haiku" in Sanskrit and Hindi.

You have become famous as a national interest thinker, Saint Shiromani. Your famous thoughts are as follows:- (1) Indian education system should be implemented in India (2) Indian language should be preferred rather than English (3) Education of Girls & Boys should be separate. (4) We need to be called as symbol of pride name “Bharat” rather than “India” which symbolizes foreign slavery. (5) Do business, not job. (6) Medicine is not a business, it's a service. (7) Promote self-employment. (8) Beware of deceptive web of Banks and protect others as well. (9) Organic Farming is best (10) Handloom is the step to becoming self-reliant (11) Saree is the dignity of India (12) Cow shelters are living factories (13) Meat export is a stigma on the country (14) There should be 100 % voting (15) Migration of Indian talents should be stopped etc.

To conquer death in the evening of his life, the great saint of the era, Acharya Shri 108 Vidyasagar Ji Maharaj, started Sallekhana Sadhana on 27 December 2023 at Chandragiri Tirth Dongargarh, Chhattisgarh and have became Mrityunjayi at 2:35 am on 17 February 2024 and attained Samadhi.

PRICE : ₹ 1000

PRINTED : APRIL 2025